देश ने घरेलू स्रोतों से 1,20,000 करोड़ के सैन्य उपकरण खरीदे : रक्षामंत्री राजनाथ सिंह - 12

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा- भारत और अमेरिका व्यापारिक समझौते पर वार्ता जारी- 12

अपनों पर बम गिराता है पाकिस्तान नरसंहार-बलात्कार भी उसे मंजूर - 13

स्मृति मंधाना आईसीसी एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार- 14

आज का मौसम

31.0⁰ अधिकतम तापमान

22.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.04

सूर्यास्त 05.47

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर नगर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक कृष्ण पक्ष द्वितीया 02:22 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2082

बुधवार, 8 अक्टूबर 2025, वर्ष 4, अंक 48, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

विश्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष में भारत की वृद्धि अनुमान 6.5 प्रतिशत किया

नई दिल्ली, एजेंसी

- 2026-27 के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान को 6.5 प्रतिशत से घटाकर 6.3 प्रतिशत किया

विश्व बैंक ने मंगलवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के वृद्धि अनुमान को बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया। पूर्व में इसके 6.3% रहने की संभावना जताई गई थी। साथ ही अनुमान भी जताया कि उपभोग वृद्धि में लगातार मजबूती के बल पर भारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा।

विश्व बैंक ने हालांकि आगाह किया कि अमेरिका के भारतीय निर्यात पर लगाए गए 50 प्रतिशत शुल्क का आने वाले वर्ष में देश पर प्रभाव पड़ेगा। इसने 2026-27 के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान को 6.5 प्रतिशत से घटाकर 6.3 प्रतिशत कर दिया। विश्व बैंक के दक्षिण एशिया विकास सूचना (अक्टूबर 2025) में कहा गया, उपभोग वृद्धि में लगातार मजबूती के बल पर भारत के दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बने रहने की उम्मीद है। इसके मुताबिक घरेलू परिस्थितियां, विशेष रूप से कृषि उत्पादन और ग्रामीण वेतन वृद्धि, अपेक्षा से बेहतर रही हैं। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों से आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया, वित्त वर्ष 2026-27 के लिए पूर्वानुमान घटा दिया गया है।

भारत से अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले लगभग तीन-चौथाई माल पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने के चलते ऐसा किया गया। दक्षिण एशिया में वृद्धि दर 2024-25 के 6.6 प्रतिशत से घटकर 2025-26 में 5.8 प्रतिशत रह सकती है।

मोदी का सरकारी मुखिया के रूप में 25वां वर्ष शुरू, साझा की यादें

- 2001 में 7 अक्टूबर को बने थे गुजरात के सीएम, कहा- बीते 11 वर्षों में ऐतिहासिक परिवर्तन हुए
- प्रधानमंत्री ने पोस्ट किया- लोगों के जीवन में सुधार और राष्ट्र की प्रगति में योगदान का प्रयास किया

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को सरकार के मुखिया के रूप में अपने 25वें वर्ष की शुरुआत करते हुए कहा कि लोगों के जीवन में सुधार लाना और इस महान राष्ट्र की प्रगति में योगदान देना उनका निरंतर प्रयास रहा है। मोदी ने एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट कर कहा कि उन्होंने 7 अक्टूबर 2001 को पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी।

उन्होंने उन बदलावों पर जोर दिया जो पहले उनके गृह राज्य में और फिर उनके कार्यकाल में पूरे देश में आए। उन्होंने कहा, अपने साथी भारतीयों के निरंतर आशीर्वाद से मैं सरकार के मुखिया के रूप में अपनी सेवा के 25वें वर्ष में प्रवेश कर रहा हूं। भारत की जनता के प्रति मैं आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा, इन सभी वर्षों के दौरान मेरा निरंतर प्रयास रहा है कि हम अपने लोगों के जीवन को बेहतर बनाएं तथा इस महान राष्ट्र की प्रगति में योगदान दें, जिसने हम सभी का पालन-पोषण किया है। कहा कि भारतीय किसान नवाचार कर रहे हैं और यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि राष्ट्र आत्मनिर्भर हो, जबकि सरकार ने व्यापक सुधार किए हैं। कहा, बीते 11 वर्षों में हम भारत के लोगों ने परिश्रम की पराकाष्ठा करते हुए निर्णायक कदम उठाते हुए देश में अनेक ऐतिहासिक परिवर्तन किए।

2013-14 में एक कमजोर कड़ी के रूप में देखा जाता था भारत

मोदी ने कहा कि जब भाजपा ने 2013 में उन्हें 2014 के लोकसभा चुनावों के लिए प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार चुना था, तब देश विश्वास और शासन के संकट से गुजर रहा था। तत्कालीन संप्रग सरकार भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और नीतिगत निष्क्रियता के सबसे बुरे रूप का पर्याय थी। भारत को वैश्विक व्यवस्था में एक कमजोर कड़ी के रूप में देखा जाता था। लेकिन, भारत की जनता के विवेक ने हमारे गठबंधन को भारी बहुमत दिलाया। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपनी नियुक्ति को याद करते हुए मोदी ने कहा कि उन्होंने बहुत ही कठिन परिस्थितियों में पदभार संभाला था, क्योंकि राज्य में भीषण भूकंप आया था और लोगों की परेशानियां और भी बदतर हो गई थीं, क्योंकि वे इससे पहले एक बड़े चक्रवात, लगातार सूखे और राजनीतिक अस्थिरता से घिरे हुए थे। मोदी ने मुख्यमंत्री का पदभार ग्रहण करते समय अपनी मां द्वारा दिए गए सुझावों को बड़े प्रेम से याद किया।

ब्रीफ न्यूज

संदिग्ध परिस्थितियों में डिप्टी सीएमओ की मौत

बहराइच। कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के त्रिमुहानी चौकी क्षेत्र के काजीपुरा में किराये पर रहने वाले डिप्टी सीएमओ का शव संदिग्ध परिस्थितियों में उनके कमरे में मंगलवार को मिला। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे परिजन पोस्टमार्टम के बाद शव लेकर गृह जनपद चले गये। गोरखपुर के सिंगाड़िया शिवपुर रोड निवासी राकेश प्रसाद यहां डिप्टी सीएमओ के पद पर तैनात थे। वह काजीपुरा में एक किराए में रहते थे। सोमवार रात अज्ञात कारणों से उनकी मौत हो गई। सुबह आसपास के लोगों ने दरवाजा खुला न देखकर दस्तक दी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने किसी तरह दरवाजा खोला तो अंदर वह मृत मिले। पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। परिजन शव लेकर लौट गए। पुलिस के मुताबिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारण स्पष्ट हो पाएंगे।

ऊर्जा बैठक में मनोहर लाल ने की अगुवाई

नई दिल्ली। केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल दक्षिण अफ्रीका में ऊर्जा बदलाव पर आयोजित जी-20 मंत्री-स्तरीय बैठक में भारतीय प्रतिनिधित्व की अगुवाई कर रहे हैं। केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल सात से 10 अक्टूबर, 2025 तक दक्षिण अफ्रीका में होने वाली जी20 मंत्री-स्तरीय बैठक में भाग लेंगे। यह चार-दिवसीय सम्मेलन है। बैठक में विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के ऊर्जा क्षेत्र के प्रतिनिधि अहम मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे।

देवेगौड़ा संक्रमण के बाद अस्पताल में भर्ती

बेंगलुरु। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा को संक्रमण के बाद मंगलवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया। मणिपाल अस्पताल ने एक बयान में कहा, पूर्व प्रधानमंत्री को संक्रमण के कारण ओल्ड एयरपोर्ट रोड स्थित मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनका इलाज चल रहा है और चिकित्सा विशेषज्ञों की एक टीम उनकी प्रगति पर नजर रख रही है। परिवार के सदस्यों के अनुसार, जनता दल (सेक्युलर) प्रमुख देवेगौड़ा (92) को बुखार था, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सफाई कर्मियों के साथ अप्रिय घटना पर 40 लाख मुआवजा देगी सरकार : योगी

मुख्यमंत्री ने वाल्मीकि जयंती पर कर्मचारियों को दी बड़ी सौगात, विपक्ष पर साधा निशाना

- कहा- अब आउटसोर्सिंग कंपनी नहीं, सरकार का कॉरपोरेशन सीधे बैंक खाते में देगा पैसा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में महर्षि वाल्मीकि जयंती पर मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी को प्रतिमा भेंट करते एमएलसी लालजी प्रसाद निर्मल।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सफाई कर्मियों को बड़ी सौगात दी है। उन्होंने घोषणा की कि अब सफाई कर्मियों को वेतन आउटसोर्सिंग कंपनियों के बजाय सीधे सरकार के कॉरपोरेशन से बैंक खाते में मिलेगा। स्वच्छता कर्मियों को पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवर दिया जाएगा। अगर किसी कर्मचारी के साथ दुर्घटना या अप्रिय घटना होती है तो 35 से 40 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता बैंक के माध्यम से दी जाएगी।

विपक्ष को निशाने पर लेते हुए कहा कि सपा सरकार में सफाई कर्मियों का शोषण होता था। इन्हें चार हजार रुपये भी नहीं मिल पाता था। मुख्यमंत्री योगी मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर महासभा ट्रस्ट द्वारा आयोजित महर्षि वाल्मीकि प्रकट दिवस समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आपकी सुरक्षा समाज की सुरक्षा है, आपका सम्मान भगवान वाल्मीकि की विरासत का सम्मान है। उन्होंने बताया कि जैसे प्रदेश के 80 हजार होमगार्ड्स को बीमा कवर दिया गया है, वैसे ही अब सफाई कर्मचारियों को भी यह लाभ मिलेगा। योगी ने कहा कि सपा ने बाबा साहेब आंबेडकर और मान्यवर कांशीराम के नाम से बने कॉलेजों व विश्वविद्यालयों के नाम बदल दिए। ये लोग हर काम को वोटबैंक की नजर से देखते हैं। कहा कि सपा सरकार में सफाई कर्मियों को चार हजार रुपये तक का वेतन भी समय पर नहीं मिलता था, जबकि प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहले कहा कि मैला ढोने की कुप्रथा बंद होनी चाहिए। आज हर घर में शौचालय बना।

सफाई कर्मचारियों में वाल्मीकि समाज के लोगों को प्राथमिकता देते हुए अच्छे मानदेय की व्यवस्था हुई। हर गांव में सामुदायिक शौचालय का निर्माण हो, उसमें स्वच्छता मित्रों को मानदेय देने का कार्य नियमित रूप से देने का आदेश जारी किया गया।

लालापुर आश्रम कब्जा रहे थे सपा के गुंडे

योगी ने कहा कि सपा के गुंडे लालापुर के आश्रम पर कब्जा कर रहे थे। हमने कहा, नाम नोट करो, इनके बाप-दादाओं ने जो प्रॉपर्टी जमा की है, उसे आश्रम के नाम पर करवा डालो। कहा कि यह राम व कृष्ण का विरोध करते हैं। विपक्षी कहते थे कि राम-कृष्ण हुए ही नहीं यानी इन्होंने महर्षि वाल्मीकि के प्रकट उत्सव पर प्रश्नचिह्न खड़ा किया। सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने अयोध्या एयरपोर्ट का नामकरण महर्षि वाल्मीकि के नाम पर किया, तब भी सपा ने विरोध किया।

बच्चे पढ़ाने की अपील

योगी ने वाल्मीकि समाज से अपील की कि वे अपने बच्चों को स्कूल भेजें और पढ़ाएं। बोले कि जब बच्चे शिक्षित होंगे तो समाज का नेतृत्व करेंगे। कोई काम छोटा नहीं होता। मां अपने बच्चे की गंदगी साफ करती है, वैसे ही आप समाज को स्वच्छ बनाते हैं।

भूस्खलन की चपेट में आई बस, 18 की मौत

भूस्खलन की चपेट में बस के आने के बाद बचाव अभियान में जुटा प्रशासन।

शिमला, एजेंसी

- हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में मंगलवार शाम हुआ हादसा

हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में मंगलवार शाम एक निजी बस के भूस्खलन की चपेट में आने से कम से कम 18 यात्रियों की मौत हो गई। यह दुर्घटना झंडूता विधानसभा क्षेत्र के भालूघाट इलाके में हुई। अधिकारियों ने बताया कि बस में तीन दर्जन यात्री सवार थे और यह हरियाणा के रोहतक से घुमारवीं जा रही थी।

पुलिस व प्रशासन के अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और बचाव कार्य जारी है। अब तक मलबे से 18 शव बरामद किए जा चुके हैं। बचाव कार्य में लगे एक पुलिसकर्मी ने बताया कि पहाड़ का एक बड़ा हिस्सा बस पर गिर पड़ा और यात्रियों के बचने की संभावना बहुत कम है। सीएम सुक्खू ने घटना पर दुख व्यक्त किया है और अधिकारियों को बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। इस क्षेत्र में सोमवार से रुक-रुककर बारिश हो रही है।

बस में सवार थे 35 यात्री

बताया जा रहा है कि करीब 35 लोग बस में सवार थे। घटना शाम करीब साढ़े छह बजे हुई है। बस में मरोतन बरठीं, घुमारवीं और बीच के स्टेशनों के लोग सवार थे। चालक और परिचालक की मौत हो चुकी है। मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

गाजीपुर में बालक से कुकर्म और हत्या के दोषी को मृत्युदंड

गाजीपुर, एजेंसी

- दोषी ने कृत्य के बाद रस्सी से बालक की गला घोट कर कर दी हत्या

गाजीपुर जिले की एक विशेष अदालत ने आठ वर्षीय एक बालक के साथ अप्राकृतिक दुष्कर्म कर उसकी हत्या के मामले में मंगलवार को एक व्यक्ति को दोषी करार देते हुए फांसी की सजा सुनाई। एक अधिवक्ता ने यह जानकारी दी।

अभियोजन पक्ष के अधिवक्ता प्रभु नारायण ने बताया कि जिले की विशेष पॉक्सो अधिनियम अदालत के न्यायाधीश रामअवतार प्रसाद ने बालक के साथ अप्राकृतिक दुराचार करने के बाद उसकी हत्या कर लाश को अपने ही घर में छिपाने वाले अभियुक्त संजय प्रसाद नट को दोषी करार देते हुए फांसी की सजा सुनाई। प्रभु नारायण ने कहा थाना में दर्ज कराई गई शिकायत में आरोप था कि 19 फरवरी 2024 को संजय नट पड़ोसी के आठ साल के बालक को अपराह्न तीन बजे अपने घर में ले गया। उसके बाद उसने रस्सी से बालक की गला घोट कर हत्या कर दी।

हरियाणा के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी आवास में मृत मिले

चंडीगढ़। हरियाणा के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी वाई पूरण कुमार मंगलवार को चंडीगढ़ स्थित अपने आवास में मृत पाए गए। शरीर पर गोली के जख्म मिले हैं। पूरण कुमार (52) आईपीएस के 2001 बैच के अधिकारी थे और वह अधिकारियों के अधिकारों और वरिष्ठता तथा अन्य मुद्दों से संबंधित मामलों में अपने हस्तक्षेप के लिए जाने जाते हैं। उन्हें हाल ही में रोहतक के सुनारिया में पीटीसी के महानिरीक्षक के रूप में तैनात किया गया था। कुमार की पत्नी अमनीत आईएएस अधिकारी हैं और हरियाणा सरकार के विदेश सहयोग विभाग की आयुक्त एवं सचिव पद पर कार्यरत हैं। वह सीएम सैनी के एक प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के तौर पर जापान में हैं।

- शरीर पर गोली के निशान आत्महत्या की आशंका

हटाए गए 3.66 लाख वोटरों का मांगा विवरण

नई दिल्ली, एजेंसी

- बिहार की अंतिम मतदाता सूची पर कोर्ट ने मांगी जानकारी

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को निर्वाचन आयोग से कहा कि वह बिहार में एसआईआर प्रक्रिया के बाद तैयार अंतिम मतदाता सूची से बाहर किए गए 3.66 लाख मतदाताओं का विवरण उसे उपलब्ध कराए।

निर्वाचन आयोग ने न्यायालय को सूचित किया कि 30 अगस्त को मसौदा मतदाता सूची के प्रकाशित होने के बाद जोड़े गए ज्यादातर नाम नए मतदाताओं के हैं और अब तक सूची से बाहर किए गए किसी भी मतदाता ने कोई शिकायत या अपील दायर नहीं की है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने यह निर्देश तब पारित किया, जब राजद, कांग्रेस और माकपा जैसे विपक्षी दलों के नेताओं सहित कुछ याचिकाकर्ताओं ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने अंतिम सूची से मतदाताओं को हटाए जाने को लेकर कोई नोटिस या कारण नहीं बताया है। पीठ बिहार में एसआईआर कराने के निर्वाचन आयोग के 24 जून के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी।

उसने कहा कि निर्वाचन आयोग बाहर रखे गए मतदाताओं के बारे में उपलब्ध सभी जानकारी गुरुवार तक (9 अक्टूबर) तक अदालत के रिकॉर्ड पर लाए, जब वह एसआईआर प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर आगे की सुनवाई करेगी।

यूपीसीडा में प्रबंधक हेमेंद्र प्रताप सिंह बर्खास्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- विद्युत यांत्रिक के पद पर थे तैनात मनमानी एवं कदाचार के कई आरोप

अमृत विचार: यूपीसीडा में प्रबंधक विद्युत यांत्रिक के पद पर तैनात रहे हेमेंद्र प्रताप सिंह को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। नियमों की अनदेखी, मनमानी करना उन्हें भारी पड़ा है।

मंगलवार को औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने हेमेंद्र की बर्खास्तगी के प्रस्ताव पर मुहर लगाई। 27 नवंबर 2020 को शासन ने ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण से हेमेंद्र का यूपीसीडा में स्थानांतरण आदेश जारी किया था। 1 दिसंबर 2020 को ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास विभाग से उन्हें कार्यमुक्त भी कर दिया गया। लेकिन यूपीसीडा में तत्काल कार्यभार संभालने के बजाय हेमेंद्र प्रताप सिंह दिनांक 18 अप्रैल 2022 तक अनुपस्थित रहे। ऐसे में उन पर अनधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने, चिकित्सा अवकाश के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत न करने, पर्याप्त आधार एवं संतोषप्रद स्पष्टीकरण के बिना अवकाश स्वीकृत कराए बगैर सेवा से विरत रहने के आरोप लगाए गए। साथ ही उन्हें उच्चादेशों की प्रत्यक्ष अवहेलना का भी दोषी पाया गया था। आरोपों के संबंध में एसीईओ द्वारा जांच की गई। एसीईओ यूपीसीडा की जांच आख्या में भी प्रबंधक हेमेंद्र के खिलाफ लगाए गए आरोप सिद्ध पाए गए।

क्वांटम प्रौद्योगिकी के लिए तीन वैज्ञानिकों को भौतिकी में नोबेल

स्टॉकहोम। जॉन क्लार्क, माइकल एच डेवोरेट और जॉन एम मार्टिनिस को डिजिटल प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने वाली क्वांटम टनलिंग पर शोध के लिए भौतिकी का नोबेल पुरस्कार दिए जाने की मंगलवार को घोषणा की गई। क्लार्क (83) ने अपना शोध कैलिफोर्निया विवि, बर्कले में किया। वहीं, मार्टिनिस ने कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सांता बारबरा में तथा डेवोरेट ने येल में और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सांता बारबरा में भी अपना शोध किया। तीनों को 10 दिसंबर को पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

- जॉन क्लार्क मिशेल देवरे और जॉन एम मार्टिनिस के नाम

सुझाव केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा- एआई वित्त एवं शासन के साथ रोजमर्रा की जिंदगी को भी बदल रहा

मेरे कई डीपफेक वीडियो, नेटवर्क सुरक्षा प्रणाली हो मजबूत

मुंबई, एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर अपने भी कई डीपफेक वीडियो की मौजूदगी का उल्लेख करते हुए लोगों का विश्वास बनाए रखने के लिए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने का आह्वान किया।

सीतारमण ने यहां वार्षिक ग्लोबल फिनटेक फेस्ट को संबोधित करते हुए कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) वित्त एवं शासन के साथ रोजमर्रा की जिंदगी को भी बदल रहा है। हालांकि उन्होंने यह सुनिश्चित करने की जरूरत पर बल दिया कि प्रौद्योगिकी उन्नति मानवता की सेवा करे। वित्त मंत्री ने उन्नत प्रौद्योगिकी के अंधेरे पहलू से भी निपटने के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। सीतारमण ने कहा, जो उपकरण नवाचार को शक्ति प्रदान करते हैं, उन्हीं का इस्तेमाल धोखे और जालसाजी के लिए भी किया जा सकता है। मैं इसे व्यक्तिगत नहीं बना रही हूं, लेकिन मैं कह सकती हूं कि मैंने अपने कई डीपफेक वीडियो को ऑनलाइन प्रसारित होते हुए देखा है। इन डीपफेक वीडियो का इस्तेमाल नागरिकों को गुमराह करने और तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने के लिए किया गया है। उन्होंने कहा कि ये वीडियो इस बात की याद दिलाते हैं कि हमें ऐसे लोगों के खिलाफ अपनी सुरक्षा व्यवस्था को तत्परता से बढ़ाने की कितनी जरूरत है। डीपफेक वीडियो में एआई एवं मशीन लर्निंग तकनीकों के इस्तेमाल से किसी व्यक्ति के चेहरे, आवाज या हाव-भाव को किसी अन्य व्यक्ति या परिस्थिति में नकली रूप से जोड़ा जाता है। आम लोग अक्सर इसे असली वीडियो समझ लेते हैं।

नई पीढ़ी की धोखाधड़ी पर जताई चिंता

उन्होंने कहा, नई पीढ़ी की धोखाधड़ी अब फायरवॉल तोड़ने के बारे में नहीं, बल्कि विश्वास को तोड़ने के बारे में है। अपराधी आवाज की नकल करने, पहचान की नकल करने और लोगों को गुमराह करने वाले असली लगने वाले वीडियो बनाने के लिए एआई का इस्तेमाल कर रहे हैं। सीतारमण ने कहा कि वित्तीय प्रौद्योगिकी में सक्रिय नवोन्मेषकों, निवेशकों और नियामकों सहित पूरे परिवेश की इस मोर्चे पर महत्वपूर्ण भूमिका है। वित्त मंत्री ने कहा कि नवोन्मेषी होने के साथ वित्तीय प्रणालियों को लचीला, सुरक्षित और समावेशी होना चाहिए। उन्होंने समर्पित एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) हैंडल के जरिये निवेशकों को लक्षित करने वाले नकली वीडियो और झूठे प्रतिनिधित्व के मुद्दे को हल करने के लिए बाजार नियामक सेबी के प्रयासों की सराहना की।

अमृत विचार

कानपुर, बुधवार, 8 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

आईएएस अधिकारी सुरेन्द्र सिंह बने मुख्यमंत्री के सचिव

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश के 2005 बैच के आईएएस अधिकारी सुरेंद्र सिंह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सचिव बने हैं। दिल्ली के उप-राज्यपाल सचिवालय में तीन साल की प्रतिनियुक्ति पूरी करने के बाद सुरेन्द्र सिंह की वापसी हुई है। सुरेंद्र सिंह एक तेज-तर्रार और अनुभवी अधिकारी माने जाते हैं। इससे पहले भी वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सचिव रह चुके हैं और शासन में अपनी अहम भूमिका निभा चुके हैं। सुरेन्द्र सिंह की जन्मस्थली मथुरा है। उनके पास मुख्यमंत्री के सचिव के रूप में कार्य करने का पूर्व अनुभव तो है ही, वह मेरठ मंडल के कमिश्नर जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी सफलतापूर्वक कार्य कर चुके हैं। मुजफ्फरनगर, कानपुर नगर, वाराणसी, बरेली, प्रतापगढ़ जैसे जिलों के जिलाधिकारी भी वह रह चुके हैं।

बालाजी हाईटेक कंस्ट्रक्शन कंपनी का एमडी गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) की मेरठ यूनिट की टीम ने बालाजी हाईटेक कंस्ट्रक्शन कंपनी के प्रबंध निदेशक सचिन दत्ता को मंगलवार को नोएडा के सेक्टर-41 से गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ एक ही फ्लैट को दो या उससे अधिक लोगों को बेचने और बिके हुए फ्लैट पर बैंक से करोड़ों रुपये का लोन कराने का आरोप है। रिपोर्ट 9 वर्ष पूर्व गाजियाबाद के विजयनगर थाने में दर्ज की गई थी। ईओडब्ल्यू मेरठ सेक्टर के अधिकारी के मुताबिक सचिन की फर्म ने फोस्टर हाइट्स हाउसिंग सोसाइटी क्रासिंग रिपब्लिक में सस्ते फ्लैट की योजना बनाई।निर्माणाधीन 180 फ्लैट में ज्यादातर दो या उससे अधिक लोगों को आवंटित कर पत्र जारी कर दिए थे।मामले में आरोपी सत्यदेव सिंह को 4 जुलाई और अभिषेक को 25 सितंबर को गिरफ्तार कर लिया गया था।

सभी जिलों के मंदिरों में हुआ रामायण पाठ

अमृत विचार, लखनऊ : महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर मंगलवार को पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने राजधानी स्थित अलीगंज स्थित नया हनुमान मंदिर में महर्षि वाल्मीकि कृत रामायण के अखंड पाठ का शुभारंभ किया। जिसके बाद प्रदेश के सभी 75 जिलों में जिला प्रशासन के सहयोग से मंदिरों में अखंड रामायण पाठ की शुरूआत हुई है। तत्पश्चात मंत्री मड़ियांव स्थित गौतम बुद्ध विहार कॉलोनी के मलिन बस्ती पहुंचे और लोगों को वाल्मीकि सम्मान दिया।

बरेली जाने वाले आप नेताओं को हाउस अरेस्ट करना दुर्भाग्यपूर्ण

अमृत विचार, लखनऊ : बरेली पीड़ित परिवारों से मिलने जाने वाले आम आदमी पार्टी (आप) के 16 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल को बरेली नहीं गया। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले प्रदेश के सह प्रभारी दिलीप पाण्डेय ने बताया कि राज्य सरकार ने आप के कई नेताओं को सोमवार की रात में ही हाउस अरेस्ट कर लिया। ये जानकारी मंगलवार को गोमतीनगर स्थित प्रदेश कार्यालय में दिलीप पाण्डेय ने दी, उन्होंने कहा कि बरेली में जिन परिवारों पर अन्याय, अत्याचार हुआ, मुकदमे हुए,घरों पर बुलडोजर चलाए गए ऐसे पीड़ित परिवारों से मिलने जाने पर सरकार द्वारा आप नेताओं को रोक दिया गया यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है योगी सरकार कुछ छुपाना चाहती है। पुलिस की कार्रवाई तानाशाही का प्रतीक है, सरकार को बताना चाहते हैं कि पार्टी, सरकार की तानाशाही बर्दाश्त नहीं करेगी उप्र. के लोग एकजुट है और पुलसिया तंत्र के खिलाफ खड़े है।

10 दिन में महिला पुलिसकर्मियों ने सीज किए 3,654 वाहन, 9488 से हटवाई काली फिल्म

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मिशन शक्ति 5.0 के तहत चलाए गए विशेष अभियान में 8.5 लाख वाहनों की हुई जांच
- स्टंटबाजी पर दर्ज की गईं 770 एफआईआर, 263 स्टंटबाजों को गिरफ्तार भी किया गया

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रहे मिशन शक्ति 5.0 के तहत प्रदेश की महिला पुलिस कर्मियों ने सड़क पर सुरक्षित माहौल देने के लिए राज्यव्यापी विशेष अभियान चलाया।

22 सितंबर से 1 अक्टूबर तक चले इस अभियान में महिला पुलिसकर्मियों ने 8.50 लाख से अधिक वाहनों की जांच की। इसमें 9,488 वाहनों से काली फिल्म हटवाई। स्टंटबाजी करने पर 770 मुकदमे एफआईआर दर्ज कर 263 स्टंटबाजों को गिरफ्तार किया गया। 1.93 लाख से अधिक वाहनों का चालान करने अलावा 3,654 वाहन सीज भी किए गए। 251 एफआईआर दर्ज कर 450 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया

अभियान की नोडल अधिकारी एडीजी पद्मजा चौहान ने बताया कि 71,473 स्थानों पर 24,457 पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों ने जांच की। इस दौरान 2,817 हूटर और 1,087 बत्तियां हटाई गईं। 18,215 वाहनों का चालान किया गया। 14,504 वाहनों पर जातिसूचक या शासकीय शब्दों के दुरुपयोग पर कार्रवाई हुई। महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पुलिस विभाग ने प्रदेशभर में 57,265 स्थानों पर पैदल गश्त (फुट पेट्रोलिंग) की। अपर पुलिस महानिदेशक से लेकर थाना प्रभारियों तक ने किया निरीक्षण। 7,44,482 व्यक्तियों की चेकिंग की गई। पीआरवी टीमों ने 52,039 स्थानों पर पेट्रोलिंग की।

एडीजी ने कहा कि यह अभियान महिलाओं को सुरक्षित महसूस कराने की दिशा में योगी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति का परिणाम है। ट्रैफिक अनुशासन और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में यह पहल मील का पत्थर साबित हो रही है।

लखनऊ के हजरतगंज में बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाते युवक को समझातीं महिला पुलिसकर्मी। (फाइल फोटो)

योगी सरकार में पुलिस प्रणाली बेहतर

- **अमृत विचार, लखनऊ :** प्रसिद्ध विधि विशेषज्ञ प्रो. डॉ. उपमा गौतम ने यूपी में अपराध नियंत्रण के मोर्चे पर ऐतिहासिक सुधार को लेकर जारी एनसीआरबी की ताज़ा रिपोर्ट पर योगी सरकार की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि आंकड़ों से साफ झलकता है कि अपराध की रिपोर्टिंग में वृद्धि हुई है, जो दरअसल नागरिकों के बढ़े हुए विश्वास को दर्शाता है। अब लोग पुलिस और न्याय प्रणाली से डरने के बजाय उस पर भरोसा कर रहे हैं। डॉ. उपमा गौतम गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय में क्रिमिनल लॉ की जानी-मानी प्रोफेसर हैं। उन्होंने बताया कि नए भारतीय न्याय संहिता और भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता के लागू होने से रिपोर्टिंग और जांच प्रक्रिया पहले की तुलना में काफी सरल और पारदर्शी हुई है। अब लोगों को टालने या 'शू किया जाने' जैसी स्थिति नहीं है। राज्य एजेंसियां हर शिकायत को गंभीरता से ले रही हैं, जिससे नागरिकों में न्याय के प्रति भरोसा बढ़ा है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट पुलिसिंग, तकनीकी निगरानी, महिला सुरक्षा के लिए संचालित मिशन शक्ति और अपराधियों पर सख्त कार्रवाई जैसे प्रयासों ने मिलकर प्रदेश को एक सुरक्षित राज्य के रूप में स्थापित किया है।

महिलाओं को शिक्षा और आर्थिक स्वावलंबन दे रही सरकार : योगी

सीएम ने किया 15 सेवा शक्ति केंद्रों का उद्घाटन, डीपी बोरा की प्रतिमा का अनावरण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिशन शक्ति अभियान को नारी सशक्तीकरण की दिशा में ऐतिहासिक पहल बताते हुए कहा कि सरकार महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, और आर्थिक स्वावलंबन के क्षेत्र में सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार सुरक्षा और सम्मान को भी सुनिश्चित कर रही है।

मुख्यमंत्री मंगलवार को पूर्व विधायक स्वर्गीय डीपी बोरा की 85वीं जयंती पर मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत मातृशक्ति वंदन और 15 सेवा शक्ति केंद्रों (सिलाई प्रशिक्षण केंद्र) की शुरूआत करने के बाद बोल रहे थे। उन्होंने बोरा की प्रतिमा का वर्चुअल अनावरण भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन महर्षि वाल्मीकि की जयंती और मीराबाई के जन्मदिन के साथ-साथ स्वर्गीय डीपी बोरा की जयंती के रूप में भी मनाया जा रहा है।

योगी ने महर्षि वाल्मीकि की रामायण को सामाजिक, धार्मिक और भौगोलिक दृष्टिकोण से अद्वितीय बताते हुए कहा कि यह केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि सामाजिक मूल्यों और पर्यावरण संरक्षण का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि रामायण में भगवान राम का चरित्र धर्म का मूर्त रूप है। महर्षि वाल्मीकि ने समाज को एक आदर्श चरित्र प्रदान किया, जो आज भी प्रासंगिक है। सीएम योगी ने श्री राम जन्मभूमि आंदोलन और अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण का उल्लेख करते हुए कहा कि यह केवल एक मंदिर का निर्माण नहीं, बल्कि रामराज्य की स्थापना की दिशा में एक कदम है।

उन्होंने कहा कि रामायण काल की वनस्पतियों और पर्यावरण को पुनर्जनन करने का कार्य भी चल रहा है। यह हमारी सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत को संरक्षित करने का प्रयास है। इसी तरह, मीराबाई की भक्ति और सामाजिक समरसता को याद करते हुए उन्होंने कहा कि मीराबाई ने अपने गुरु रविदास जी के सान्निध्य में कृष्ण भक्ति के माध्यम से समाज में आस्था और समरसता का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को मीराबाईका चित्र भेंट करते विधायक नीरज बोरा, साथ में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, कवि सर्वेश अस्थाना और अन्य। अमृत विचार

मातृ शक्तियों का हुआ सम्मान

- सीएम योगी ने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाली मातृ शक्तियों को सम्मानित किया। इनमें पद्मश्री हिन्दी साहित्यकार प्रो. विद्या बिन्दु सिंह, शास्त्रीय संगीतज्ञ सुनीता झींगरन, शीला मिश्रा, शालू सिंह और डॉ. चंद्रावती जैसी विभूतियां शामिल रहीं। सीएम ने सम्मानित महिलाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि इन मातृ शक्तियों ने अपने कार्यों से समाज को प्रेरित किया है। इनका सम्मान हम सभी के लिए गर्व का विषय है।

कविता में झलका सामाजिक संदेश

- कार्यक्रम में प्रख्यात कवि सर्वेश अस्थाना ने नारी सम्मान, दहेज उन्मूलन और सामाजिक समरसता पर केंद्रित कविता प्रस्तुत की। सीएम योगी ने उनकी लेखनी की प्रशंसा करते हुए कहा कि कवि समाज की चेतना का दर्पण होता है। कविता समाज में नई दिशा देने की क्षमता रखती है।

ईओडब्ल्यू ने अवध फर्टिलाइजर के अधिकारी को किया गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : ईओडब्ल्यू के मेरठ यूनिट की टीम ने 19 वर्ष से फरार अवध फर्टिलाइजर मिहिरपुरवा बहराइच के अधिकारी को गबन के मामले में गिरफ्तार किया है। उस पर केंद्र सरकार से मिले अनुदान में हेराफेरी का आरोप है।

ईओडब्ल्यू के अधिकारी के मुताबिक अवध फर्टिलाइजर लि. मिहिरपुरवा बहराइच द्वारा रॉक फास्फेट के खरीद व सिंगल सुपर फास्फेट की बिक्री दर्शाकर फर्जी दस्तावेज तैयार किया। इस फर्जी दस्तावेज के जरिये केंद्र सरकार द्वारा दिए गए 71,85,600 रुपये के अनुदान को हड़प लिया। इस मामले में बहराइच के मोतीपुर थाने में 2006 में रिपोर्ट दर्ज की गई। जिसकी जांच शासन ने ईओडब्ल्यू को सौंपी। जांच में अवध फर्टिलाइजर मिहिरपुरवा के निदेशक समेत 13 आरोपी इस फर्जीवाड़े में शामिल पाए गए। इनमें से दो की पहले गिरफ्तारी की जा चुकी है। उनके खिलाफ आरोप पत्र भी कोर्ट में पेश किया जा चुका है। वहीं आरोपी राजकुमार मित्तल की तलाश की जा रही थी। राजकुमार मित्तल गाजियाबाद के नेहरूनगर का रहने वाला है। वह गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार फरार चल रहा था। करीब 19 वर्ष बाद आरोपी राजकुमार मित्तल को ग्रेटर नोएडा वेस्ट सेक्टर मंगलवार को किया गया। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से जेल भेज दिया गया है।

सिलेबस तक सीमित न रहें बाहर की पुस्तकें भी पढ़ें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए दी सलाह
- महाराजा सुहेलदेव विवि आजमगढ़ के दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति ने दी उपाधियां व पदक

अमृत विचार : राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में मंगलवार को महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय, आजमगढ़ का दूसरा दीक्षांत समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर राज्यपाल ने 60,857 विद्यार्थियों को उपाधियां और 68 पदक प्रदान किए, जिनमें से 51 पदक छात्राओं को एवं 17 पदक छात्रों को प्राप्त हुए।

दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने विद्यार्थियों से कहा कि वे केवल सिलेबस तक सीमित न रहें, बल्कि उससे बाहर की पुस्तकें भी पढ़ें। उन्होंने यह भी कहा कि रोजगार ही जीवन का एकमात्र लक्ष्य नहीं होना चाहिए। राष्ट्र सेवा, समाज उत्थान और मानवता की भलाई ही शिक्षा का सर्वोच्च उद्देश्य होना चाहिए। टेक्नोलॉजी आने से रोजगार के स्वरूप में परिवर्तन हुआ है, अतः युवाओं को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कार्य करना चाहिए और नए-नए कौशल सीखने का प्रयास करना चाहिए।

इस अवसर पर कुलाधिपति ने विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए ग्रामों में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों के प्राध्यापकों द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन किया। इस मौके पर उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी, मुख्य अतिथि स्वामी चिदानंद सरस्वती (अध्यक्ष, परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश), विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजीव कुमार, विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद के सदस्यगण, सभी संकायाध्यक्ष, आमंत्रित अतिथि और अन्य सम्मानित महानुभावगण उपस्थित रहे।

महिला हिंसा पर राजभवन संवेदनशील

- राज्यपाल ने समाज में बेटियों के साथ हो रही प्रताड़ना और पारिवारिक हिंसा के प्रकरणों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इस विषय पर राजभवन स्वयं कार्य कर रहा है, समाज के सभी वर्गों को इस दिशा में संवेदनशीलता के साथ कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वविद्यालयों को निर्देश दिया कि वे चरित्र निर्माण, महिला सम्मान और सामाजिक संवेदनशीलता पर विशेष कार्यक्रम आयोजित करें।

अर्जित शिक्षा का समाज के हित में हो उपयोग : योगेन्द्र

- उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने अपने उद्बोधन में कहा कि जो शिक्षा हमने अर्जित की है, उसका समाज के हित में उपयोग कैसे हो, यह हम सभी को सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो राष्ट्र के प्रति कर्तव्य का बोध कराए, और उस शिक्षा पर प्रश्न उठाना चाहिए जो हाथों में पत्थर उठाना सिखाती है।

चिकित्सक के पर्ची लिखने पर ही औषधि विक्रेता दें कफ सिरप

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त ने जारी किए निर्देश
- लोगों ने घर में रखी व खुली दवा का उपयोग न करने की अपील

अमृत विचार : औषधि विक्रेता केवल पंजीकृत चिकित्सक की लिखी पर्ची पर ही कफ सिरप की बिक्री करें, क्योंकि कफ सिरप में प्रयुक्त सक्रिय तत्व औषधि नियमावली 1945 के अंतर्गत आते हैं। ये निर्देश मंगलवार को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की आयुक्त रोशन जैकब ने जारी किया है। उन्होंने इसका व्यापक प्रचार प्रसार करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने लोगों से बगैर चिकित्सकीय परामर्श दवाओं का सेवन न करने और घर में रखी पुरानी या खुली दवाओं का उपयोग न करने की अपील भी की है। कहा कि औषधि खरीदते समय दवा की अंतिम तिथि (एक्सपायरी डेट) देखने के साथ दुकानदार से दवा का बिल जरूर लें।

कुछ राज्यों में कफ सिरप के सेवन से बच्चों की मौत गई थी। इसके बाद केन्द्रीय स्वास्थ्य विभाग की ओर से कई कफ सिरफ पर लगा दिया गया है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त ने अपने निर्देश में कहा कि निर्माता कंपनियों के निरीक्षण सिरप में उपयोग किए गए सहायक रसायनों की नमूने लेकर जांच अनिवार्य रूप से कराई जाएगी। समय-समय पर दवाओं के नमूनों में हानिकारक रसायनों की मिलावट की जांच भी कराई जाएगी। अपमिश्रण पाए जाने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कांशीराम के सम्मान में संगोष्ठी करना सपा का छलावा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : बसपा प्रमुख मायावती ने सपा और कांग्रेस पर करारा हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि ये पार्टियां बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर और बीएसपी संस्थापक कांशीराम के मिशन को कमजोर करने की साजिशों में हमेशा शामिल रही हैं। उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर संगोष्ठी आयोजित करने की घोषणा को "घोर छलावा" और "मुंह में राम, बगल में छुरी" वाली नीति बताया।

बसपा प्रमुख ने मंगलवार को एक्स पर पोस्ट में कहा कि कांशीराम के जीवनकाल में सपा ने लगातार बीएसपी के आंदोलन को कमजोर करने का प्रयास किया। साथ ही आरोप लगाया कि बीएसपी सरकार द्वारा 2008 में बनाए गए ''कांशीराम नगर'' जिले का नाम सपा सरकार ने जातिवादी मानसिकता के तहत बदल दिया। इतना ही नहीं, उनके नाम पर स्थापित कई संस्थानों के नाम सपा सरकार ने बदल दिए थे। मायावती ने यह भी कहा कि कांशीराम के निधन पर उप्र. में सपा सरकार और केंद्र में कांग्रेस सरकार ने एक दिन का भी राजकीय या राष्ट्रीय शोक घोषित नहीं किया, जिससे उनका दलित विरोधी चेहरा उजागर होता है। उन्होंने जनता से आह्वान किया कि ऐसी दलित-विरोधी और जातिवादी सोच रखने वाली पार्टियों से सावधान रहें। बीएसपी ही एकमात्र पार्टी है जो बाबा साहेब और कांशीराम के मिशन को ईमानदारी से आगे बढ़ा रही है।

उत्तर प्रदेश में पार्टी को पुनर्जीवित करने में जुटी कांग्रेस

- **अमृत विचार, लखनऊ :** उत्तर प्रदेश में कांग्रेस खुद को पुनर्जीवित करने में जुटी है। पार्टी की जमीनी मुद्दों को लेकर संघर्ष की रणनीति तैयार है, जिसे शीघ्र अमलीजामा पहनाया जाएगा। इस कवायद के तहत पार्टी नेता गांव-गांव तक फिजीकल और डिजीटल माध्यम से आंदोलन छेड़ेंगे। इस बीच कांग्रेस की ओर से जातियों एवं समुदायों के साथ बैठकों का दौर शुरु हो गया है। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, शिक्षक एवं स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में एमएलसी चुनाव लड़ने, स्थानीय निकाय चुनावों मंथ प्रत्याशी उतारने और दिसंबर के अंत तक जमीनी स्तर पर लाखों पदाधिकारियों की नियुक्ति करने की भी योजना है। दरअसल, कांग्रेस 2027 के विधानसभा चुनावों को लेकर अभी से कमर कस रही है। जमीनी स्तर पर भाजपा को चुनौती देने वाले संभावित नेताओं की पहचान करने की कोशिश जा रही है।

राजनीति | आज बरेली होते हुए रामपुर जाएंगे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष

अखिलेश और आजम की मुलाकात से सधेगी पश्चिमी उप्र की राजनीति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : बरेली में बीते दिनों उपजे विवाद के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव और आजम खां की 8 अक्टूबर बुधवार को होने वाली मुलाकात राजनीतिक रूप से बेहद अहम मानी जा रही है। सपा प्रमुख पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बुधवार को वाया बरेली रामपुर जाएंगे। इस मुलाकात से सपा प्रमुख मुस्लिम वोट बैंक को साधने और पार्टी में पीडीए (पिछड़ा, दलित व अल्पसंख्यक) एकता का संदेश देने की कोशिश करेंगे।

रामपुर सपा प्रमुख गढ़ों में एक रहा है। वहां आजम खां लंबे समय से अगुवाई कर रहे थे।हाल के वर्षों में उनकी सक्रिय राजनीति से दूरी और समर्थकों की नाराज़गी ने सपा में नई

चुनौतियां पैदा कर दी हैं। दूसरी ओर बरेली में 26 सितंबर को मुस्लिम समाज के प्रदर्शन पर पुलिस के लाठी चार्ज से सपा की छवि को नुकसान पहुंच रहा है। हालांकि, सपा का प्रतिनिधिमंडल बरेली जाने वाला था, लेकिन पुलिस ने उसके नेताओं को हाऊस अरेस्ट लिया था। ऐसे में अखिलेश का ये दौरा न केवल व्यक्तिगत संबंधों को मजबूत करने का प्रयास, बल्कि संगठनात्मक मजबूती का हिस्सा भी माना जा रहा है।

राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि अखिलेश और आजम की मुलाकात के दौरान पार्टी की रणनीति, भविष्य में आजम की सक्रियता और 2027 के विधानसभा चुनावों पर चर्चा हो सकती है। साथ ही, मुस्लिम समाज में विश्वास मजबूत करने की रूपरेखा भी तैयार की जाएगी।

यह मुलाकात सपा के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि आजम का प्रभाव पश्चिमी उप्र. के कई इलाकों में अब भी कायम है। इसके अलावा सपा के भीतर पुराने कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और भाजपा के बढ़ते प्रभाव को चुनौती देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। रामपुर में आजम की मौजूदगी और सपा के प्रति उनका विश्वास पार्टी के लिए विशेष महत्व है। दूसरी तरफ अखिलेश के दौरे को लेकर सपा कार्यकर्ताओं में जोश और उम्मीद दोनों दिखाई दे रहे हैं कि यह मुलाकात पार्टी में नई ऊर्जा का संचार करेगी ।

प्रदेश की स्वास्थ्य, शिक्षा, कानून व्यवस्था हो गई बर्बाद

- **अमृत विचार, लखनऊ :** सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार ने प्रदेश की स्वास्थ्य, शिक्षा, कानून व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। झूठ और झूठे आंकड़ों से जनता को भ्रमित करती है। महंगाई, बेरोजगारी चरम पर है। सरकार हर क्षेत्र में फेल हो गई है। कानून व्यवस्था ध्वस्त है। सपा प्रमुख ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि प्रदेश में महिलाओं के साथ अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है। उप्र. में महिला अपराध और अपहरण के मामले देश में सबसे ज्यादा हो रहे हैं। बहन बेटियां सुरक्षित नहीं है। पूरा प्रदेश भ्रष्टाचार की गिरफ्त में है। हर विभाग और हर कार्य में भ्रष्टाचार है। प्रदेश में तमाम तरह के अवैध कारोबार हो रहे है। जमीनों पर कब्जा, गरीबों और दलितों के प्रति अन्याय, पीडीए पर अत्याचार बढ़ता जा रहा है। अपराधी तत्वों को सत्ता का संरक्षण मिला हुआ है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में पूरी तरह से अराजकता है। मुख्यमंत्री और मंत्रीगण जनता को झूठे आंकड़ों से भरमाने की कोशिश कर रहे हैं। बजट का लूट और बंदरबांट हो रहा है।

महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल।

सपा कार्यालय में मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती

अमृत विचार, लखनऊ: समाजवादी पार्टी मुख्यालय में मंगलवार को महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाई गई।

प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की ओर से महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। इसके बाद लालबाग स्थित नूरमंजिल समीप स्थित महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर भी श्याम लाल पाल ने माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। सांसद आरके चौधरी ने परिवर्तन चौक स्थित वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। मुख्य प्रवक्ता राजेन्द्र चौधरी ने बताया कि सभी जिलों में सपा कार्यालयों में वाल्मीकि जयंती मनाई गई।

न्यूज ब्रीफ

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को पकड़ा गया

कानपुर देहात। नाबालिग के साथ दुष्कर्म के आरोपी को गजनेर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। 2 अक्टूबर को दी गई तहरीर में एक व्यक्ति ने उसकी नाबालिग पुत्री को बहला फुसला कर भगा ले जाने और दुष्कर्म करने के संबन्ध में उपेंद्र कुमार पुत्र राजू यादव को नामजद कराया था। मुकदमे से संबन्धित आरोपी को पामा रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस की चेकिंग में 236 का चालान

कानपुर देहात। अकबरपुर और आसपास के क्षेत्रों में मंगलवार को पुलिस टीमों ने ऑटो रिक्शा को लेकर सघन चेकिंग अभियान चलाया। कई ऑटो तय सीमा से अधिक सवारियां बिठाए मिले। कई ने ड्राइवर सीट के बगल में भी लोगों को बैठा रखा था। चेकिंग में 236 वाहनों का चालान किया गया। पुलिस टीम ने चालकों को सख्त हिदायत दी कि यातायात नियमों का पालन करें और यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता दें। दोबारा पकड़े जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कल मनेगा कांशीराम का परिनिर्वाण दिवस

कानपुर देहात। बहुजन नायक मान्यवर कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस सपा कार्यालय में गुरूवार को कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को भव्य रूप से मनाने के लिए जिला उपाध्यक्ष अमर सिंह पाल व जिला सचिव समाजवादी पार्टी बबलू संखवार सहित कई नेताओं की कमेटी बनाई गई है। जिलाध्यक्ष अरूण यादव बब्लू राजा ने पार्टी के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

मैथा में आरएसएस का पद संचलन

शिवली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से मंगलवार को मैथा में पद संचलन का आयोजनन किया गया। ब्लाक रोड से शुरू हुआ पद संचलन मारग, गारब, मांडा गांव के मार्गों से होकर गुजरा। राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला ने महिला कार्यकर्ताओं के साथ पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। संकल्प, अनुशासन और राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पण का संदेश दिया गया। बैंड की धुन पर कदमताल देखते ही बन रहा था, जो आरएसएस के अनुशासन की मिसाल पेश कर रहा था। एसडीएम राजकुमार पांडेय, शिवली कोतवाल प्रवीण यादव, अपराध इंस्पेक्टर शीलेंद्र यादव, जिला बौद्धिक टोली प्रमुख रोहित मिश्रा,जिला शारीरिक प्रमुख रोहित अनिल ,राम नारायण, अनुराग ,दीपांशु, अमरनाथ, शिवकेश तिवारी, मानस द्विवेदी, शिवगोपाल, कार्तिकेय शुक्ला आदि लोग मौजूद रहे।

टेसू-झुंझिया के विवाह में आतिशबाजी के साथ जश्न

संवाददाता, रसूलाबाद

- ढोलक की थाप पर गूंजे मंगल गीत, द्वारचार के बाद फेरे
- वर व कन्या पक्ष ने एक-दूसरे को मिठाई खिला मुंह मीठा कराया
- झुंझिया की शादी में युवतियों ने उत्साह के साथ लगाए ठुमके

अमृत विचार: शरद पूर्णिमा पर टेसू-झुंझिया के विवाह में आतिशबाजी के साथ जश्न मनाया गया। शादी के मौके पर ढोलक की थाप पर मंगल गीत गूंजे। द्वारचार के बाद फेरों की रस्में निभाई गई और वर व कन्या पक्ष ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया। केशव नगर में आयोजित टेसू-झुंझिया के विवाहोत्सव में महिलाओं और युवतियों ने उत्साह के साथ भाग लिया।

विजयादशमी के दिन से शुरू होने वाला टेसू-झुंझिया का विवाहोत्सव पांच दिन चलता और फिर शदर पूर्णिमा को शादी सम्पन्न होने के साथ ही समाप्त हो जाता है। इस विवाहोत्सव की तैयारी हमउम्र बच्चे पूरे साल करते हैं। परपंरा के अनुसार लड़के थाली-चम्मच बजाकर टेसू की बारात निकालते हैं, मोहल्ले की उत्साही लड़कियां शरमाती-सकुचाती झुंझिया रानी को विवाह मंडप में लाती हैं। फिर शुरू होता है ढोलक की थाप पर मंगल गीतों के साथ टेसू-झेंझी का विवाह। सात फेरे पूरे भी नहीं हो पाते और लड़के टेसू का सिर धड़ से अलग कर देते हैं। इसके बाद झुंझिया पति के वियोग में सती हो जाती है।

केशव नगर में टेसू-झुंझिया के विवाह में भाग लेतीं युवतियां व महिलाएं। अमृत विचार

कस्बे के केशव नगर में टेसू-झुंझिया के विवाहोत्सव की परंपरा अभी भी बरकरार है। शरद पूर्णिमा की शाम मोहल्ले के उत्साह बच्चे गगन, हर्षित, रुद्र, नवीन, रवि, गोलू, भोलू आदि लड़के गाजे-बाजे के साथ टेसू की बारात लेकर निकले। बारात की अगवानी के लिए कृष्णा सिंह के दरवाजे पहले से ही विवाह मंडप सजा था। यहां पहुंचने पर पहले द्वारचार का कार्यक्रम हुआ। इस दौरान वर पक्ष में शामिल लड़कों ने आतिशबाजी छुड़ाकर जश्न मनाया।

शादी के जोड़े में सजे टेसू और झुंझिया।

इसके बाद कृष्णा सिंह ने अपनी बेटी ज्योति और मोहल्ले की ऊषा, शैलजा, काजल, लक्ष्मी, गार्गी, मनोरमा, आनंदी, किरण, संगीता, शिवानी, आकांक्षा के साथ मिलकर अपनी झुंझिया का टेसू से विवाह रचाया। इस दौरान ढोलक की थाप पर मंगल गीत गूंजे। कुछ उत्साही युवतियों ने झुंझिया की शादी की खुशी में ढोलक की थाप पर ठुमके भी लगाए। इसके बाद दोनों ही पक्षों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया। इसके बाद विवाह भोज का आयोजन हुआ।

गाना गाते हुए घर-घर जाकर चंदा मांगते बच्चे

एक दौर था, जब गांव में छोटे बच्चे-बच्चियां टेसू-झांझी लेकर निकलते थे और गाना गाकर चंदा मांगते थे। इसके लिए टेसू-झांझी समिति बनाई जाती थी। हर साल कोई एक परिवार झांझी के लिए जनाती बनता और एक परिवार टेसू की तरफ से बराती की भूमिका निभाता। कुछ इलाकों में बृहद स्तर पर आयोजन होते थे। अब समय के साथ बदलाव आया है। अब कम लोग ही इस परंपरा को जीवित रखे हुए हैं। जनपद के ग्रामीण इलाके हों या फिर शहरी, यहां सामूहिक आयोजन भले ही न हों, लेकिन घर-घर में टेसू-झांझी का विवाह होता था। मान्यता थी कि इस विवाह के बाद वैवाहिक कार्यक्रमों में कोई अड़चन नहीं आती है।

विवाह से मांगलिक कार्यक्रम शुरू होने की परंपरा

- ऐसी मान्यता है कि टेसू और झुंझिया के विवाह से समाज में मांगलिक कार्यक्रम प्रारंभ होने की परंपरा है। इसके लिए दशहरा के दिन से टेसू और झुंझिया लेकर लड़के और लड़कियां दरवाजे-दरवाजे पहुंचते हैं और टेसू-झुंझिया के गाने गाकर पैसे मांगते हैं। शरद पूर्णिमा रात्रि पूरे उत्साह के साथ टेसू-झुंझिया का विवाह होता है।

वाहन की टक्कर से पोल टूटा, बत्ती गुल

राजपुर। कस्बे के पटेल नगर में एक तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से सड़क किनारे लगा बिजली का एक खंभा टूट गया। इस वजह से करीब 25 घरों की बिजली गुल रही। पूरी रात बिजली गुल होने से लोगों को गर्मी में काफी परेशानी उठानी पड़ी।

कस्बे के पटेल नगर में दमनपुर मार्ग पर सोमवार रात करीब पौने 12 बजे सड़क किनारे लगे एक खंभे में तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे खंभा और तार टूटने से विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। इससे जुड़े करीब 25 घरों में करीब 13 घंटे बिजली आपूर्ति बाधित रही। नासिर, रामसेवक, नजरुल हसन, इस्लाम, मैयादीन ने बताया कि पूरी रात बिजली गुल रहने से गर्मी और उमस में परेशानी उठानी पड़ी। मंगलवार सुबह कर्मचारी पहुंचे। दोपहर एक बजे खंभे की लाइन काटकर दूसरे खंभे से आपूर्ति बहाल की। बिजली आने के बाद लोगों को राहत मिली। जैनपुर उपकेंद्र के जेई राहुल साहू ने बताया कि बिजली की लाइन दुरुस्त करके आपूर्ति बहाल कर दी गई है।

लिफ्ट में मजदूर की मौत, पांच घंटे बाद निकाला जा सका शव

रनियां की बिस्किट फैक्ट्री में हुआ हादसा, लिफ्ट के चैनल में गर्दन फंसने से गई जान

संवाददाता, रनियां

- रायपुर की बिस्किट फैक्ट्री में हुआ हादसा, बिलखते पहुंचे परिजन
- एएसपी और एसडीएम ने फैक्ट्री पहुंच मामले को शांत कराया

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के रायपुर की बिस्किट फैक्ट्री (ओम राज फूड प्राइवेट लिमिटेड) के लिफ्ट में फंसने से एक श्रमिक की मौत हो गई। करीब पांच घंटे तक शव लिफ्ट में ही पड़ा रहा। पुलिस ने शव को बाहर निकालने का काफी प्रयास किया, लेकिन कामयाबी नहीं मिलने पर कटर से लोहे की प्लेट को काटने के बाद दोपहर में शव बाहर निकाला जा सका। इस घटना को लेकर परिवार वालों और साथी मजदूरों में खासा गुस्सा दिखा। पांच घंटे तक हंगामा चलता रहा।

निखिल कुमार।

पड़ोसी औरैया जनपद के फफूंद थाना क्षेत्र के आटा गांव के रहने वाले गिरीश बाबू का पुत्र निखिल कुमार (26) रायपुर की ओम राज फूड प्राइवेट लिमिटेड (बिस्किट फैक्ट्री) में करीब दो माह से कार्यरत था। वह फैक्ट्री परिसर के ही कमरे में रहता था। वह माल ढोने का काम करता था। मंगलवार को निखिल का शव माल ढोने वाली लिफ्ट में फंसा मिला। उसकी गर्दन लिफ्ट के चैनल में फंसी थी और वह वहीं गिरा पड़ा था। कयास लगाए जा रहे हैं कि उसने मदद मांगी होगी, लेकिन लिफ्ट से किसी ने उसकी आवाज नहीं सुनी। काफी देर तक लिफ्ट अटकी रही तो साथी मजदूरों का उधर ध्यान गया। मौत की खबर से हड़कंप मच गया। कंपनी के ठेकेदार ने निखिल के परिजनों को मौत जानकारी दी। सूचना मिलते ही परिजन रोते-बिलखते हुए फैक्ट्री पहुंचे और घटना की सूचना रनियां पुलिस को दी। इधर, घटना को लेकर मजदूरों में गुस्सा भड़क गया। उन्होंने फैक्ट्री प्रबंधन पर उचित इंतजाम नहीं किए जाने का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। इस बीच फैक्ट्री पहुंचे थाना प्रभारी शिवनारायण ने मौके के हालात देख अधिकारियों को सूचना दी। एसडीएम सदर नीलिमा यादव, अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पांडेय, सीओ संजय वर्मा, नायब तहसीलदार रविंद्र मिश्रा मौके पर पहुंचे। कटर के जरिए लोहे की प्लेट काटकर शव को लिफ्ट से बाहर निकाला गया। लिफ्ट से शव निकालने में करीब पांच घंटे लग गए। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य एकत्र कराए।

मौके पर छानबीन करते एएसपी राजेश पांडेय। अमृत विचार

पिता गिरीश चंद को दिया गया 16 लाख का चेक। अमृत विचार

परिजनों का हंगामा 17 लाख में समझौता

- लिफ्ट से निकाले जाने के बाद परिजनों ने शव फैक्ट्री परिसर में रखकर हंगामा शुरू कर दिया और मुआवजे की मांग शुरू कर दी। करीब पांच घंटे तक हंगामा चलता रहा। बाद में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के हस्तक्षेप से मामला सुलझ सका। फैक्ट्री प्रबंधन और परिजनों के बीच 17 लाख बतौर मुआवजा देने के बाद समझौता हुआ। अधिकारियों की मौजूदगी में निखिल के पिता गिरीश बाबू को 16 लाख रुपये का चेक और अंतिम संस्कार के लिए एक लाख रुपये नकद दिए गए।

निखिल पर ही थी दो बहनों की जिम्मेदारी

- खिल की अभी शादी नहीं हुई थी। पिता गिरीश बाबू गांव में रहकर खेती-किसानी करते हैं। उसके परिवार में मां गीता देवी, दो छोटी बहनें हेमा और प्रिया की जिम्मेदारी निखिल के कंधों पर ही थी। निखिल की मौत से परिवार पर दु:खों का पहाड़ टूट पड़ा।

पिकअप की टक्कर से युवक की मौत

रसूलाबाद। कस्बे से अपने गांव जा रहे बाइक सवार को तेज रफ्तार पिकअप ने टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल बाइक सवार युवक की कानपुर के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। चार बहनों में एकलौता भाई था।

जिताई का पुरवा निवासी किसान दिनेश सिंह का बेटा नागेंद्र (24) रसूलाबाद में एक दोस्त की बर्थडे पार्टी में शामिल होने के बाद देर रात घर जा रहा था, तभी छुईयानाला असालतगंज के पास तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हो गया। कानपुर के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मौत से मां बिटोली देवी और परिवार वाले बिलखते रहे।

New DASTAK Classes
दस्तक, आपके सफलता की
The classes are known for preparing students for various exams like
SSC, BANK, UPSI, UPP
Address: Sharada Nagar Crossing No 9, Infront of Anurag Hospital, Kakadeo Kanpur Uttar Pradesh.
CONTACT: 7607780084, 7080270066 Vikash Pathak

पंकज ऑटो मोबाइल्स
हमारे यहाँ Ace, Magic Maximo, Bolero, Scorpio, Pick-up, Tata Megha, Super Ace का स्पेयर पार्ट मिलते है। Maruti, Hyundai, Honda, Renault, Skoda, Nissan, Toyota, Ford, Chevrolet इन सभी कम्पनियों की गाड़ी का Suspention & Disc Pad & Break Rotor एवं स्पेयर पार्ट मिलते है।
15-C, 2nd Floor, Gulati Motor Market Gadarian Purwa, Kanpur
Whatsapp No. 8874837218

माइनर उफनाई, फसलों में भरा पानी

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचार: कसमड़ा बंबा से निकली बिरहुन माइनर ओवरफ्लो होने से धान की फसल को भारी नुकसान हुआ है। बंदी ओवरफ्लो होने से पानी पक्की सड़क के ऊपर से दूसरी ओर जा रहा है। पहले से ही अधिक वर्षा के कारण संकट से जूझ रहे किसानों में इसको लेकर अफरा तफरी मच गई है।

इस बिरहुन माइनर के आसपास के प्रभावित बारापुर ,लक्कापुरवा, बिरहुन, बहेलियनपुर, धर्मुपुर आदि गांवों के बृज किशोर यादव, रामबाबू, परशुराम, सूर्यभान, नागेंद्र, कल्लू, अरमान, नीरज, श्याम सिंह, अरविंद पाल, सत्यपाल आदि किसानों ने बताया कि कसमड़ा बंबा से निकली इस माइनर में पानी अधिक छोड़े जाने से बंबी ओवरफ्लो हो गई है। माइनर ओवरफ्लो होने के कारण पानी पक्की सड़क के दूसरी ओर जाकर खेतों में भर रहा है। इससे किसानों की धान की फसलें जलमग्न हो रही हैं और थान की फसलों को भारी नुकसान हो रहा है। खेतों पर पानी भरने से किसानों में अफरा-तफरी मची है। किसान अपने खेतों में पानी जाने से रोकने के लिए प्रयास कर रहे हैं। सहायक अभियंता (नहर) राजेश यादव ने बताया कि किसानों से उन्हें सूचना मिल गई है। पानी बंद करवा दिया गया है। शीघ्र ही पानी कम होगा।

खेतों पर भर रहे पानी को रोकने का प्रयास करते किसान। अमृत विचार

- खेतों पर पानी भरने से धान की फसल को खासा नुकसान

पता पूछने के बहाने बाले लेकर टप्पेबाज फरार

संवाददाता, राजपुर

- सट्टी थाना क्षेत्र के अफसरिया गांव में हुई घटना, तलाश शुरू

अमृत विचार: खेत पर काम रही महिला से दो बाइक सवार गांव का पता पूछने के बहाने सोने के बाले लेकर फरार हो गए। महिला के पति ने थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने अज्ञात बाइक सवारों पर मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी।

सट्टी क्षेत्र के अफसरिया गांव के लल्लन ने पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी राजकुमारी सोमवार को गांव के सड़क किनारे खेत पर काम कर रही थी, तभी बाइक पर सवार दो युवक आए और गांव का पता पूछने लगे। इसी दौरान युवकों ने बताया कि वे सुनारी का काम करते हैं। राजकुमारी के कान में बाला देख साफ करने का झांसा दिया। उन्होंने कान से उतारकर बाला साफ करने के लिए दे दिए। बाइक सवार बाला लेकर साफ करने का नाटक करने लगे और राजकुमारी से बोले, तुम अपना काम करो, हम बाला साफ कर रहे हैं। वह खेत पर काम करने लगीं। इसी बीच बाइक सवार बाला लेकर निकल भागे। जब तक वह शोर मचातीं, तब तक बाइक सवार रफूचक्कर हो गए। राजकुमारी ने अपने पति लल्लन के साथ थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया। थानाध्यक्ष देवनारायन द्विवेदी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर बाइक सवारों की तलाश की जा रही है।

Silver Jubilee 25 Years
KAPOOR FURNITURES

Luxury Is Not Always COSTLY
DISCOUNT OFFER* UPTO DIWALI

*Condition apply
We change the life style
Finance Facility Available
HDFC BANK We understand your world | BAJAJ FINSERV | Piyestra | Sleepwell | Triveni
124/C/234, Govind Nagar, Kanpur
Mob.: 9839100388, 9076638555

मानवता का संदेश

जिले भर में निकाली गईं शोभायात्राएं, डीजे के धूम-धड़ाके के साथ नाचते-गाते रहे लोग

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर शोभायात्राओं की धूम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचार: महर्षि वाल्मीकि जी की जयंती जिले भर में उत्साह के साथ मनाई गई। अकबरपुर में शोभा यात्रा निकली। अन्य कार्यक्रमों का भी आयोजन हुआ। इनमें सभी ने महर्षि के जीवन वृत्त पर प्रकाश डाला और उनके जीवन में आए बदलाव से प्रेरणा लेने की जरूरत पर जोर दिया। वाल्मीकि समाज के लोगों का सम्मान भी किया गया।

अकबरपुर के अयोध्या नगर मोहल्ले में महर्षि की जयंती धूमधाम के साथ मनी। यहां मुख्य आयोजन के पहले शोभा यात्रा भी निकाली गई। यात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरी। डीजे की धुन पर कलाकारों ने नृत्य प्रस्तुत किया। नृत्य ने लोगों का मन मोह लिया। सभासद प्रतिनिधि जय कुमार भारती ने महर्षि वाल्मीकि जी की आरती की। साथ ही वाल्मीकि जी के जीवन चरित्र पर चर्चा की। इस मौके पर सुनील राजपूत, रामपाल नायक, शिव सिंह नायक आदेश यादव रहे। कमेटी के अध्यक्ष पंकज वाल्मीकि ने सभी सदस्यों का सम्मान किया।

अकबरपुर में महर्षि वाल्मीकि की शोभायात्रा में शामिल लोग। अमृत विचार

एक अन्य कार्यक्रम में सम सामयिक विचारक डा अनूप सचान ने कहा कि वर्तमान में वाल्मीकि जी के विचार जीवन मूल्यों के प्रति काफी प्रासंगिक और प्रेरणादायी हैं। महर्षि की कृति रामायण का भारतीय समाज पर गहरा प्रभाव पड़ा है। यह न केवल जीवन मूल्यों, आचार-विचार व सामाजिक व्यवस्था को दिशा देती है, बल्कि सामाजिक समरसता और न्याय की भी प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि वाल्मीकि रामायण, मानवीय संबंधों में प्रेम, दया, त्याग, भाईचारा, सत्य, अहिंसा, न्याय और करुणा जैसे उच्चतम मानव मूल्यों को स्थापित करती है। रामायण में श्रीराम को मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जो भारतीय समाज के लिए अनुकरणीय बने हैं। रामायण भारतीय समाज के नैतिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक जीवन की नींव है और समाज को संगठित, समरस व संस्कारित बनाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

न्यूज ब्रीफ

बाइक डिवाइडर से टकराई, एक की मौत

चौबेपुर। क्षेत्र के मरियानी गांव के सामने हाईवे पर मंगलवार रात तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि साथ रहा साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। उत्तरीपूरा निवासी ऋषी पांडे (30) मंगलवार की रात अपने साथी कस्बे के ही नवनीत मिश्रा के साथ बाइक द्वारा कानपुर से घर वापस लौट रहे थे। तभी मरियानी गांव के सामने उनकी बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। हादसे में बाइक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गये। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए सीएचसी भेजा, जहां चिकित्सकों ने ऋषि को मृत घोषित कर दिया। वहीं नवनीत की हालत गंभीर देख उसे हैलट अस्पताल कानपुर रेफर किया।

पुलिस से की भैंस चोरी होने की शिकायत

बिल्हौर। ककवन थाना क्षेत्र के बस्ती पुरवा गांव निवासी शैलेंद्र कुमार ने पुलिस को बताया कि 2 दिन पूर्व उनकी भैंस घर के सामने से गायब हो गई थी। पीड़ित किसान ने पुलिस को तहरीर दी है देकर मामले की शिकायत की है। थाना प्रभारी जितेंद्र राजपूत ने बताया कि भैंस चोरी होने की सूचना गलत है। किसान की भैंस आसपास किसी गांव में भटक गई है। मामले की जांच की जा रही है।

युवक को कुल्हाड़ी के बेंत से पीटा, तहरीर

हमीरपुर। कोतवाली के बहगांव निवासी ऊषा पत्नी कल्लू अहिरवार ने बताया कि मंगलवार की सुबह करीब सात बजे उसके दरवाजे पर गांव का एक युवक आया और उसे व उसके पुत्र सचिन को गालियां देने लगा। थोड़ी देर बाद उसका पुत्र सचिन गांव के तालाब के पास गया तो उस युवक ने कुल्हाड़ी की बेंत से पुत्र को पीटा। पीड़िता ने कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई करने की गुहार लगाई है।

शराबी युवक ने दो भाइयों को पीटा

हमीरपुर। कोतवाली के औंता गांव निवासी अरविंद पुत्र मानसिंह राजपूत ने बताया कि सोमवार की शाम करीब छह बजे गांव का एक युवक शराब के नशे में उसे व उसके स्वजनों को गालियां देने लगा। जब उसके भाई रविन्द्र कुमार ने विरोध किया तो मारपीट शुरू कर दी। जब वह बीच बचाव के लिए पहुंचा तो उसके साथ हाथापाई कर दी। पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर दी है।

ट्राला की टक्कर से पोल टूटा, बत्ती गुल

हमीरपुर। नवीन गल्ला मंडी के पीछे आरओ प्लांट वाली गली में सोमवार रात ट्राला चालक ने विद्युत पोल में टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया, जिससे इलाके के सैकड़ों घरों की बत्ती गुल हो गई। अवर अभियंता कार्तिकेय त्रिपाठी ने बताया कि विद्युत पोल टूटने बदलने के आदेश दिए गए हैं। रात तक आपूर्ति शुरू हो जाने की उम्मीद है।

मारपीट कर घर से निकालने का आरोप

हमीरपुर। गोकुल का डेरा की अनीता ने थाने में तहरीर देकर बताया कि उसकी शादी 21 जून 2017 को कालपी निवासी अन्नू पुत्र राम सिंह के साथ हुई थी। शादी के कुछ दिन बाद पति अन्नू, देवर विनोद, ससुर रामसिंह, चाचा बाबू सिंह आए दिन मारपीट करने लगे। अब मारपीट कर घर से निकाल दिया है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सीसीटीवी फुटेज से मिला क्लू

मूसानगर बांगर के प्राचीन मंदिर में तोड़फोड़ का मामला, पकड़ा गया सिरफिरा

अमृत विचार Follow UP

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः रविवार की रात मूसानगर बांगर (गढ) में राम जानकी मंदिर में स्थित शिवलिंग व गणेश प्रतिमा को नुकसान पहुंचाकर माहौल बिगाड़ने वाला युवक पुलिस के हत्थे चढ़ गया। उसकी निशानदेही पर मंदिर के सामने बने कुएं से खंडित शिवलिंग बरामद की गई। मंदिर की देख रेख करने वाले राजकुमार तिवारी की तहरीर पर पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज की है।

मूसानगर कस्बे के मुक्तादेवी धाम वार्ड मे मुक्तेश्वरी मंदिर के पास मूसानगर बांगर (गढ) मे राम-जानकी मंदिर में अराजकतत्वों ने घुसकर शिवलिंग की पिंडी को नुकसान पहुंचाया था। इसके साथ मंदिर मे बने भगवान शिव के मंदिर में गणेश भगवान की प्रतिमा को

कुएं से शिवलिंग की पिंडी को निकलवाने पहुंची पुलिस। अमृत विचार

- नुकसान पहुंचाने के बाद कुएं में फेंक दी थी शिवलिंग की पिंडी
- राम जानकी मंदिर के बगल में ही रहने वाले अंशू तिवारी की करतूत

खंडित कर दिया। पूजन के लिए मंदिर में गए पुजारी ने देखा तो हल्ला मच गया। सूचना पर तत्काल मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को घटना के खुलासे के आश्वासन दिया था। घटना के बाद पुलिस ने मुक्तेश्वरी मंदिर मार्ग व गढ में कई जगह लगे सीसीटीवी कैमरों से जांच प्रारंभ की। सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद पुलिस ने मूसानगर बांगरगढ और कस्बे के साबिर, लल्लू लाल, साहरुख खान, संदीप सविता कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

सीसीटीवी फुटेज में दिख रहे लोगों से पूछताछ की गई तो राम-जानकी मंदिर के बगल में ही रहने वाले अंशू तिवारी का नाम आया। पुलिस ने अंशू तिवारी से कड़ी पूछताछ की तो उसने घटना कबूल की। पुलिस के सामने उसने शिवलिंग का ऊपरी हिस्सा (सगंमरमर की पिंडी) को मंदिर के सामने कुएं में फेके जाने की बात कबूली। इस पर पुलिस ने कुएं में शिवलिंग की तलाश की। देर शाम गोताखोर के माध्यम से शिवलिंग की पिंडी को निकाला गया। मंदिर की देखरेख करने वाले राजकुमार तिवारी पुत्र स्व मथुरा प्रसाद की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। थानाध्यक्ष कालीचरण कुशवाहा ने बताया कि राजकुमार तिवारी की तहरीर पर मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

नशेबाजी में दिया घटना को अंजामः अंशू तिवारी का घर मंदिर के ठीक बगल में है। उसने सारी करतूत नशेबाजी में की। पकड़े जाने के बाद उसने बताया कि उसकी मंशा माहौल खराब करने की नहीं थी। शंकर जी मंदिर से रूठ कर चले गए, इसका झूठा प्रचार करने के लिए उसने शिवलिंग को नुकसान पहुंचाया। लोगों ने बताया कि अंशू फेरी लगाकर कुछ पैसे कमाता है। नशेबाजी में दिन गुजारता है।

उपचार के दौरान बच्चे की थमी सांस परिजनों का हंगामा

बिल्हौर। बिल्हौर कस्बे में प्राइवेट डॉक्टर की लापरवाही से एक बच्चे की मौत हो गई। इससे भड़के परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा काटा। थाने में तहरीर देकर आरोपी डॉक्टर के विरुद्ध पीड़ित पारिवारिक जनों ने कार्रवाई की मांग की है।

शिवराजपुर निवासी आरती कटियार पत्नी राहुल कटियार ने बताया कि उनके बच्चे को सुखा नामक रोग हो गया था। इसके उपचार के लिए वह बिल्हौर के डॉक्टर उमेश के क्लीनिक पर आई थी। इस दौरान उनके द्वारा किए गए उपचार से उनके बच्चे की मौत हो गई। इसके बाद डॉक्टर ने उनसे घर वापस चले जाने के लिए कहा, जिस पर पारिवारिक जन नाराज हो गए और हंगामा करने लगे। परिजनों ने आरोपी डॉक्टर के विरुद्ध कार्रवाई की कार्रवाई की मांग की।उधर मामले में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉक्टर धर्मेंद्र राजपूत ने बताया कोई लिखित सूचना नहीं प्राप्त हुई है लेकिन स्वतः संज्ञान लेकर आरोपी डॉक्टर के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

खुलासे को सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

अमृत विचार Follow UP

संवाददाता, शिवली

- सड़क पर मिला था बसौसी गांव के टेंट संचालक का शव
- मामले में बैंड मास्टर के खिलाफ कायम है मुकदमा
- कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही पुलिस

अमृत विचारः बसौसी गांव के टेंट संचालक अनूप मिश्रा के पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डाक्टर द्वारा विसरा प्रिजर्व किए जाने के बाद पुलिस घटना की गुत्थी सुलझाने के प्रयास में जुट गई है। पुलिस बसौसी गांव से लेकर बाघपुर व मेला के आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक कर रही है जिसके आधार पर पुलिस की आगे की राह आसान होगी।

पुलिस ने देर रात बैंड मास्टर टिकरा के अनीश के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली थी। इसके बाद कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की है। इंस्पेक्टर प्रवीण सिंह ने बताया कि घटना की जांच के तार मिलाने के लिए सीसीटीवी खंगाले जा रहे है। सीसीटीवी फुटेज से पता चलेगा कि वह सड़क किनारे कैसे पहुंचे।साथ ही पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। मालूम हो कि शिवली कल्याणपुर रोड पर बाघपुर के एक पेट्रोल पंप के समीप अनूप कुमार मिश्रा का सोमवार की सुबह शव मिला था। परिजनों ने टिकरा के अनीश की बाइक पर उनके जाने की बात बताई थी।

दूसरी तरफ, शाम को पोस्टमार्टम के बाद शव घर आने पर परिजनों ने शिवली कल्याणपुर रोड पर बसौसी गांव में जाम लगा दिया था। राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला व अधिकारियों के समझाने पर परिजन मान गए थे। परिजनों ने मंगलवार को गंगाघाट पर शव का अंतिम संस्कार कर दिया। इधर घटना के बाद से गांव में सन्नाटा पसरा है।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

सक्षम इलेवन ने आरुष इलेवन को 38 रनों से हराया

घाटमपुर। घाटमपुर में आयोजित क्रिकेट मैच में टॉस जीतकर सक्षम 11 ने पहले बैटिंग करने का फैसला किया। सक्षम इलेवन ने 25 ओवरों 9 विकेट खोकर 162 रन बनाए। सक्षम 11 की तरफ से बैटिंग करते हुए अरव सचान ने 46, दिव्यांशु त्रिपाठी ने 35 रन और अनिकेत शर्मा ने 16 रन बनाए। वहीं आरुष 11 की तरफ से बॉलिंग करते हुए आरुष सिंह ने 4 विकेट ,ऋतिक सोनकर और सुयश द्विवेदी ने 2-2 विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरुष इलेवन ने 24 ओवरों में 124 रन बनाये। इस तरह से सक्षम इलेवन ने 38 रनों से मैच जीत लिया। आरुष 11 की तरफ से बैटिंग करते हुए सुयश द्विवेदी ने 35 रन और आरुष सिंह 24 रन नाबाद बनाए ,सोहम ने 10 रन बनाए। सक्षम 11 की तरफ से रेहान ने 3 विकेट और दिव्यांशु ने 2 विकेट चटकाये ।

महर्षि वाल्मीकि की जयंती धूमधाम से मनाई

संवाददाता बिल्हौर

महर्षि वाल्मीकि जी के चित्र पर पुष्पांजलि करते कार्यकर्ता। अमृत विचार

- भाजपाइयों और सपाइयों ने कार्यकर्ताओं संग दी श्रद्धांजलि

अमृत विचार। बिल्हौर विधानसभा क्षेत्र में मंगलवार को महर्षि वाल्मीकि की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कई ग्राम पंचायतों में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिसमें महर्षि वाल्मीकि के जीवन और उनके कृतित्व को याद किया गया। इस दौरान सामूहिक भोज का आयोजन और प्रतिमा पर पुष्पांजलि किया गया। साथ ही इस आयोजकों और अतिथियों ने महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों का अनुसरण करने और समाज में समरसता बनाए रखने का संकल्प लिया।

मकनपुर कस्बे में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम पूर्व मंडल अध्यक्ष अमित प्रताप सिंह की अगुवाई में संपन्न हुआ, जिसमें सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यकर्ताओं ने एक सामूहिक भोज का आयोजन किया, जिसमें हर वर्ग के लोगों ने शामिल होकर प्रसाद ग्रहण किया। यह आयोजन समाज के विभिन्न तबकों के बीच एकता और सौहार्द का संदेश देने वाला रहा। जयंती के मौके पर सभी कार्यकर्ताओं ने श्रद्धापूर्वक महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए और उन्हें नमन करते हुए श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर अमित प्रताप सिंह (पूर्व मंडल अध्यक्ष),नंदन सिंह, अशोक सिंह, मनोज कुमार गुप्ता, धर्मेंद्र सैनी, अभिनव शुक्ला (पूर्व युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष), श्याम सिंह यादव, अजय कुमार सिंह समेत तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

सपाइयों ने भी महर्षि वाल्मीकि को दी श्रद्धांजलिः बिल्हौर। बिल्हौर विधानसभा क्षेत्र के समाजवादी पार्टी के विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव के नेतृत्व में सपाइयों ने महर्षि वाल्मीकि जी चित्र पर पुष्प अर्पित किए। साथ ही समाज में सामाजिक समरसता को अपनाते हुए उनके बताये आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इस दौरान राजा दुबे, राजू पाल, डॉ सत्येंद्र गौतम, रमेश गौतम, सुनील यादव, कल्लू नेता, बांटी भाई, बीरेन्द्र वर्मा, जितेन्द्र वर्मा, सुनील शर्मा, आदि समाज वादी लोग उपस्थित रहे।

माननीयों में तकरार, हर तरफ चर्चा

रसूलाबाद। सोमवार को नगर पंचायत बोर्ड की बैठक के दौरान छोटी कुर्सी को लेकर अध्यक्ष और विधायक के बीच तकरार हर तरफ चर्चा का विषय बनी है।

बैठक में पदेन सदस्य रसूलाबाद विधायक पूनम संखवार भी पहुंची थीं। पूनम ने अध्यक्ष की कुर्सी से अपनी कुर्सी छोटी देख आपत्ति जताई तो अध्यक्ष देवशरण बहस करने लगे। विधायक और सभासद सदन से चले गए, जिससे प्रस्तावों पर चर्चा तक नहीं हो सकी। विधायक पूनम शंखवार का कहना है कि उन्होंने ईओ से नियमानुसार कार्यवाही शुरू करने को कहा अध्यक्ष बेवजह बहस करने लगे। उधर, चेयरमैन देवशरण बोले, विधायक को ऊंची कुर्सी से दिक्कत थी, इसलिए छोटी रखी गई थी।

वाल्मीकि जयंती पर मिल जुल कर रहने के लिए किया प्रेरित

संवाददाता,राजपुर

राजपुर में आयोजित कार्यक्रम में विचार रखते दिनेश मिश्रा। अमृत विचार

अमृत विचारः कस्बे के वाल्मीकि मोहल्ले मे मंगलवार को बड़े हर्षोउल्लास के साथ महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई गई।कार्यक्रम मे महर्षि बाल्मीकि के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला गया और साथ ही सभी लोगों को मिलजुल कर रहने के लिए प्रेरित किया गया।

मंगलवार को कस्बे के बाल्मीकि मोहल्ले मे महर्षि बाल्मीकि जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रुप मे पहुंचे राष्ट्रीय पंचायतीराज प्रधान संगठन के प्रदेश महासचिव दिनेश मिश्रा व साथ मे आए एडवोकेट कमल कांत अवस्थी का फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। मुख्य अतिथि दिनेश मिश्रा ने सभी लोगों के साथ मिलकर महर्षि बाल्मीकि के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि बाल्मीकि के जीवन से प्रेरणा लेकर हमें समाज की भलाई के काम करने चाहिएं। उन्होंने कहा कि संपूर्ण महापुरुषों की जयंती पर उन्हें याद करने मात्र से ही समाज के भले के काम नहीं हो जाते बल्कि उनके द्वारा दिखाए गए रास्ते पर पूरी निष्ठा व इमानदारी से चलना होगा। उन्होंने कहा कि संत-महापुरुष समाज को नई दिशा व प्रेरणा देने का मार्ग दिखाते हैं रामायण मे हमे बताया गया कि कैसे हम अपने भाईयो से प्रेम करें।

बार काउंसिल ऑफ यूपी के पूर्व अध्यक्ष का स्वागत

घाटमपुर। घाटमपुर में बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष/ सदस्य अरुण कुमार त्रिपाठी का घाटमपुर बार एसोसिएशन में आगमन हुआ। यहां पर बार के सदस्यों द्वारा उनका स्वागत किया गया एवं सिविल जज को भ्रष्टाचार के सम्बन्ध में ज्ञापन दिया गया।

मंच का संचालन मुकेश दीक्षित द्वारा एवं अध्यक्षता एल्डर कमेटी के चेयरमैन सीताराम सचान द्वारा किया गया। जिसमे प्रमुख रूप से श्यामबाबू सचान , शिव सिंह परमार, प्रकाश नारायण द्विवेदी, कुलदीप सिंह परमार, आशुतोष सचान,माधुर्य सचान,शरद सिंह बघेल, मानवेन्द्र सिंह,अहमद सईद,नीरज प्रजापति,अमित पांडेय, राजेश सोनकर, विजय बाबू, दीपू सिंह, विवेक खरे, देवीशंकर, विजय बहादुर आदि साथी अधिवक्ता उपस्थित रहे

अधिवक्ता भवन के बाहर मौजूद अधिवक्ता। अमृत विचार

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैने अपना नाम FARZANA से बदलकर FARZANA BANO रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0-MOHAMMAD AKHTAR ADD-258/60KA/3, NADAN MAHAL DIST-LUCKNOW-226004 (U.P)

सूचना

मैने अपना नाम JAHIRUDDIN से बदलकर JAHIRUDDIN RAYNI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-AKBAR ADD-H.No-115 AURAHWA DHAWAI DIST-BALRAMPUR (U.P)

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD SHAKIR से बदलकर MOHD SHAKIR SIDDIQUI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-MOHAMMAD SIDDIQ ADD-268/46/42, TAKIYA CHAND ALI SHAH, AISHBAGH RAJENDRA NAGAR DIST-LUCKNOW-226004 (U.P)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल परीक्षा 2021 अनुक्रमांक 212549626 तथा इंटरमीडिएट परीक्षा अनुक्रमांक 2237218030 परीक्षाफल वास्तव में कहीं खो गया है। **मनीष कुमार पुत्र श्री राम सूरत ग्राम पोस्ट – चफरिया बाजार जनपद – बहराइच**

सूचना

मैं सुन्दर लाल पुत्र राम आसरे निवासी ग्रा. व पो. उत्तरा गौरी थाना व तह. लालगंज रायबरेली का हूं। मेरे पुत्र अतुल मौर्य के हाईस्कूल के अंकपत्र सह प्रमाणपत्र में मेरा नाम Sunder lal maurya गलत अंकित हो गया है, जबकि आधारकार्ड में Sundar lal अंकित है जो सही है।

सूचना

मेरे आर्मी सर्विस रिकार्ड में मेरी पत्नी का नाम ANJU ROY एवं DOB 03/11/1982 गलत दर्ज हो गई है। जबकि सही नाम ANJU RAI व DOB 10/11/1982 है। कमल नारायण पुत्र जगनारायण नि. 58/E/26 दबौली कानपुर नगर 208022 उ.प्र.

सूचना

मेरे BOB बचत खाता संख्या 31600100000331 में मेरा नाम राम नारायण यादव है। जबकि आधार कार्ड वअन्य प्रपत्रों में राम नारायण है। मुझे राम नारायण पुत्र स्व. राम उजागर के नाम से जाना जाए। नि.मिल्क बोर्ड कच्ची बस्ती गोपाल नगर कानपुर नगर

सूचना

सूचित हो कि मैं **विजय शुक्ला पुत्र श्री यदुनंदन शुक्ला, सेक्टर–Q, अलीगंज** में अपनी यूपी बोर्ड से उत्तीर्ण दसवीं 2011(अनुक्रमांक –1137967) तथा इंटर 2013 (अनुक्रमांक –0956817) के मूल प्रमाण पत्र खो चुका हूं। यदि मिले तो सम्पर्क करें –9838465980

सूचना

मैने अपना नाम सुरेश कुमार से बदलकर सुरेश कुमार सचान कर लिया है, भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाएगा। **सुरेश कुमार सचान पुत्र श्री राम प्रसाद सचान 128/81 वाई ब्लाक, किदवई नगर कानपुर नगर 208011**

सूचना

मेरा पुत्र रिषभ एसएस मेमोरियल सीनियर सेकेड्री पब्लिक स्कूल सैंफई में कक्षा 10 का छात्र था। उसकी मार्कशीट में मेरा नाम ममता यादव व पति का नाम आनंद यादव लिखा है जो गलत है। मेरा सही नाम ममता देवी व पति का नाम आनंद कुमार है। मुझे ममता देवी व पति को आनंद कुमार के नाम से जाना जाय। **ममता देवी पत्नी आनंद कुमार निवासी ग्राम सैंफई जिला इटावा**

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरे ड्राइविंग लाइसेंस नंबर U.P.7619990000048 में मेरा नाम P.N.DIXIT व मेरे पिता का नाम R.L.DIXIT अंकित है। भविष्य में इसकी जगह मेरा नाम TYAGI POORNANAND DIXIT व मेरे पिता का नाम RAM LARAITE DIXIT पढ़ा जाय। **त्यागी पूर्णानंद दीक्षित पुत्र श्री राम लड़ेते दीक्षित, ग्राम सिरौली खेड़ा, थाना नवाबगंज– कायमगंज, फर्रूखाबाद–209625**

सूचना

मै आर्मी नं. 15497421 I में एल.डी.के पद पर ए.सी. रिकार्ड अहमद नगर में कार्यरत हूँ। मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरी माँ का नाम भूलवश SHIVPIYARI व जन्मतिथि 01–07–1942 अंकित हो गई है, जबकि उनके आधार कार्ड मे SHIVPYARI व जन्मतिथि 01–01–1950 अंकित है। इसी प्रकार मेरे पिता का नाम भी सर्विस रिकार्ड में भूलवश RAM AVTAR व जन्मतिथि 01–07–1939 अंकित हो गई है। जबकि आधार कार्ड में उनका नाम RAM AUTAR व जन्मतिथि 01–01–1943 अंकित है। मेरे माता पिता का नाम आधार कार्ड से मिलान कर संशोधित किया जाए। **राम प्रसाद पुत्र राम औतार निवासी ग्राम व पोस्ट देवगांव, थाना सुमेरपुर, तहसील व जिला हमीरपुर (उत्तर प्रदेश)**

Public Notice

I am Apurva, a former student of Dibrugarh University, and I completed BBA (Flying) with enrolment year of 2010. My roll number/registration number is M-2010101346.I have misplaced my Pass Degree Certificate. I am applying for a duplicate certificate for which I am putting out this advertisement. **Address : 60 Dayal Fort, Vishnupuri -III, Aliganj, Lucknow - 226022, Uttar Pradesh**

रामलीला

बिल्हौर के डीपीएसएन इंटर कॉलेज मैदान में रामलीला महोत्सव का चौथा दिन

'भरत मिलाप' और 'राम–सुग्रीव मित्रता' का हुआ मंचन

संवाददाता बिल्हौर

भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्ण मुरारी शुक्ला को सम्मानित करते आयोजक। अमृत विचार

अमृत विचार। कस्बे के डीपीएसएन इंटर कॉलेज मैदान में चल रही रामलीला महोत्सव के चौथे दिन मंगलवार को 'भरत मिलाप' और 'राम-सुग्रीव मित्रता' का भावपूर्ण भव्य मंचन किया गया। इस मार्मिक और रोमांचक प्रस्तुति को देखने के लिए क्षेत्र के हज़ारों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने रामलीला का आनंद लिया।

भरत मिलाप : भावनाओं का ज्वार। मंचन की शुरुआत सबसे पहले 'भरत मिलाप' के दृश्य से हुई, जिसने दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। अयोध्या छोड़कर वनवास जा रहे भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण से भरत के भेंट करने के दृश्य को कलाकारों ने जीवंत कर दिया। भरत का भ्रातृ-प्रेम, राज-पाट का त्याग और भगवान राम को अयोध्या लौटने के लिए मनाने का मार्मिक संवाद देख कई दर्शकों की आंखें भर आईं। जब भरत, राम की चरण पादुकाएं लेकर उन्हें सिंहासन पर स्थापित करने का संकल्प लेते हैं, तो पूरा मैदान जय श्री राम के जयकारों से गूंज उठा। यह दृश्य निस्वार्थ प्रेम और कर्तव्यनिष्ठा का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करता है।

राम-सुग्रीव मित्रता: संकट में सहयोग का संदेश। इसके बाद रामलीला ने अपना रुख किष्किंधा की ओर मोड़ा और 'राम-सुग्रीव मित्रता' का प्रसंग मंचित किया गया। सीता हरण के बाद वियोग में भटक रहे भगवान राम का हनुमान जी के सहयोग से वानरराज सुग्रीव से मिलना दिखाया गया। इस प्रसंग में सुग्रीव की व्यथा, बाली के अत्याचारों की कथा और मर्यादा पुरुषोत्तम राम द्वारा उन्हें सहायता का आश्वासन देना प्रमुखता से दर्शाया गया। कलाकारों ने दर्शाया कि कैसे विपरीत परिस्थितियों में सच्चे मित्र का साथ मिलना किसी बड़ी शक्ति से कम नहीं होता।

रामलीला के संयोजक ललित कुमार शुक्ला के नेतृत्व में यह आयोजन सफलतापूर्वक चल रहा है। चौथे दिन के इस शानदार मंचन के अवसर पर प्रमुख रूप से पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष कृष्ण मुरारी शुक्ला, चोरसा ग्राम प्रधान धीरेन्द्र प्रताप सिंह,ग्राम प्रधान राजू स्वर्णकार, अखिलेश अवस्थी ,प्रदीप कुमार मिश्रा, ओम नारायण शुक्ला, धर्मेंद्र सिंह,धर्मेंद्र गुप्ता , सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

महिलाओं की सुरक्षा पुलिस की पहली प्राथमिकता

राजपुर। मिशन शक्ति फेज 5 के तहत सट्टी पुलिस सक्रिय दिखाई दे रही है। पुलिस गांव गांव जाकर महिलाओं को चौपाल लगाकर जागरूकता के साथ साथ टोल फ्री नंबरों व साईबर क्राइम से संबंधित जागरूक करतीं दिखाई दे रही है। साथ ही सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी जा रही है।सट्टी थाना क्षेत्र के गिरधरपुर गांव में पंचायत सचिवालय परिसर में मंगलवार को सट्टी थाना अध्यक्ष देवनारायण द्विवेदी की मौजूदगी में मिशन शक्ति फेज 5 के तहत ग्राम प्रधान अंशु कुमार की मौजूदगी में जन चौपाल लगाई गई।

सुविचार

कभी भी दुष्ट लोगों की सक्रियता समाज को बर्बाद नहीं करती, बल्कि हमेशा अच्छे लोगों की निष्क्रियता समाज को बर्बाद करती है।
-शिव खेड़ा

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर, बुधवार 8 अक्टूबर 2025

कानपुर के प्रमुख समाचार

- खुले नाले में गिरकर हादसे होते, अधिकारी भूल जाते- II
- अखिलेश दुबे के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी- III
- बैंड-बाजे के साथ निकली 87 दूल्हों की बारात- IV

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702,
शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

शहर में आज

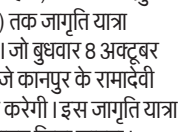

- **बैठक :** नगर निगम मोतीझील में नगर निगम सदन की बैठक दोपहर 12 बजे से।
- **यात्रा :** पटना साहिब से आनंदपुर पंजाब तक जा रही जागृति यात्रा का रामादेवी में स्वागत दोपहर तीन बजे।
- **परिचर्चा :** नरोना चौराहा मेगा मॉल में गांधीवादी डॉ .गुंजन सिंह की लद्दाख यात्रा पर परिचर्चा शाम चार बजे।
- **बैठक :** कानपुर गौशाला सोसाइटी संचालक मंडल की गैंजेस क्लब में शाम पांच बजे बैठक।
- **शिविर :** उत्तर प्रदेश सिख फाउंडेशन द्वारा मोतीझील ग्राउंड पर रक्तदान शिविर, शबद कीर्तन रात आठ बजे।

सिटी ब्रीफ

आज शहर आएगी जागृति यात्रा

कानपुर। श्री गुरु सिंह सभा लाटूश रोड के चेयरमैन सरदार हरविंदर सिंह लार्ड, सुखविंदर सिंह लाडी भल्ला, हरमिंदर सिंह लोंगोवाल ने बताया कि तख्त श्री पटना साहिब (बिहार) से श्री आनंदपुर साहिब (पंजाब) तक जागृति यात्रा निकाली गई है। जो बुधवार 8 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे कानपुर के रामादेवी चौराहा में प्रवेश करेगी। इस जागृति यात्रा का जोरदार स्वागत किया जाएगा।,

मोतीझील का जलभराव ठीक कराया

कानपुर। सोमवार को तेज पानी बरसने के कारण मोतीझील मैदान में जलभराव हो गया था। इसी मैदान पर बुधवार को गुरमत समागम कार्यक्रम होना है। उत्तर प्रदेश सिख फाउंडेशन के अध्यक्ष सरदार अजीत सिंह छाबड़ा ने बताया कि महापौर प्रमिला पांडे, विधायक महेश त्रिवेदी, विधायक सुरेंद्र मैथानी के सहयोग से जिलाधिकारी से वार्ता कर मोतीझील ग्राउंड का जलभराव ठीक कराया।

सीवर और पेयजल समस्या दूर होगी

कानपुर। कानपुर की सीवर व पेयजल समस्या को दूर करने के लिए जलकल और जलनिगम मिलकर प्रस्ताव तैयार कर रहे हैं। शहर में घर-घर पाइप लाइन बिछाने और शुद्ध जल पहुंचाने के लिए जलनिगम ने जलकल से समन्वय स्थापित किया है।

बारिश में धुला पैचवर्क

कानपुर। नीरक्षीर, पांडुनगर, डबलपुलिया, विजय नगर, शास्त्री नगर आदि क्षेत्र में किया गया घटिया पैचवर्क बारिश के कारण उखड़ गया है। घटिया पैचवर्क में सीमेंट न डालने के कारण गिट्टी बजरी उखड़ कर बाहर आ गई है।

नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट को बनाएंगे नेक्स्ट लेवल रिसर्च इंस्टीट्यूट, शुगर इंस्टीट्यूट के स्थापना दिवस पर बोले केंद्रीय मंत्री

एनएसआई में शुगर इंडस्ट्री से संबंधित बीटेक,एमटेक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भारत में शुगर का इस्तेमाल खुशी व दुख दोनों मौके पर होता है। इसलिए शुगर की मांग देश में अधिक है। शुगर की कमी न होने पाए इसलिए आईआईटी कानपुर के साथ मिलकर शुगर इंडस्ट्री से संबंधित बीटेक व एमटेक रेग्यूलर कोर्स नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट में कराने का फैसला लिया गया है। इस डिग्री के लिए आईआईटी के साथ चर्चा हुई है।

लैब, क्लास रूम व इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए सरकार से मदद मिलेगी। इसका मुख्य उद्देश्य नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट को नेक्स्ट लेवल रिसर्च इंस्टीट्यूट बनाना है ताकि शोध व तकनीक कार्य से अधिक शुगर उत्पादन हो सके। यह बातें खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण, नवीन एवं नवीनकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने कहीं।

कल्याणपुर स्थित नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) ने मंगलवार को अपना 90 वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। परिसर में केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी, गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, सांसद देवेंद्र सिंह भोले, विधायक नीलिमा कटियार व इंस्टीट्यूट की निदेशक प्रो.सामा परोहा ने मुंह में मास्क व हाथ में ग्लब्स पहनकर झाड़ू लगाई और स्वछता अभियान के प्रति लोगों को जागरूक किया। इसके बाद केंद्रीय मंत्री ने शुगर एवं मूवमेंट संयुक्त सचिव अश्विनी श्रीवास्तव के साथ इंस्टीट्यूट में 350 बेड वाले नए छात्रावास और केंद्रीकृत मेस के निर्माण की आधारशिला रखी। सभागार में मासिक चीनी कोटा प्राप्त करने के लिए प्रबंधन सूचना प्रणाली पोर्टल (चीनी दर्पण पोर्टल) लॉंच किया। केंद्रीय मंत्री ने संस्थान के युवा प्रौद्योगिकीविदों और अभियंताओं से शर्करा क्षेत्र में सतत विकास के लिए नवाचार व अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। रोग मुक्त और जलवायु अनुकूल गन्ने की किस्मों के विकास और एथेनॉल उत्पादन के लिए वैकल्पिक फीड स्टॉक के रूप में स्वीट सोरगम पर शोध के लिए इंस्टीट्यूट के साथ किए गए समझौता ज्ञापन के बारे में बताया। नए स्नातक और एमटेक कोर्स शुरू करने के लिए इंस्टीट्यूट द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

एनएसआई में विशिष्टजनों को सम्मानित किया गया। अमृत विचार

समारोह को संबोधित करते केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी। अमृत विचार

भारतीय शर्करा उद्योग ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़

- खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के सचिव संजीव चोपड़ा ने भारतीय शर्करा उद्योग को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताया। कहा कि सरकार इंस्टीट्यूट के पुर्नगठन और पुर्न संरचना पर काम का रही है। गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने कहा कि आज के समय में गन्ना से ज्यादा मेहनत की खेती कोई भी नहीं है। यह सबसे लंबे समय की खेती है। इसलिए हमें इसमे व्यापक सुधार की जरूरत है। गेंहू की तरह गन्ने में भी शोध होना चाहिए। वर्तमान में गन्ने पर शोध की काफी जरूरत है। इसके लिए तकनीकों का सहारा लेना चाहिए।

इनको मिला सम्मान

- शुगर टेक्नोलॉजी में प्रदीप त्यागी, शुगर इंजीनियरिंग में जेपी श्रीवास्तव, वीसी त्यागी, सुधीर कुमार, एमएस बीसवा, शुगर इंजीनियरिंग में शरद यादव और एल्कोहोल टेक्नोलॉजी में गोविंद मिश्रा व एपी मिश्रा को शर्करा श्री अवार्ड से सम्मानित किया गया। वहीं, उत्तर प्रदेश के किसान शीतला प्रसाद, गजेंद्र कुमार मिश्र, महाराष्ट्र के विकास धोबाले, विनय वयंकटरॉव, कर्नाटका से प्रकाश कमलाप्पा, प्रभु अन्नाप्पा, बिहार से चंद्रशेखर पांडेय, एसके मुन्ना, उत्तराखंड से सुनील कुमार, दीपक कुमार और हरियाणा से राहुल बलियान व राजेंद्र कुमार को सम्मानित किया गया।

चीनी मिलों को पत्र

- सरकार ने सहकारी चीनी मिलों की परिचालन दक्षता, उत्पादकता में सुधार के लिए और विभाग ने गन्ना आधारित एथेनॉल संयंत्रों को मल्टी फीड आधारित एथेनॉल संयंत्रों में बदलने के लिए सहकारी चीनी मिलों को ब्याज अनुदान प्रदान करने के लिए एक योजना अधिसूचित की। केंद्रीय मंत्री ने इस योजना के तहत छह सहकारी चीनी मिलों को सैद्धांतिक अनुमोदन पत्र सौंपे।

संपत्ति के बंटवारे के लिए अब एक ही स्टांप शुल्क

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- किसी भी मूल्य की संपत्ति के बंटवारे के लिए एक ही स्टांप शुल्क तय

अमृत विचार। अधिक खर्च होने के कारण कई मामलों में लोग संपत्ति के बंटवारे की डीड नहीं बनवाते थे, जिससे न्यायालय में विवाद बढ़ जाता था। इसे देखते हुए प्रदेश सरकार ने तीन पीढ़ियों तक किसी भी मूल्य की संपत्ति के बंटवारे के लिए एक ही स्टांप शुल्क तय कर दिया है। यह छूट केवल कृषि, आवासीय और वाणिज्यिक संपत्तियों पर लागू होगी। इसके अलावा औद्योगिक या संस्थागत संपत्ति जैसी अन्य संपत्तियों पर पहले वाले नियम ही लागू रहेंगे। पुश्तैनी संपत्ति के बंटवारे की पक्की लिखा-पढ़ी के लिए लाखों रुपये खर्च करने की जरूरत नहीं होगी। यह काम अब महज 10 हजार रुपये में पूरा हो सकेगा।

संपत्ति के बंटवारे के समय, सभी हिस्सेदारों को सहमति से रजिस्ट्रार के पास आवेदन करना होगा। आवेदन के साथ स्टांप शुल्क केवल 5,000 देना होगा। इसके अलावा, संपत्ति के मूल्य का 1 प्रतिशत तक, अधिकतम 5,000 पंजीकरण शुल्क के रूप में देना होगा। यह छूट केवल उन मामलों में लागू होती है जहां परिवार के सदस्यों के बीच पैतृक (परिवार से मिली) अचल संपत्ति का बंटवारा किया जा रहा हो और यह बंटवारा कानूनी उत्तराधिकार नियमों के अनुसार वंशजों को संपत्ति हस्तांतरित करने के लिए लागू होगा। प्रदेश सरकार ने आम जनता को भाग दौड़ और अनावश्यक खर्चे से छुटकारा देने के लिए स्टांप ड्यूटी व रजिस्ट्रेशन फीस में छूट देने का फैसला किया है जिसके संबंध में शासन आदेश जारी हो चुका है।

नए शासनादेश के तहत पैतृक संपत्ति के विभाजन पर अब मात्र 10 हजार रुपये का खर्च करना होगा इसके लिए 5 हजार का स्टांप शुल्क लगाना होगा। इसके अलावा 5 हजार रुपये रजिस्ट्रेशन फीस के तौर पर खर्च होंगे। पुश्तैनी संपत्ति की रजिस्ट्री के लिए स्टांप शुल्क में दी गई छूट का फायदा लोगों को सीधा उपलब्ध होगा। शुल्क में आई कमी के कारण विभाजन विलेख के पंजीकरण बढ़ेंगे। वही काफी समय से लटके हुए पुराने पारिवारिक विवाद भी काम हो सकेंगे। अभी तक पारिवारिक संबंधियों के बीच होने वाले विभाजन या डीड पर स्टांप ड्यूटी संपत्ति के मूल्य के आधार पर 4 प्रतिशत लगती थी इसके साथ ही निबंधन शुल्क भी एक प्रतिशत देना होता था।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

बासी चावल परोसा तो ससुर ने बहू को गोली मारी, हैलट में भर्ती

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पैर व ठोड़ी पर लगे छर्रे, गुजैनी के मर्दनपुर गांव का मामला
- बयान से मुकरी बहू, कहा, बंदूक गिरने से हुआ हादसा
- पुलिस ने कहा, लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई होगी

अमृत विचार। खाने में बासी चावल देने से गुस्साए ससुर ने शराब के नशे में लाइसेंसी बंदूक से बहू पर फायर झोंक दिया। बहू के पैर व ठोड़ी में छर्रे लगे। आरोपी के बेटे ने घटना की जानकारी गुजैनी पुलिस को दी। खबर पाकर पहुंची पुलिस ने घायल बहू को हैलट में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक इलाज के बाद परिजन उसे निजी अस्पताल ले गए। पुलिस ने बंदूक कब्जे में ले ली और आरोपी ससुर को थाने ले गई। परिजनों ने मंगलवार देर शाम तक पुलिस को कोई तहरीर नहीं दी है।

गुजैनी के मर्दनपुर गांव निवासी नंदलाल तिवारी निजी सिक्योरिटी गार्ड हैं। नंदलाल अपने बड़े बेटे सोमदत्त और बहू अराधना के साथ रहते हैं, जबकि पत्नी छोटे बेटे के साथ कानपुर देहात पुखरायां में रहती हैं। गुजैनी पुलिस ने बताया कि सोमवार रात करीब सवा दस बजे आरोपी नंदलाल शराब के नशे में घर पहुंचे। कुछ देर बाद करीब 10.30 बजे उसने बहू से खाना मांगा तो उसने परोसी थाली ससुर के सामने रख दी। थाली में सुबह का बासी चावल देखकर आरोपी नंदलाल ने चिल्लाना शुरू कर दिया। गाली-गलौज करते हुए बहू को जान से मारने देने की धमकी दी।

इसके बाद समीप में रखी लाइसेंसी बंदूक उठाकर उस पर फायर झोंक दिया। गोली के छर्रे उसके दाहिने पैर की जांघ और ठोढ़ी पर लगे। इस पर डरी-सहमी अराधना ने भागकर खुद को कमरे में बंद कर लिया। गोली चलने की आवाज सुनकर पहुंचे उसके पति ने पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी अमरनाथ विश्वकर्मा ने बताया कि पुलिस के पहुंचने पर घायल बहू को कमरे से बाहर निकाला और हैलट इलाज के लिए भेज। जांच के बाद बंदूक कब्जे में लेकर आरोपी को थाने ले लाए।

उन्होंने बताया कि पहले बहू ससुर को बासी चावल परोसने की बात कह गोली मारने का आरोप लगा रही थी। अब परिजनों के दबाव में वह इसे हादसा बता रही है। बहू का कहना है कि कमरे में आते समय बंदूक जमीन पर गिरकर अचानक चल गई थी। जिससे गोली चलने से वह वह घायल हो गई है। मंगलवार शाम तक परिजनों ने कोई तहरीर नहीं दी है। अगर तहरीर देते हैं तो कार्रवाई की जाएगी। वहीं शस्त्र लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई पुलिस की ओर से की जा रही है।

AYODHYA
The Land Of RAMA

श्री पुरंदर दास

श्री त्यागराज

श्री अरुणाचल कवि

प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या में
दक्षिण भारत के प्रमुख संतों

की
प्रतिमाओं का अनावरण

8 अक्टूबर, 2025 अपराह्न 4:00 बजे बृहस्पति कुण्ड स्थल, अयोध्या

द्वारा

योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

निर्मला सीतारामन
मंत्री, वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य, भारत सरकार

गरिमामयी उपस्थिति

सुरेश कुमार खन्ना
मंत्री, वित्त एवं संसदीय कार्य, उत्तर प्रदेश

सूर्य प्रताप शाही
मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान, उत्तर प्रदेश

जयवीर सिंह
मंत्री, पर्यटन एवं संस्कृति, उत्तर प्रदेश

रोली सिंह
अध्यक्ष, जिला पंचायत, अयोध्या

गिरीश पति त्रिपाठी
महापौर, अयोध्या

वेद प्रकाश गुप्ता
विधायक, अयोध्या

रामचन्द्र यादव
विधायक, रुदौली

चन्द्रभानु पासवान
विधायक, मिल्कीपुर

डॉ. अमित सिंह चौहान
विधायक, बीकापुर

अभय सिंह
विधायक, गोसाईगंज

हरिओम पांडेय
सदस्य, विधान परिषद

सांस्कृतिक कार्यक्रम

• दक्षिण भारत के 39 प्रसिद्ध संगीतकारों की प्रस्तुतियां • दक्षिण भारतीय भाषाओं में कर्नाटक संगीत की प्रस्तुति
• जटिल राग और ताल के मणिकांचन संयोग का अद्भुत प्रदर्शन • मृदंगम, कंजीरा, घाटम एवं मोर्सिंग का विलक्षण वाद्य संयोजन

अपराह्न 4:30 बजे पीएफसी लॉन, श्री राम जन्मभूमि मंदिर

लाइव प्रसारण DD NEWS व Youtube.com/DDNEWS Youtube.com/dduttarpradesh

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

सिटी ब्रीफ

युवक को रास्ते में रोककर पीटा

कानपुर। जाजमऊ में युवक ने आरोप लगाया है कि पुराने विवाद के चलते आरोपी ने रास्ते में रोककर मारपीट की। पीड़ित ने जाजमऊ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। जाजमऊ के छबीलेपुरवा निवासी रजत के अनुसार बीते पांच अक्टूबर को उनके भाई का निधन हो गया था। वह अंत्येष्टि का सामान लेने जा रहे थे, तभी क्षेत्र का सुनील उर्फ लईक्वा ने उन्हें रास्ते में रोक लिया और पुराने विवाद को लेकर गाली-गलौज की। विरोध करने पर आरोपी ने उससे मारपीट की और जान की धमकी दी। थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि तहरीर के आधर पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

फैक्ट्री के कमरे में मृत मिला मजदूर

कानपुर। गोविंदनगर के दादानगर इलाके में मंगलवार सुबह दालमोठ फैक्ट्री में नेपाल के बरनी निवासी 32 वर्षीय मजदूर रक्षाराम मृत मिला। युवक का शव देख साथी कर्मी समीर ने अधिकारियों के साथ पुलिस को घटना की जानकारी दी। उसने बताया कि रक्षाराम कई साल फैक्ट्री में काम करता था और वहीं कमरे में रहता था। रोज की तरह जब मंगलवार सुबह वह सोकर नहीं उठा तो लोग उसे जगाने पहुंचे। वहां वह मृत मिला। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने जांच-पड़ताल की।

मानसिक रोगी को परिजनों से मिलाया

कानपुर। कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर आरपीएफ ने एक मानसिक कमजोर एवं एक मूक बधिर बालिक को उनके परिजनों के सौंपा। आरपीएफ पोस्ट के कमांडर एसएन पाटीदार ने बताया कि प्लेटफार्म पर घूम रहे मानसिक कमजोर ने अपना नाम मदन यादव बताया। इसी प्रकार एक अन्य मूक बधिर किशोर को उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया।

15 अक्टूबर को धरना प्रदर्शन करेंगे

कानपुर। नगर निगम कर्मचारियों के साथ मारपीट, गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी व घटनाएं बढ़ रही है, बावजूद नगर निगम व जिला प्रशासन मौन है। इस संबंध में कर्मचारी संयुक्त संघ ने छह अगस्त को 14 सूत्रीय मांग की थी, जिसपर विभाग द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की। इससे आक्रोशित संघ व कर्मचारी 15 अक्टूबर को मोतीझील नगर निगम मुख्यालय में धरना देंगे और मौन प्रशासन को नींद से जगाने का प्रयास करेंगे।

खुले नाले में गिरकर हादसे होते, अधिकारी भूल जाते

नाला सफाई के बाद पटियों को नहीं रखा जाता, हर वर्ष हो रहे हादसे, नगर निगम ने आज तक किसी ठेकेदार पर नहीं की कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर के खुले नाले लोगों की जिंदगियां निगल रहे हैं। नगर निगम शहर में अपने छोटे और बड़े नालों को ढकवा व दीवार बनाकर घेर नहीं पा रहा। नाले में गिरकर किसी की मौत के बाद भी जिम्मेदारों पर कोई कार्रवाई नहीं होती। जब कभी लोग आक्रोशित होते हैं तो पुलिस और नगर निगम अधिकारी जांच का हवाला देकर मामले को ठंडा कर देते और पीड़त परिवार जांच पूरी होने का इंतजार करता रहता है। पिछले एक वर्ष में ही नगर निगम के नालों में गिरकर कई जिंदगियां खत्म हो गईं।

शहर में अभियंत्रण विभाग के 245 बड़े नाले तो स्वास्थ्य विभाग के 1209 छोटे नाले हैं। इस तरह करीब 1,454 नाले हैं। इनमें से रफाका और सीओडी जैसे बड़े नाले तो नहीं ढके जा सकते लेकिन छोटे नालों पर पटिया लगाने का कार्य भी नहीं किया जा रहा है। ये छोटे नाले कुछ जगह तो कवर होते है लेकिन कहीं-कहीं खुले रहते हैं जिनमें गिरकर शहरियों की जान चली जाती है। शहर का शायद ही ऐसा कोई मोहल्ला हो जहां के लोग खुले नाले, टूटी पट्टियां या खुले चैंबर के ढक्कन जैसी समस्या से न जूझ रहे हो। विभाग के अधिकारी अभियान के नाम पर खानापूरी कर खुले नाले छोड़ देते हैं जो बाद में शहरवासियों के लिए मौत के सबब बनते हैं। सीसामऊ और रफाका बड़े नाले शहरी क्षेत्र में कई जगह खुले हैं। यहां पूर्व में बनाई गई दीवार भी टूट गई हैं।

नौबस्ता में कई स्थानों पर नाला खुला है। अमृत विचार

पहले भी हो चुकीं घटनाएं

- **15 जून 2025 :** गीता नगर क्रॉसिंग के पास खुले नाले में गिरकर टाइल्स ठेकेदार छपेड़ा पुलिया के सलीमगाकी मौत।
- **एक मार्च 2025 :** महाराजपुर में पुलिस को देखकर भागे जुआरियों में से एक नीरज की नाले में गिरने से मौत।
- **25 जनवरी 2025 :** जाजमऊ के जेके प्रथम चौराहे के पास फुटपाथ की टूटी स्लैब से नारायण गार्डन निवासी आसिफ की नाले में गिरकर मौत।
- **18 दिसंबर 2024 :** खलासी लाइन में घर के बाहर खेल रही पांच साल की रागिनी की सीसामऊ नाले की टूटी फर्श से नीचे गिरकर मौत।
- **16 दिसंबर 2023 :** चकेरी के गांधीग्राम निवासी पंकज श्रीवास्तव की नाले में गिरकर मौत।

खुले नालों की तरफ बैरीकेड्स लगाने के आदेश दिए हैं। साथ ही जहां पर नाला व मैनहोल की सफाई के बाद पटरी व ढक्कन हटाया गया है उसको लगाने के आदेश दिए हैं। जहां पर सफाई के बाद ढक्कन नहीं लगाया गया तो संबंधित ठेकेदार व अफसर पर कार्रवाई की जाएगी।

- सुधीर कुमार, नगर आयुक्त

सफाई के बाद खुले छोड़ देते नाले

नाला सफाई के दौरान तोड़ी गई पट्टिया तो कहीं खोले गए चैंबर लोगों के लिए जानलेवा बने हुए हैं। नगर निगम कर्मी बारिश से पहले नालों की सफाई तो कराता है लेकिन फिर इन पर पटिया लगाकर ढकना भूल जाता है। इस लापरवाही का खामियाजा आम जनता को उठाना पड़ता है। इसके बाद भी विभाग के अधिकारी नहीं चेत रहे हैं। जबकि नगर निगम और जलकल के अभियंताओं की जिम्मेदारी है कि कहीं भी नाला या मैनहोल की सफाई के दौरान पटरी या ढक्कन हटाया गया है तो उसको रखा जाए। वहीं, नगर निगम नगर स्वास्थ्य अधिकारियों की भी पूरी जिम्मेदारी होती है नालों की सफाई के बाद उसे बंद किया जाये।

यहां खुले पड़े हैं नाले

■ गोविंदनगर ■ दादानगर ■ बर्रा ■ खाड़ेपुर ■ योगेंद्र विहार ■ हंसपुरम ■ दामोदर नगर ■ बाबूपुरवा ■ नौबस्ता ■ यशोदा नगर ■ पनकी ■ रावतपुर ■ कल्याणपुर ■ ग्वालटोली ■ चकेरी ■ गांधीग्राम आदि इलाकों में छोटे नाले जगह-जगह खुले पड़े हैं।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

चौथी मंजिल से गिरे मजदूर की जान गई

कानपुर। बेकनगंज में निर्माणाधीन मकान की चौथी मंजिल से गिरकर मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। मजदूरों ने ठेकेदार को सूचना दी और तत्काल हैलट ले गए, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने श्रावस्ती निवासी परिजनों को खबर दी और शव मोर्चरी भिजवाया।

श्रावस्ती के गंगापुर निवासी लालजी गुप्ता का 22 वर्षीय बेटा धरमराज छह माह पहले ही कानपुर मजदूरी करने आया था। धरमराज रूपम के पास स्थित भवन सामग्री की दुकान पर ही रहता था। उसका छोटा भाई गुड्डू साथ में रहकर ऑटो चलाता है। चाचा बदलू ने बताया कि धरमराज के पिता अस्वस्थ होने के कारण घर पर ही रहते हैं। मां विकलांग हैं। घर की जिम्मेदारी उसी पर थी। सोमवार को धरमराज बेकनगंज पानी की टंकी के पास निर्माणाधीन भवन में काम कर रहा था, पता चला कि वह सिर पर बोरी लादकर चौथी मंजिल पर पहुंचा था, तभी लड़खड़ाकर गिर गया। तीसरे मंजिल पर आकर लटक गया। यह देख साथी मजदूरों ने उसे खींचकर ठेकेदार को सूचना दी।

आरटीओ सीज वाहन बस अड्डे पर डंप करेगा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर कार्रवाई करने से संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन इसलिए बचते हैं क्योंकि सीज वाहनों रखने की जगह नहीं है। थाना भी सीज वाहनों को लेने से बचता है लेकिन अब ये समस्या दूर हो गई है। आरटीओ और परिवहन निगम के बीच करार हो गया है। अब जितने वाहन पकड़े जाएंगे, उन्हें शहीद मेजर सलमान खान अंतर्राज्यीय झकरकटी बस अड्डा पर रखा जाएगा।

झकरकटी बस अड्डा का क्षेत्रफल काफी बड़ा है, पीछे की ओर पूरा ग्राउंड खाली पड़ा रहता है। परिवहन विभाग सीज वाहनों के रखने के लिए प्रतिदिन के हिसाब से पार्किंग हजारों रुपये किराया वसूली कर लेगा। बीते दिनों आरटीओ ने ऐसी एक लग्जरी एसी बस को पकड़ा जिसमें बड़ी मात्रा में पार्सल लदा हुआ था। इस लग्जरी बस को आरटीओ ने सीज करने के बाद झकरकटी बस अड्डे पर पीछे की ओर डंप कर दिया है। सोमवार को आरटीओ आफिस से पीटीओ झकरकटी बस अड्डा पहुंचे और सीज बस का मुआयना करके अपनी रिपोर्ट लगाई।

- **परिवहन और आरटीओ में करार, बस अड्डा प्रबंधन लेगा पार्किंग किराया**

आरटीओ और परिवहन अधिकारी संयुक्त चेकिंग अभियान चलाते हैं, अब आरटीओ से करार हो गया है कि सीज किये गये वाहनों को झकरकटी बस अड्डे पर रखेंगे। उनका पार्किंग किराया लिया जाएगा।

पंकज तिवारी, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक, झकरकटी बस अड्डा

कार्रवाई न होने से रेजिडेंट नाराज प्राचार्य ने समझाकर शांत कराया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। एक मरीज के तीमारदारों द्वारा रेजिडेंट और स्टाफ नर्स के साथ अभद्रता करने के मामले में मंगलवार को भी पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। इससे आहत होकर सुबह सभी रेजिडेंट वार्ड के पास एक जगह एकत्र हुए। कुछ रेजिडेंट ने कार्य किया, लेकिन कुछ रेजिडेंट ने कार्य नहीं किया। इसके बाद सभी रेजिडेंट को जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो.संजय काला ने अपने पास बुलाया और उनको समझाया, जिसके बाद वह कार्य पर लौटें।

हैलट अस्पताल के मेडिसिन वार्ड में मंगलवार की सुबह रेजिडेंट वार्ड पहुंचे, लेकिन नाराज अधिकांश रेजिडेंस ने कार्य नहीं किया। कुछ देर एक जगह पर एकत्र रहने के बाद वह जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. संजय काला के पास चले गए। यहां पर वह करीब एक से डेढ़ घंटे तक रहे, जिस दौरान जेआर टू व जेआर थ्री ने मेडिसिन वार्ड संभाला। रेजिडेंट ने कई बातें प्राचार्य के सामने रखीं, जिनको प्राचार्य ने गंभीरता से सुना और मामले में कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद रेजिडेंट वार्डों में अपने-अपने कार्यों में लौट गए। हालांकि इस दौरान कुछ मरीजों को जरूर थोड़ी दिक्कत हुई। वहीं, इस मामले के संबंध में तीमारदारों की ओर से भी स्वरूप नगर थाने में शिकायती पत्र दिया गया है, जिसमे उन्होंने डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही, गाली-गलौज, महिला के साथ बदतमीजी करने, जानलेवा हमला करने व आदि आरोप लगाए हैं। मामले में पुलिस ने कई बार शिकायत पत्र देने बाद डॉक्टरों की ओर से एफआईआर दर्ज कर ली है। लेकिन अभी तीमारदारों की ओर से रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई है। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. संजय काला ने बताया कि रेजिडेंट ने कार्य प्रभावित नहीं किया था, वह अपनी बात कहने प्राचार्य के पास आए थे। इसके बाद वह अपने कार्य पर लौट गए।

- **अभद्रता करने वाले तीमारदारों पर कार्रवाई न होने का मामला**
- **कुछ रेजिडेंट ने कार्य नहीं किया, समझाने के बाद लौटे, पुलिस पर जताई नाराजगी**

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

कोपेस्टेट में महापौर का स्वागत किया गया। अमृत विचार

महापौर से हाउस टैक्स वृद्धि पर चर्चा

कानपुर। महापौर प्रमिला पाण्डेय ने मंगलवार को दादा नगर औद्योगिक क्षेत्र स्थित कोआपरेटिव इस्टेट में उद्यमियों को साथ बैठक कर हाउस टैक्स में वृद्धि को लेकर चर्चा की।

इस अवसर पर कोआपरेटिव इस्टेट के चेयरमैन विजय कपूर ने बताया कि हाउस टैक्स में वृद्धि को लेकर कुछ दिनों पहले उद्यमियों ने महापौर को ज्ञापन भी सौंपा था। मंगलवार को हुई चर्चा के दौरान महापौर ने आश्वासन दिया कि वे बुधवार को इस बिन्दु को नगर निगम सदन में रखेंगी और इस पर सकारात्मक कार्य होगा। इस चर्चा के दौरान भाजपा नेता अजय कपूर, उद्यमी कार्तिक कपूर, युवराज कपूर, गोपाल सदाना, अम्बुज शुक्ला, सुनील वैश्य, आर के अग्रवाल, नरेश विरमानी सहित कई अन्य उद्यमी मौजूद थे।

गुटैया क्रासिंग से रावतपुर जाने वाली सड़क बदहाल है। अमृत विचार

हर विधानसभा में 10-10 सड़कों की मरम्मत-निर्माण

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **लोक निर्माण विभाग नवंबर में शुरू कराएगा काम**

अमृत विचार। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने शहर की प्रत्येक विधानसभा में 10-10 सड़कों की मरम्मत और उनका निर्माण कराने का फैसला लिया है। दीपावली तक सड़कों का सेंशन और नवंबर माह तक टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद विधानसभा वार सड़कों की मरम्मत व निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा।

लोक निर्माण विभाग ने हर विधानसभा क्षेत्र में कम से कम 10-10 सड़कों के निर्माण और मरम्मत का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसके संबंध में पत्रों को भी मुख्यालय भेज दिया गया है। मुख्यालय स्तर से सड़कों का सेंशन अभी नहीं होने से विभाग के अधिकारियों के हाथ बंधे हुए हैं। विभाग द्वारा करीब 52 करोड़ रुपये की लागत से मरम्मत व निर्माण कार्य कराया जाना है, जिनमे फुटपाथों सहित पूर्ण सौंदर्यीकरण का कार्य शामिल है। इसमें सिविल लाइंस, बिठूर, घाटमपुर, भीतरगांव, महाराजपुर, यश कोठारी चौराहा से बिठूर तक, रावतपुर मार्ग, नौ नंबर क्रासिंग, गोविंद नगर, किदवई नगर समेत आदि जगहों की सड़कें शामिल है। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता अनूप कुमार मिश्र के मुताबिक हर विधानसभा से 10-10 से सड़कों की मरम्मत व निर्माण होना है, अक्टूबर माह के अंत तक सड़क सेंशन होने पर आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी और इसके बाद निर्माण कार्य शुरू होगा।

चिन्हित 150 सड़कों का हुआ हैं सर्वे

- नगर निगम और लोक निर्माण विभाग ने करीब 150 से अधिक सड़कों का सर्वे किया, लेकिन प्राथमिकता के आधार पर 10 विधानसभा क्षेत्रों पर फोकस किया गया। लोक निर्माण विभाग के अभियंता के मुताबिक मुख्यमंत्री के निर्देश पर टीम लगातार सर्वे करने और मरम्मत आदि का कार्य कर रही है। पीडब्ल्यूडी ने 100 से अधिक सड़कों को चिह्नित किया है और निर्माण खंड-1 व 2 में करीब 46 लाख रुपये आवंटित हुए हैं। इनमे नगर के साथ ही देहात क्षेत्र की सड़कें भी शामिल हैं।

इसी माह बढ़ी पेंशन नहीं तो अगले माह बड़ा आंदोलन

कार्यालय संवाददाता ,कानपुर

अमृत विचार। फील्ड गन फैक्ट्री के मुख्य गेट पर फैक्ट्री प्रबंधन के विरोध में निर्माणी के सेवानिवृत कर्मचारियों ने धरना दिया। इस धरने में निर्माणी में कार्यरत यूनियनों व एसोसिएशन द्वारा पूर्ण समर्थन व्यक्त करते हुए कहा कि सेवानिवृत कर्मचारियों के हर संघर्ष में साथ हैं।

मंगलवार को प्रगतिशील पेंशनर्स कल्याण समिति द्वारा फील्ड गन फैक्ट्री के मुख्य द्वार पर धरना दिया गया और फैक्ट्री प्रबंधन पर संवेदनहीनता एवं हठधर्मिता पूर्ण रवैए का आरोप लगाया। इस धरने में बड़ी संख्या में सेवानिवृत कर्मचारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष सुरेश कुमार सचान ने कहा कि भारत सरकार के आदेश जारी होने के बावजूद फील्ड गन फैक्ट्री के प्रबंधन ने निर्माणी के सेवानिवृत कर्मचारियों को नोशनल इंक्रीमेंट का लाभ आज तक नहीं दिया जबकि अन्य सभी निर्माणियों में इसका लाभ दिया जा चुका है। बार-बार अनुरोध के बावजूद कार्यवाही न करने के कारण समिति को धरना कार्यक्रम के लिए मजबूर होना पड़ा। सभा में समिति उपाध्यक्ष व जेसीएम तृतीय मेंबर छबिलाल यादव ने कहा कि यदि निर्माणी प्रशासन इस माह के अंत तक बढ़ी पेंशन का भुगतान नहीं करेगा तो समिति नवंबर में बड़ा आंदोलन करने को बाध्य होगी। अध्यक्षता समिति के संरक्षक व जेसीएम तृतीय मेंबर विनोद कुमार तिवारी ने की। संयोजक सुनील कुमार साहू गोपाल कृष्ण शर्मा, अशोक कुमार वर्मा, हशमत अली, मोबीन खान, रुपिंदर सिंह, उदय प्रताप सिंह यादव आदि मौजूद रहे।

फैक्ट्री गेट पर धरना देते सेवानिवृत्त कर्मी। अमृत विचार

- **फील्ड गन फैक्ट्री गेट पर सेवानिवृत्त कर्मियों का धरना**

दहेज को लेकर विवाहिता को पीटा, हुआ गर्भपात

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। रेलबाजार में महिला ने दहेज के लिए ससुरालियों पर मारपीट व गर्भपात का आरोप लगाया है। देवर ने छेड़खानी की पुलिस से शिकायत की। पीड़िता ने आरोपी ससुरालीजनों के खिलाफ प्रताड़ना व छेड़छाड़ की रिपोर्ट दर्ज कराई है। चकेरी की रहने वाली महिला के अनुसार उसका विवाह मार्च 2021 में रेलबाजार के फेथफुलगंज के युवक के साथ हुआ था। विवाह के कुछ समय बाद ही पति सहित सास, देवर, ननद, मौसा ससुर और मौसी सास दहेज में एक लाख रुपये लाने की मांग कर शारीरिक व मानसिक प्रताड़ित करने लगे। महिला ने बताया कि वह अपना शादीशुदा जीवन बचाने के लिए ससुरालियों की प्रताड़ना सहती रही, लेकिन आरोपियों में बदलाव नहीं आया। बीती 21 दिसंबर 2024 की दोपहर को वह अपने कमरे थीं, तभी देवर आया और उनसे छेड़खानी करने लगा। इस पर वह कमरे से निकलकर बाहर की तरफ भागी और पति व सास से इसकी शिकायत की। शिकायत करने पर उल्टा उन्हें ही डाटने लगे। मामला शांत कर दिया गया। इसके बाद फरवरी 2025 में जब वह गर्भवती थीं तो उन्हें बुखार आया। इस पर ससुरालियों ने बुखार की दवा बताकर गर्भ निरोधक गोली खिला दी। जिससे उनका गर्भपात हो गया। पीड़िता ने बताया कि इसके बाद भी ससुरालीजन दहेज को लेकर प्रताड़ित करते रहे। बीते मार्च माह में पति बिना उनसे बताए कुवैत चला गया। इसके बाद ससुरालियों ने उन्हें घर से भगा दिया।

अंधेरनगरी — शहर में दौड़ रहे 1 लाख से अधिक ई रिक्शे, पंजीयन मात्र 60 हजार

ई रिक्शों का रूट तय हुआ न चालकों का पंजीकरण, अराजकता भारी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। ई रिक्शों की दिनप्रतिदिन बढ़ती संख्या से पूरा शहर परेशान है। यातायात ध्वस्त है, गलियों में भी इनकी अराजकता से लोग परेशान हैं। इन पर लगाम लगाने के लिए ई रिक्शों के रूट तय करने एवं उनके चालकों का पंजीयन कराने का अभियान चलाया गया था लेकिन ये अभियान फुस्स हो गया।

संभागीय परिवहन कार्यालय में लगभग 60 हजार ई रिक्शों का पंजीयन है लेकिन शहर में 1 लाख से अधिक ई रिक्शे अराजकता कर रहे हैं। इनपर अंकुश लगाने के लिए नगर निगम, यातायात विभाग ने संयुक्त रूप से एक माह पूर्व अभियान चलाया था। इस अभियान का उद्देश्य ई रिक्शों का नगर निगम में पंजीयन करना एवं उनके चालकों का भी पंजीयन करना था। ताकि ये पता चल सके कि शहर में कितने ई रिक्शे हैं और जो इन ई रिक्शों को चला रहे हैं, वे कहीं नाबालिग तो नहीं हैं। शहर में कितने ई रिक्शे दौड़ रहे हैं, इनके आंकड़े किसी के पास नहीं है, इसके पीछे का कारण ये है कि जहां देखो, वहीं ई रिक्शा बिक्री केंद्र बन चुका है। ऐसे ब्रिकी केंद्र पर थोड़ा सा पैसा लेकर बाकी फाइनेंस करके ई रिक्शा थमा दिया जाता है। यहां दो प्रकार के ई रिक्शे बिकते हैं, जो ई रिक्शा आरटीओ में पंजीयन करके दिया जाता है, उसका रेट अधिक होता है। दूसरा ई रिक्शा वह है जो बिना पंजीयन कराए ही चलाने के लिए ले जाते हैं। ऐसे ई रिक्शों का रेट कम है। यही कारण है कि शहर में कितने ई रिक्शे हैं, किसी को सही जानकारी नहीं है।

पूरी सड़क घेरकर चलते ई रिक्शा। अमृत विचार

- **कई माह तक वाहन और चालक के पंजीयन के लिए चलाये गये अभियान के बाद सबकुछ ठंडा**
- **सैकड़ों नाबालिग भी दौड़ा रहे ई-रिक्शा, अधिकतर में तो रात के समय लाइट भी नहीं जलती**

ई रिक्शों पर शिंकजा कसने की घोषणा हुई थी

- यातायात विभाग ने ई रिक्शों पर शिकंजा कसने के लिए योजना बनाई थी और ये कहा था कि सभी ई रिक्शों का रूट तय कर दिया जाएगा, यदि कोई ई रिक्शा अपने निर्धारित रूट पर नहीं चलेगा तो ऐसे ई रिक्शा को सीज कर दिया जाएगा। ये भी योजना थी कि ई रिक्शा चलाने वालों का भी पंजीयन होगा ताकि ये पता चल सके कि शहर में कितने ई रिक्शा चालक हैं लेकिन कुछ ई रिक्शा स्वामी एवं चालकों ने ही अपना पंजीयन कराया, बाकी किसी ने पंजीयन नहीं कराया जिससे ये योजना ठंडे बस्ते में चली गई।

अमृत विचार

www.amritvichar.com

सिटी ब्रीफ

स्टेशनों पर क्लीन ट्रैक डे अभियान

कानपुर। कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर उप मुख्य यातायात प्रबंधक आशुतोष सिंह के दिशा निर्देश पर चलाए जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा अभियान-2025 के अंतर्गत मंगलवार को स्वच्छ पटरी दिवस के अवसर पर व्यापक स्वच्छता अभियान संचालित किया गया। ये अभियान 15 अक्टूबर 2025 तक चलेगा।

14 लाख महिलाएं खाएंगी दवा

कानपुर। मिशन शक्ति 5 .0 के अंतर्गत और स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान के तहत बुधवार को एक विशेष एनीमिया मुक्त कानपुर अभियान की शुरुआत जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग द्वारा की जाएगी, जिसके तहत 14 लाख महिलाओं को ऑयरन फोलिक एसिड की लाल दवा खिलाई जाएगी। ताकि वह एनीमिया से दूर रह सके। महिलाओं व किशोरियों को दवा निशुल्क दी जाएंगी।

ट्रक की टक्कर से टूटा पोल

कानपुर। हंसपुरम उपकेंद्र के अंतर्गत पाल चौराहा में एक ट्रक ने बिजली के पोल में टक्कर मार दी, जिसकी वजह से दोपहर दो बजे से शाम चार बजे तक क्षेत्र की बिजली गुल रही। इसके अलावा जल संस्थान उपकेंद्र के 11केवी नर्सिंग होम फीडर की बिजली आउटडोर केबिल बॉक्स क्षतिग्रस्त होने की वजह से दोपहर दो बजे से शाम को चार बजे तक गुल रही।

अखिलेश दुबे के खिलाफ एक्शन जारी रहेगा : पुलिस कमिश्नर

रघुवीरलाल ने पुलिस कमिश्नर का चार्ज लिया, बोले-कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- अखिलेश दुबे व अन्य माफिया के खिलाफ एसआईटी को मिली तहरीरों पर जल्द तेजी कार्रवाई दिखेगी
- थानों में फरियादियों से अभद्रता बर्दाश्त नहीं, कार्यक्षमता, उपलब्धता के आधार पर होगी तैनाती

अखिल कुमार से हाथ मिलाते नए कमिश्नर रघुवीर लाल। अमृत विचार

अमृत विचार। नए पुलिस कमिश्नर रघुवीरलाल ने मंगलवार को दोपहर बाद कार्यभार ग्रहण कर लिया और उसके बाद अधीनस्थ पुलिस अधिकारियों से औपचारिक परिचय किया। फीडबैक भी लिया। इस दौरान अखिल कुमार उनके साथ मौजूद रहे। चार्ज लेने के ठीक बाद अपनी प्राथमिकताएं बताते हुए उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था हर हाल में दुरुस्त रहनी चाहिए। इससे खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वह जनता के लिए उपलब्ध रहेंगे और सबकी बात सुनेंगे। अपराधियों के खिलाफ एक्शन जारी रहेगा। अखिलेश दुबे हों या अवैध गतिविधियों से लाभ कमाने वाले माफिया। अपराध में संलिप्त कोई भी व्यक्ति बक्शा नहीं जाएगा। जिन अपराधियों के खिलाफ एसआईटी को जो भी तहरीर मिली है, उन मामलों में जल्द ही कार्रवाई व तेजी दिखने को मिलेगी। जनता को सुरक्षा का संपूर्ण अहसास कराना हमारी प्राथमिकता होगी। इस सुरक्षा की पहली जिम्मेदारी थाना प्रभारियों की है, लापरवाही बरतने वाले प्रभारी हटाए जाएंगे।

पत्रकार वार्ता में नए पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल ने कहा कि पुलिस कमिश्नरेट ने माफिया के खिलाफ जो कार्रवाई शुरू की है, उसमें जल्द ही तेजी देखने को मिलेगी। अपराध को रोकना हमारी जिम्मेदारी है। महिला, बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा पर विशेष काम होगा। टेक्नोलॉजी के साथ पारदर्शिता भी जरूरी है। कानून का उल्लंघन और दुरुपयोग करने वालों पर शिकंजा कसा जाएगा। यदि पुलिसकर्मी अपराध में शामिल मिला तो बक्शा नहीं जाएगा। संवेदनशील स्थान और भीड़भाड़ वाली जगह समेत हर जरूरी स्थान पर पुलिसकर्मियों की मौजूदगी निर्धारित होगी। थाना स्तर पर पीड़ितों की सुनवाई बहुत अहम है। इसमें लापरवाही मिली तो बर्दाश्त नहीं होगी।

यातायात व्यवस्था में सुधार के लिए जनता का सहयोग लिया जाएगा और नगर निगम और आरटीओ कार्यालय की भी मदद ली जाएगी। इन सबके बीच उन्होंने पूर्व कमिश्नर अखिल कुमार से विचार-विमर्श किया और फीडबैक लिया। उन्होंने बाद में उनसे उनके कानपुर के अनुभव और शहर के मिजाज के बारे में भी जानकारी ली।

अरे, बगल में बैठिये जाइये नहीं

- चार्ज देने के बाद कुर्सी छोड़कर अखिल कुमार दूसरी तरफ जाने लगे तो रघुवीरलाल ने उन्हें हाथ पकड़कर रोक लिया और आग्रहपूर्वक कहा, अरे ऐसा मत कीजिये, इधर आइये और फिर उन्हें अपने बगल में कुर्सी पर बैठाया। कुछ पल के लिए माहौल हंसी का बना।

अखिल कुमार पहले भी दे चुके हैं इन्हें चार्ज

- यह एक संयोग है कि अखिल कुमार पहले भी रघुवीलाल को अपने पदों के चार्ज दे चुके हैं। अलीगढ़ और आगरा एसपी रहते हुए अखिल कुमार ने रघुवीरलाल को कार्यभार सौंपा था। यानी अखिल कुमार के ठीक बाद रघुवीरलाल इन दोनों जिलों के पुलिस प्रमुख बने थे। यह संयोग ही है कि एक बार फिर उन्होंने रघुवीलाल को चार्ज दिया।

जनता का खूब सहयोग मिला

- अब अखिल कुमार डिजिटल इंडिया के एमडी बनकर केंद्रीय प्रतिनियुक्ती पर गए हैं। उन्हें करीब एक महीने पहले नया पद एलॉट हो गया था लेकिन अब रिलीव किया गया है। वह शीघ्र ही दिल्ली जाकर नए पद का चार्ज लेंगे। उन्होंने अमृत विचार से कानपुर में तैनाती के दौरान अनुभव साझा करते हुए कहा कि यहां जनता का भरपूर सहयोग मिला और उन्होंने आम जनमानस की पीड़ा सुनकर समाधान करने की हर संभव कोशिश की। अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की। मुख्यमंत्री जी की प्राथमिकता के काम इसलिए कर सका कि उनका मार्गदर्शन और आशीर्वाद हमेशा मिलता रहा। जनता का भरोसा जीता।

पति को प्रेमिका के साथ पकड़ा, सड़क पर मारपीट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- प्रेमिका का हाथ पकड़कर पति को होटल से निकलते देख तमतमा उठी पत्नी

अमृत विचार। होटल से निकले पति के हाथ में प्रेमिका का हाथ देखकर महिला गुस्से से तमतमा उठा। पति से नाराजगी जताई तो उसने थप्पड़ जड़ दिया। उसके बाद महिला प्रेमिका पर टूट पड़ी। दोनों ने बीच सड़क एक दूसरे का बाल पकड़कर पीटना शुरू कर दिया। खींचा-घसीटा और पटका। इस बीच सड़क पर लोगों की भीड़ तमाशा देखती रही। ट्रक व डंपर चालकों ने भी वाहन रोककर मारपीट का वीडिया बनाया। पत्नी और प्रेमिका के बीच मारपीट होती रही और पति दूर खड़ा देखता रहा। महाराजपुर में मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

महाराजपुर के नर्वल मोड़ का मामला है। महिला के अनुसार वर्ष 2018 में उसका विवाह हुआ था। उसके तीन बच्चे हैं। पति राजकोट में काम करता है। दीपावली त्योहार के कारण कुछ दिन पहले ही पति घर आया है। महिला ने बताया कि मंगलवार सुबह पति जरूरी काम की बात कहकर घर से निकला था। पति के फोन पर हुई बातों को सुनकर उसे संदेह हुआ तो पति के जाते ही वह भी पीछे निकल पड़ी। नर्वल मोड़ पर पहुंची तो पति अपनी प्रेमिका का हाथ थामे होटल में मिलने पहुंचा। कुछ देर बाद वह दोनों बाहर निकले तो सामने पत्नी खड़ी थी। रंगेहाथ पकड़े जाने पर पति इधर-उधर देखने लगा। इसी बीच महिला बिफर पड़ी। चिल्लाने पर पति ने महिला को थप्पड़ जड़ दिया। इस पर महिला कुछ नहीं बोली, लेकिन प्रेमिका को खींचकर पीटना शुरू कर दिया। फिर दोनों ने एक दूसरे का बाल पकड़कर खींचा और पीटा। सड़क पर करीब एक घंटे तक ड्रामा चला।

राहगीरों व वाहन चालकों को जमावड़ा लग गया। पति भी सड़क किनारे खड़ा होकर तमाशा देखता रहा। हस्तक्षेप करने पर पत्नी ने एक थप्पड़ भी जड़ा। बाद में लोगों ने बीच में पड़कर उन्हें जाने को कहा। नर्वल मोड़ पर मौजूद पुलिस भी दूर से दो महिलाओं की लड़ाई का तमाशा देखती रही।

बिरहाना रोड में घर से मिलीं नकली व नशीली दवाएं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- लुधियाना पुलिस ने ड्रग विभाग के साथ की छापेमारी
- श्री लक्ष्मी फार्मा पर छापा, 29 लाख कैश भी मिला

श्री लक्ष्मी फार्मा पर जांच करती ड्रग विभाग की टीम व साथ में पंजाब पुलिस।

अमृत विचार। पंजाब में बेची गईं नशीली दवाओं का लिंक कानपुर में मिलने पर मंगलवार को लुधियाना से एनडीपीएस पुलिस शहर पहुंची, यहां पर लुधियाना पुलिस ने लोकल पुलिस और ड्रग विभाग की टीम के साथ बिरहाना रोड स्थित नील वाली गली में श्री लक्ष्मी फार्मा में छापा मारा। यहां दुकान में तो टीम को सब कुछ सही मिला, लेकिन एक घर में चार लाख रुपये से अधिक की संदिग्ध दवाएं मिली और करीब 29 लाख रुपये बरामद हुए।

नकली और नशीली दवाएं बेचे जाने की शिकायत पर ड्रग विभाग की टीम ने पूर्व में श्री लक्ष्मी फार्मा की दुकान में छापा मारकर जांच पड़ताल की थी, लेकिन उनको सफलता हाथ नहीं लगी पाई थी। मंगलवार को लुधियाना से आई एनडीपीएस पुलिस के साथ ड्रग इंस्पेक्टर रेखा सचान व ओम पाल ने टीम के साथ दुकान में जांच पड़ताल की तो सब ठीक मिला। लेकिन दुकान के पास ही एक मकान में छापा मारा तो शिकायतें सही साबित हुईं।

ड्रग विभाग की टीम के मुताबिक पंजाब पुलिस की सूचना पर लोकल पुलिस के साथ श्री लक्ष्मी फार्मा पर छापा मारा। यहां से करीब चार लाख रुपये से अधिक की संदिग्ध दवाएं बरामद हुई हैं, जिन्हें सीज कर दिया गया है। फार्मा का मालिक मौके पर नहीं मिला। फार्मा के मालिक की बेटी से पूछताछ की गई है। मौके से करीब 29 लाख रुपये बरामद हुए हैं। दवाओं के नमूने लिए गए हैं, जिनको जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। ड्रग इंस्पेक्टर रेखा सचान के मुताबिक दवाओं की जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। मौके से मास्टर प्रिंटिंग मशीन भर बरामद हुई है, जिनके माध्यम से दवाओं के रैपर पर प्रिंटिंग किए जाने की आशंका है। पुलिस व ड्रग विभाग की टीम ने रात साढ़े नौ बजे तक कार्रवाई जारी रखी थी।

बुखार, पेट दर्द व गैस की नकली दवाएं

- ड्रग इंस्पेक्टर रेखा सचान के मुताबिक श्री लक्ष्मी फार्मा में बुखार, पेट दर्द, गैस, एंटीबायोटिक टैबलेट और इंजेक्शन समेत छह तरह की नकली दवाएं बरामद हुई हैं, जिनकी कीमत करीब पांच लाख रुपये आंकी गई है। घर में ही नकली दवाओं की लेबलिंग की जाती थी। इसके बाद इन दवाओं को ब्रांडेड दवाओं के बॉक्स में रखा जाता था। नामी कंपनियों के यह बॉक्स घर में ही प्रिंट किए जाते थे। इन दवाओं की सप्लाई ग्रामीण क्षेत्र में अधिक होने की आशंका विभाग को है।

गैंड डांडिया उत्सव का हुआ आयोजन

कानपुर। उड़ान एक आशा फाउंडेशन ने ग्रैंड डांडिया उत्सव का आयोजन किया। गैंगेस क्लब, रूबी हॉल में माँ दुर्गा की आराधना के साथ कार्यक्रम शुरू हुआ। फाउंडेशन की अध्यक्ष संगीता सेंगर व कंचन सिंह ने सभी का स्वागत किया। इस बीच डांडिया क्वीन का खिताब कंचन सिंह, बेस्ट ड्रेस अवॉर्ड सीमा, बेस्ट हेयर स्टाइल का पुरस्कार अनु को मिला। इसके साथ ही बेस्ट ज्वेलरी अर्चना, और बेस्ट डांसर के खिताब से विजेता व अंशुल को सम्मानित किया गया। ● अमृत विचार

यूपी में दलित समाज सुरक्षित नहीं, अपमान बर्दाश्त नहीं

कानपुर। कांग्रेस के अनुसूचित विभाग के राष्ट्रीय चेयरमैन राजेंद्र पाल गौतम और सांसद तनुज पुनिया का कहना है कि उत्तर प्रदेश में दलित समाज के लोग सुरक्षित नहीं हैं। रायबरेली में दलित की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। योगी और मोदी सरकार दोनों की खामोशी ये बताती है कि सरकार दलितों की हितैषी नहीं है।

मंगलवार को कांग्रेस अनुसूचित विभाग के राष्ट्रीय चेयरमैन राजेंद्र पाल गौतम और सांसद तनुज पुनिया दिल्ली से रायबरेली जा रहे थे। गंगापुल पर स्वागत किया गया।

सांसद का भतीजा बता पुलिस से भिड़ा युवक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- किस अधिकारी को बुलाओगे तुमको औकात दिखा देंगे

अमृत विचार। बुलाओ किस अधिकारी को बुलाओगे, तुमको अगर औकात नहीं दिखा दी तो मेरा नाम भी .नहीं है। कल्याणपुर में एक युवक ने अपने को सांसद का भतीजा बताकर ट्रैफिक पुलिस से जमकर अभद्रता की। बोला सांसद जी की कोठी पर आओ फिर तुम्हें बताते हैं।

मंगलवार को एक युवक को नो सिग्नल में गाड़ी ले जाने के दौरान ट्रैफिक होमगार्डों ने जब मना किया तो अपने को भाजपा नेता बताने वाले महाशय ट्रैफिक होमगार्डों से भिड़ गए। तमाम लोगों ने वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया। ट्रैफिक होमगार्डों से रुआब गांठने के बाद महाशय वहां से निकल गए।

ट्रैफिक की टीम ने घटना की जानकारी डीसीपी यातायात रवींद्र कुमार एवं एडीसीपी यातायात अर्चना सिंह को दी। डीसीपी ट्रैफिक रवींद्र कुमार का कहना है कि मामला संज्ञान में है, घटना की जांच की जा रही है।

कल विश्व भक्तामर दिवस पर आएंगे जैन मुनि

कानपुर। अंतर्राष्ट्रीय भक्तामर प्रभावना संघ भारत के आह्वान पर कानपुर जैन समाज द्वारा गुरुवार को विश्व भक्तामर दिवस का आयोजन आनंदपुरी शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर विद्या भवन में होगा, जिसमें संत सतीश मुनि, नेपाल भूषण सौरभ मुनि व संत विशुद्धसागर महाराज आदि का सानिध्य प्राप्त होगा। यह जानकारी त्रिभुवन चंद्र जैन ने दी।

संत विशुद्धसागर महाराज

फैक्ट्री की लिफ्ट में फंसे युवक की मौत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कपड़ों का गांठ लादते समय अचानक बंद हुआ फाटक

अमृत विचार। नौबस्ता में अंडरगार्मेंट फैक्ट्री में काम करने वाले युवक की लिफ्ट में गर्दन फंसने से मौत हो गई। फायर ब्रिगेड टीम ने मशक्कत कर लिफ्ट में फंसा शव बाहर निकलवाया। शव पोस्टमार्टम भेजे जाने पर परिजनों ने झूठी खबर देने का आरोप लगाकर वहां जमकर हंगामा किया। देर रात विधायक राहुल बच्चा पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे।

बाबूपुरवा के बगाही भट्ठा निवासी बबलू पासवान का 19 वर्षीय बेटा पवन किदवईनगर के-ब्लॉक निवासी आनंद अग्रवाल की हंसपुरम आवास विकास योजना-टू स्थित अंडरगार्मेंट फैक्ट्री में काम करता था। मंगलवार शाम करीब छह बजे पवन कपड़े की गांठ लेकर ऊपर मंजिल पर ले जाने के लिए लिफ्ट में रख रहा था, तभी अचानक लिफ्ट का दरवाजा बंद हो गया। पवन की गर्दन लिफ्ट में फंस गई, जबकि उसका शरीर बाहर ही था। लिफ्ट अचानक झटके से ऊपर जाने लगी और मौके पर ही पवन की मौत हो गई। पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। फायर ब्रिगेड टीम मौके पर पहुंची और मशक्कत कर किसी तरह शव को बाहर निकाला। रोते-बिलखते परिजन भी मौके पर पहुंचे। घरवालों ने बताया कि शाम को फैक्ट्री मालिक ने पवन के दोस्त अनुराग को फोन कर परिजनों से बात कराने को कहा। अनुराग ने पवन की चाची सुमन से बात कराई तो उन्होंने पवन के घायल होने की खबर दी। कहा, अस्पताल लेकर जा रहे हैं। परिजन फैक्ट्री पहुंचे तो पवन का शव वहीं मिला। इसी बीच पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जहां पहुंचे परिजनों ने हंगामा किया। एडीसीपी साउथ योगेश कुमार ने बताया कि परिजनों से अभी तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

कॉरिडोर 1 में अंतिम टनल तैयार, जल्द नौबस्ता पहुंचेगी मेट्रो

कानपुर। कॉरिडोर-1 में आईआईटी से नौबस्ता के अंडरग्राउंड सेक्शन का टनल निर्माण पूरा हो गया। लगभग 8.60 किमी लंबे इस भूमिगत सेक्शन के अंतिम हिस्से झकरकटी से कानपुर सेंट्रल तक 'विद्यार्थी' टीबीएम ने डाउन-लाइन पर अंतिम ब्रेकथ्रू हासिल किया। यूपीएमआरसी के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार एवं यूपीएमआरसी व कांट्रैक्टिंग एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इससे पहले, 'आजाद' टीबीएम ने सेंट्रल तक 'अप-लाइन टनल' का निर्माण 21 सितंबर को पूरा किया था।

सम्मेलन | किदवई नगर के गेस्ट हाउस में हुआ नेक्स्ट जेन जीएसटी अभियान का सम्मेलन

जीएसटी सुधार अंत्योदय को राष्ट्रोदय में बदलने का मौका

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

सम्मेलन में बोलते सांसद रमेश अवस्थी। अमृत विचार

- सांसद, व्यापारी, कारोबारी, उपभोक्ता एवं उद्यमी हुए शामिल

अमृत विचार। बदलते वैश्विक परिवेश में जीएसटी रिफार्म पीएम मोदी का ऐतिहासिक कदम है। इससे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ ही वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडेक्ट के उद्यमियों को भी जीवन दान मिला है। यह अंत्योदय को राष्ट्रोदय में बदलने का विशेष अवसर है। यह बातें मंगलवार को मुख्य अतिथि सांसद रमेश अवस्थी ने भाजपा दक्षिण द्वारा किदवई नगर के एक गेस्ट हाउस में आयोजित नेक्स्ट जेन जीएसटी अभियान के सम्मेलन में कही। उन्होंने व्यापारी, कारोबारी, उपभोक्ता एवं उद्यमी सम्मेलन से विदेशी उत्पादों का बहिष्कार कर स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने की शपथ दिलाने के साथ संकल्प पत्र भरवाए।

विधायक महेश त्रिवेदी ने कहा कि जीएसटी बदलाव से बाजारों में ग्राहकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यूपी अब 60 उत्पादों में जीआई टैग प्राप्त कर जीआई कैपिटल बन चुका है। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में उत्तर प्रदेश के उत्पादों को वैश्विक बाजार मिला है। इसमें 75 जिलों के 2250 उद्यमियों ने अपनेअपने उत्पादों का प्रदर्शन किया। भाजपा दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने कहा कि पीएम मोदी ने देश की अर्थव्यवस्था को पारदर्शी और मजबूत बनाने के लिए जीएसटी के 12 व 28 प्रतिशत के स्लैब को समाप्त कर 5 व 18 प्रतिशत कर दिया है। शहरवासी दिवाली पर विदेशी उत्पादों को छोड़कर स्वदेशी वस्तुओं की खरीदारी करें। इससे हमारे देश, प्रदेश और शहर के लोकल शिल्पकारों को रोजगार मिलेगा। भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्रा ने कहा कि जीएसटी छूट का लाभ ग्राहकों को मिल रहा है। सम्मेलन में अनीता गुप्ता, सीए अवधेश मिश्रा, श्याम सुंदर गर्ग शुक्ला, मोहित दुबे, दीपक अग्रवाल, निर्मल त्रिपाठी, संजय गुप्ता, कमल उत्तम, अश्वनी तिवारी, दीपू पासवान, मनीष त्रिपाठी आदि रहे।

घर घर स्वदेशी हमारा मंत्र

- कानपुर। भाजपा कानपुर उत्तर के जिला कार्यालय में आत्मनिर्भर भारत संकल्प और नेक्स्ट जेन जीएसटी रिफॉर्म को लेकर जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित के नेतृत्व में वार्ता हुई। पत्रकार वार्ता को सांसद रमेश अवस्थी, विधायक महेश त्रिवेदी, कानपुर उत्तर के जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित, दक्षिण के अध्यक्ष शिवराम सिंह व ग्रामीण के अध्यक्ष उपेंद्र पासवान ने संबोधित किया। कहा कि स्वदेशी का संकल्प एक नारा नहीं, बल्कि आत्म निर्भर भारत और विकसित भारत की नींव है जब हम स्वदेशी को अपनाते है तो अपने देश की मिट्टी से जुड़ते है। घर घर स्वदेशी हमारा मंत्र है।

जीएसटी की दरें कम होने से सभी क्षेत्र की सामग्रियों के गिरे दाम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

शपथ लेते एमएलसी सलिल विश्नोई और व्यापारी नेता मुकुंद मिश्रा। अमृत विचार

- व्यापार में जीएसटी दरों की कमी का प्रभाव और प्रतिक्रिया जानने के लिए हुआ विचार संगमन

अमृत विचार। माल रोड स्थित एक होटल में मंगलवार को विधायक सलिल विश्नोई ने व्यापार में जीएसटी दरों की कमी का प्रभाव और प्रतिक्रिया जानने के लिए व्यापारियों के साथ एक विचार संगमन का आयोजन किया, जिसमे पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष रंजना उपाध्याय ने बताया कि जीएसटी की दरें कम होने से दवा, बिजली, पानी, परिवहन, कपड़ा, शिक्षा, इंश्योरेंस, चिकित्सा, निर्माण, समेत सभी क्षेत्रों के दामों में गिरावट आई है।

उप्र उद्योग व्यापार मंडल (श्याम बिहारी गुट) के प्रदेश अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा ने कहा कि यह अंत्योदय को राष्ट्रोदय में बदलने का विशेष अवसर है। जीएसटी सुधार लागू होने से बाजार में उपभोक्ताओ की संख्या लगातार बढ़ रही है। जीएसटी में बदलाव से देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्म निर्भर भारत, मेक इन इंडिया और स्वदेशी के विजन को मजबूती मिलेगी । व्यापारियों ने कहा कि जीएसटी की दरें कम होने से देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ ही वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडेक्ट के उद्यमियों को भी जीवन दान मिला है। जीएसटी दर कम होने से ग्राहकों में खुशी है। व्यापारियों ने आश्वासन दिया कि वह जीएसटी में कमी से सभी व्यापारी ईमानदारी से जीएसटी का भुगतान करेंगे, जिससे सरकार की भी आर्थिक मजबूती मिलेगी। सीए प्रखर गुप्ता ने जीएसटी के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस दौरान भाजपा उत्तर जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित, एमएलसी विधायक सलिल विश्नोई, परेड से संतोष, कपड़ा मार्केट से अर्पित, कैलाश अग्रवाल, अशोक गुप्ता, गोपाल ओमर आदि मौजूद रहे।

सिटी ब्रीफ

सीनियर सिटीजन दिवस मनाया

कानपुर। वरिष्ठ नागरिक सहयोग समिति के द्वारा गैंजेस क्लब में मंगलवार को अंतरर्राष्ट्रीय सीनियर सिटीजन दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विजय कपूर ने बताया कि विश्व भर में वृद्ध जनों के समक्ष आने वाले अवसरों एवं चुनौतियों के जागरुकता बढ़ाने को लेकर अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस मनाया जाता है। समिति के अध्यक्ष यू सी सिन्हा डा. संजय रस्तोगी, डा. दीपक याज्ञनिक, डा. डी. के सिन्हा सहित कई चिकित्सकों ने वरिष्ठ नागरिकों को चिकित्सीय परामर्श भी दिया।

कारोबारी की दुकान कुर्क की

कानपुर। राज्य कर विभाग के अन्तर्गत वैट से संबंधित बकाया वसूली अभियान के तहत स्टील कारोबारी की दुकान को विभागीय टीम ने कुर्क किया। व्यापारी जय महाकाल स्टील्स पर वर्ष 2013-14 एवं 2017-18 के लिए लगभग 2.75 करोड़ रुपये की वैट बकाया वसूली लंबित थी। बताया गया कि यह फर्म वर्ष 2014 से बंद चल रही है। बकायेदार द्वारा बकाया मांग के विरुद्ध अपील दायर की गई थी। खण्ड कार्यालय में न तो पर्याप्त प्रतिभूति जमा कराई गई और न ही शेष धनराशि का भुगतान किया गया। इस पर विभागीय टीम बकायेदार आशीष गुप्ता के आवास पर पहुंची। पूछताछ के बाद आशीष गुप्ता के नाम से चंद्रा मार्केट में दुकान को सील करते हुए कुर्क कर लिया।

बैंड-बाजे के साथ धूमधाम से निकली 87 दूल्हों की बारात

उल्लास से मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती, जगह- जगह हुए आयोजन, वाल्मीकि जन्मोत्सव केंद्रीय मेला कमेटी ने किया सामूहिक विवाह कार्यक्रम

वाल्मीकि जयंती

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। महर्षि वाल्मीकि जयंती मंगलवार को शहरभर में उल्लास के साथ मनाई गई। जगह-जगह आयोजन हुए, जहां अनुयायियों ने महर्षि वाल्मीकि को याद किया। महर्षि वाल्मीकि जन्मोत्सव केंद्रीय मेला कमेटी की ओर से मोतीझील स्थित वाल्मीकि उपवन में भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर सामूहिक विवाह भी कराया गया। लाजपत भवन के बाहर से देर शाम बैंड-बाजों के साथ सफेद घोड़ों पर सवार होकर एक साथ 87 दूल्हे निकले। पुष्पवर्षा कर बारात का स्वागत किया गया।

मोतीझील में जैसे ही बारात पहुंची यहां पदाधिकारियों व कन्या पक्ष के लोगों ने द्वार-चार की रस्म निभाई और बारात का स्वागत किया। इसके बाद जयमाल हुआ और रात को वाल्मीकि उपवन में अलग-अलग बने मंडप पर सभी जोड़ों के फेरे की रस्म हुई। समारोह में विशिष्ट लोगों का सम्मान किया गया। नवदंपतियों की मेला कमेटी की ओर से गृहस्थी का समान देकर नम आंखों से विदाई दी गई। सामूहिक विवाह में राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला, मानवेन्द्र सिंह, अनिल शुक्ला वारसी, सांसद रमेश अवस्थी, विधायक नीलिमा कटियार, अमिताभ बाजपेई, सलिल विश्नोई, सुरेंद्र मैथानी, सुहेल अंसारी, नौशाद आलम, मो. सारिक सिद्धिकी भी पहुंचे और नवदंपतियों को आशीर्वाद दिया। मेला कमेटी के मीडिया प्रभारी मुन्ना हजारिया ने बताया कि समाज के साथ ही शहर के कई गणमान्य लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

सामूहिक विवाह समारोह में सजी-धजी दुल्हनें। अमृत विचार

- सफेद घोड़ों पर निकली बारात

मिष्ठान का वितरण किया

- नगर निगम कर्मचारी संघ पौशाला समिति की ओर से मोतीझील लॉन के सामने कैंप लगाकर पेय जल व मिष्ठान वितरण कर बारातियों का स्वागत किया। यहां देवीदीन भाऊ, संजय हजारिया, रमाकांत मिश्रा, रामनारायण असरेठ, दिलीप तांबे, राजकुमार बाबू, नरेश कुमार, राहुल हजरिया आदि मौजूद रहे। वहीं, अमर शहीद गंगू बाबा स्मारक समिति के पदाधिकारियों ने चुन्नीगंज, सुदर्शनगर में महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण किया। अध्यक्ष सुरेश चंद्र राका, महामंत्री अनिल सागर, रोहित चौधरी, अमित बाघमार मौजूद रहे।

वाल्मीकि जन्मोत्सव मनाया

- **कानपुर।** सुदर्शन बाल्मीकि सेवा संस्थान की ओर से महर्षि वाल्मीकि जन्मोत्सव मनाया गया। कोपरगंज तलवा मंडी में वाल्मीकि जी के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। बैंक कर्मी नेता सुधीर सोनकर ने कहा कि वाल्मीकि जी विश्व के महान पद प्रदर्शक थे। उन्होंने भगवान राम को आराध्य मानकर कठिन तपस्वी जीवन को अंगीकार किया। संस्थान के महामंत्री आशाराम जैवार, अध्यक्ष राजेश बक्शी, सनी लोहिया, संदीप कुमार, रमाकांत बख्शी, रवि, राजरानी आदि रहे।

शोभायात्रा भी निकाली

- शहर की मलिन बस्तियों से लोग शोभा यात्रा निकालकर कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामगोपाल समुद्र, संचालन प्रकाश हजारिया ने किया। अतिथियों का स्वागत मुन्ना हजारिया और धन्यवाद अध्यक्ष विजेंद्र मकोरिया ने किया। इस दौरान महामंत्री सतीश वाल्मीकि, मुन्ना पहलवान, बसंत लाल भारती, सुरेश भारती, श्रीकांत, अशोक भारती, अशोक राइटर, एडवोकेट विनोद कुमार आदि मौजूद रहे।

वक्ताओं ने व्यक्तित्व पर डाला प्रकाश

- **कानपुर।** वाल्मीकि विकास परिषद की ओर से नानाराव पार्क में कुलगुरु महर्षि वाल्मीकि की जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम में सांसद रमेश अवस्थी, महापौर प्रमिला पांडेय, नगर आयुक्त सुधीर कुमार, विधायक सुरेंद्र मैथानी, अमिताभ बाजपेई आदि भी पहुंचे। वक्ताओं ने महर्षि वाल्मीकि के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। झांकियों के जरिए महर्षि वाल्मीकि के जीवन पर प्रकाश डाला गया। यहां सामूहिक विवाह, समरसता के प्रतीक वाल्मीकी भोज का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर किशन लाल सुदर्शन, ज्ञान प्रकाश, धीरज वाल्मीकि, सुशील शेरवा, राम प्रकाश, सुशील आदि मौजूद रहे।

संस्कृत भाषा के पहले कवि थे महर्षि वाल्मीकि

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भगवान राम की जीवनगाथा रामायण की रचना करने वाले महर्षि वाल्मीकि आदि कवि या संस्कृत भाषा के पहला कवि माने जाते हैं। उनके द्वारा रचित महाकाव्य रामायण को सबसे प्रामाणिक माना जाता है। भगवान वाल्मीकि भगवान राम के युग के हैं। महर्षि वाल्मीकि ने माता सीता को अपने आश्रम में आश्रय दिया था, जहां पर उनके दो पुत्र लव और कुश पैदा हुए। लव और कुश ने ही सबसे पहले रामायण का गान किया था।

मंगलवार को कानपुर महानगर कांग्रेस द्वारा भगवान महर्षि वाल्मीकि जी की जयंती तिलक हाल में श्रद्धाभाव से मनाई गई। इस अवसर पर महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि भगवान वाल्मीकि जी के विचार सामाजिक समरसता, समानता और मानवता के शाश्वत प्रतीक हैं। उनकी शिक्षाएं युगों-युगों तक हमारे राष्ट्र के नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों को प्रकाशित करती रहेंगी। इतिहास गवाह है कि कानपुर का बिठूर क्षेत्र ही भगवान वाल्मीकि का कर्मक्षेत्र रहा है। कार्यक्रम में प्रसाद के रूप में खीर का वितरण किया गया।

हर प्रकाश अग्निहोत्री, शंकर दत्त मिश्रा, श्याम देव सिंह, दीपक त्रिवेदी बल्ली, सीता अग्निहोत्री, पदम मोहन मिश्रा, रमाकांत मिश्रा, विकास सोनकर, राम शंकर राय, राकेश साहू, नदीम सिद्दीकी, इकबाल अहमद, आनंद शुक्ला, संजय दीक्षित, दुर्गा मिश्रा, राज लक्ष्मी विनोद अवस्थी आदि थे।

महर्षि वाल्मीकि की प्रथम कविता करुणा से उपजी

- **कानपुर।** आरएसएस के विभाग संघचालक डॉ. श्याम बाबू गुप्त, सेवा भारती के प्रांत उपाध्यक्ष नवेंदु शुक्ला ने मोतीझील स्थित वाटिका में महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर संघचालक ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि प्रथम कवि थे और उनकी प्रथम कविता करुणा से उपजी थी। वह प्रथम ग्रंथ रामायण के रचयिता थे जिन्होंने मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु राम के चरित्र को जनमानस तक पहुंचाया।

दशमोत्तर छात्रवृत्ति से वंचित सभी वर्गों के छात्र आवेदन करें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- आवेदक ऑन लाइन आवेदन की प्रक्रिया निर्धारित समय अवधि में पूरा करें
- 10 अक्टूबर से 14 अक्टूबर 2025 के मध्य मास्टर डाटा लॉक किया जाएगा

अमृत विचार। शैक्षिक सत्र 2024-25 में दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत वंचित समस्त वर्गों के छात्रों के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया आरंभ की गई है। शिक्षण संस्थान 10 अक्टूबर से 14 अक्टूबर के मध्य मास्टर डाटा लॉक करेंगे। ऐसे में छात्र समयावधि के अंदर ऑनलाइन आवेदन करें।

जिला समाज कल्याण अधिकारी शिल्पी सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय एवं एफिलियेटिंग एजेंसियां फीस संबंधी विवरण का सत्यापन करेंगे। छात्र-छात्राएं 18 अक्टूबर तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन एवं आवेदन करें। उन्होंने बताया कि 27 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक अपने आवेदन का फाइनल प्रिंट निकालकर आवश्यक संलग्नकों सहित 1 नवम्बर तक शिक्षण संस्थान में हार्ड कॉपी जमा करें। उन्होंने बताया कि शिक्षण संस्थानों द्वारा 2 नवम्बर तक आवेदन पत्रों का अभिलेखीय मिलान कर ऑनलाइन सत्यापन एवं अग्रसारण किया जाएगा। विश्वविद्यालय एवं एफिलियेटिंग एजेंसियां 3 नवम्बर से 6 नवम्बर के बीच वास्तविक छात्र संख्या, पाठ्यक्रम एवं मान्यता की प्रमाणिकता की जांच कर अपात्र छात्रों एवं पाठ्यक्रमों को ब्लॉक करेंगी। इसके साथ ही एनआईसी द्वारा 3 नवम्बर से 7 नवम्बर के बीच प्राप्त डाटा की स्क्रूटनी की जाएगी और त्रुटिपूर्ण आवेदन छात्र के लॉगिन पर प्रदर्शित होंगे। छात्र/छात्राओं को 8 नवम्बर से 11 नवम्बर तक अपनी त्रुटियों का सुधार करने का अवसर मिलेगा और 12 नवम्बर तक संशोधित आवेदन पुनः जमा करना होगा। इसके बाद पुनः स्क्रूटनी की जाएगी।

पर्यावरण और वन्यजीवों के प्रति संवेदना रखें

कानपुर। वन्यजीव सप्ताह पर जिला गंगा समिति ने संरक्षण और जागरूकता का अभियान चलाया। बच्चों और युवाओं को वन्यजीव संरक्षण एवं पर्यावरण संतुलन के उद्देश्य से कई कार्यक्रम हुए। जिसमें भावी पीढ़ी में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत किया गया। रॉयल ड्रीम वर्ल्ड इंटर कॉलेज बिठूर में बच्चों के लिए विशेष गतिविधियां आयोजित की गईं। जिसमें छात्रों को अपनी रचनात्मकता और विचारों को व्यक्त करने का मंच प्रदान किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता में बच्चों ने वन्यजीवों एवं प्रकृति पर सुंदर और सार्थक चित्र बनाकर कला का प्रदर्शन किया।

अब लोकतंत्र के साथ न्याय मंदिर भी असुरक्षित

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नवीन मार्केट स्थित सपा नगर और ग्रामीण कार्यालय में महर्षि वाल्मीकि जयंती पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। सपा के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने संस्कृत रामायण ग्रंथ के रचयिता महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित किए। सपाइयों ने कहा कि भाजपा सरकार के राज्य में लोकतंत्र के साथ न्याय मंदिर भी सुरक्षित नहीं है।

नगर अध्यक्ष फजल महमूद ने कहा कि संत महर्षि वाल्मीकि ने संस्कृत में रामायण लिखकर एक इतिहास कायम किया है। हमें उनके सिद्धांतों पर समाज को विकसित करना है। वहीं, नगर अध्यक्ष ने कहा कि रायबरेली में वाल्मीकि समाज के एक लड़के को पीटकर मार दिया गया, ऐसी घटनाओं से प्रदेश में दहशत का माहौल है।

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर मौजूद सपाई। अमृत विचार

- महर्षि वाल्मीकि जयंती पर हुआ विचार गोष्ठी का आयोजन

सपा ग्रामीण के जिलाध्यक्ष मुनींद्र शुक्ला शिवकुमार, प्रदेश सचिव केके शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव, महासचिव संजय सिंह, कुलदीप यादव और ग्रामीण कार्यालय में जिला महासचिव जितेंद्र कटियार, जिला उपाध्यक्ष मगन सिंह भदौरिया, नसीम रजा, हरि कुश्वहा, सोमेंद्र शर्मा, किशन लाल, अभिषेक कटियार, व्यापार सभा जिला सचिव विनय कोरी व व्यापार सभा जिला अध्यक्ष अतुल त्रिपाठी आदि रहे।

विजेताओं को परस्कृत किया गया। अमृत विचार

झांकी में शामिल बच्चे सम्मानित

कार्यालय संवाददाता,कानपुर

अमृत विचार। श्रीरामलीला भवन में आयोजित कार्यक्रम में झांकी में शामिल बच्चों को पुरस्कृत किया गया। मिष्ठी भारती को प्रथम पुरस्कार दिया गया। श्री रामलीला सोसाइटी के प्रधानमंत्री कमलकिशोर अग्रवाल, उपाध्यक्ष लाल जी शुक्ल, झांकी संयोजक अशोक कुमार अग्रवाल, अजय अग्रवाल, संदीप निगम, तरुण गुप्ता,मंत्री आलोक अग्रवाल उपस्थित रहे।

पारम्परिक पद्धतियों का संकलन है किताब

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। वरिष्ठ वायु सैनिक, पूर्व फ्लाइंग अफसर प्रमोद नारायण मिश्र द्वारा लिखित व प्रकाशित पुस्तक त्योहार पूजा पद्धति व दर्पण का मंगलवार को विमोचन हुआ। होटल मंदाकिनी रॉयल साकेत नगर में भव्य समारोह में मुख्य अतिथि लोक गायिका, पद्मश्री सम्मानित मालिनी अवस्थी ने दोनों किताबों का लोकार्पण किया। अध्यक्ष वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. लक्ष्मी कान्त पाण्डेय, वरिष्ठ प्रोफेसर (न्यूरो सर्जन) डॉ. आईएन वाजपेई और मुस्कुराये उत्तर प्रदेश की महासचिव व लेखिका डॉ. कामायनी शर्मा मौजूद रहीं।

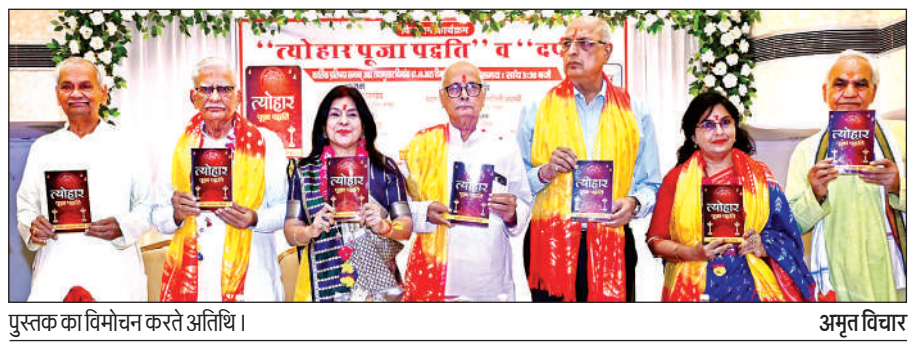

पुस्तक का विमोचन करते अतिथि। अमृत विचार

- मालिनी अवस्थी ने त्योहार पूजा पद्धति व दर्पण का किया विमोचन

मालिनी अवस्थी ने कहा कि पुस्तक त्योहार पूजा पद्धति त्योहार मनाने की पारम्परिक पद्धतियों का अद्वितीय संकलन है। डॉ.आईएन वाजपेई ने कहा कि प्रमोद दादा की प्रस्तुति समाज को अपनी परंपराओं, मर्यादाओं और त्योहारों को मनाने और जानने के लिए भविष्य में भी दिशा निर्देश देती रहेंगी। डॉ. कामायनी शर्मा ने कहा कि उत्तर भारत में हिंदू त्योहारों के महत्व, त्योहारों को मनाने की पारंपरिक विधि व वर्णन के साथ-साथ त्योहारों में कही व सुनी जाने वाली पौराणिक व लोक कथाओं को सरल एवं व्यवहारिक भाषा में लिखा गया है। डॉ. लक्ष्मी कान्त पाण्डेय ने भी विचार व्यक्त किए।

ग्रीनपार्क में रणजी ट्रॉफी मैच की तैयारी

कार्यालय संवाददाता,कानपुर

अमृत विचार। यूपीसीए ने बीसीसीआई की सबसे बड़ी घरेलू क्रिकेट शृंखला रणजी ट्रॉफी की तैयारी शुरू कर दी है। 15 अक्टूबर से ग्रीनपार्क के मैदान में उप्र. और आंध्र प्रदेश के बीच पहला मुकाबला खेला जायेगा। ग्रीनपार्क में कैंप के जरिये खिलाड़ियों का चयन शुरू हो गया है। मंगलवार को कैंप के दूसरे दिन अभ्यास मैच कराया गया। जिसमें खिलाड़ियों ने अपनी दावेदारी पेश की। उप्र के मुख्य कोच अरविंद कपूर ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन को परखा इसके साथ ही टिप्स भी दिए। प्रदर्शन के आधार पर ही टीम का अंतिम सेलेक्शन होगा।

दूसरी तरफ ग्रीन पार्क स्टेडियम में भारत-आस्ट्रेलिया ए वनडे सीरीज के फाइनल में दर्शकों की दीवानगी का वीडियो सोशल मीडिया में ट्रेंड कर रहा है। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने भी अपने एक्स एकाउंट से ग्रीन पार्क में दर्शकों के जोश का एक वीडियो शेयर किया है। वहीं, कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने भी ग्रीनपार्क में मैच के दौरान हुई भीड़ का वीडियो सोशल मीडिया में पोस्ट किया है।

पहल आईआईटी और बैंक ऑफ बड़ौदा ने किया हैकाथॉन 2025 का आयोजन

डिजिटल बैंकिंग में नवाचार की नई दिशा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। आईआईटी कानपुर में बैंक ऑफ बड़ौदा ने बैंक ऑफ बड़ौदा हैकाथॉन-2025 का आयोजन किया। हैकाथॉन का उद्देश्य डिजिटल बैंकिंग में जीरो ट्रस्ट सिक्योरिटी विषय पर नए और व्यावहारिक समाधान तैयार करना रहा। सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग और साइबर सुरक्षा में नवाचार की दिशा में छात्र-छात्राओं को जानकारी दी ताकि वह खुद भी जागरूक रहें और आसपास के लोगों को भी साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करें।

आईआईटी के विद्युत अभियांत्रिकी विभाग में प्रो. अंकुश शर्मा ने कहा कि ऐसे हैकाथॉन अकादमिक अनुसंधान और उद्योग जगत के बीच की दूरी को कम करने का काम करते हैं। यहां प्रस्तुत विचार भारत की बढ़ती क्षमता को दर्शाते हैं, जो डिजिटल सुरक्षा, फिनटेक और स्मार्ट बैंकिंग जैसे क्षेत्रों में देश को अग्रणी बना रहे हैं। एसआईआईसी प्रभारी प्रो.दीपु फिलिप ने कहा कि एसआईआईसी का उद्देश्य सदैव नए विचारों को बाजार में उपयोगी और प्रभावशाली समाधान में बदलना रहा है। इसमे उद्योग, शिक्षा और स्टार्टअप जगत ने एक साथ मिलकर डिजिटल बैंकिंग व साइबर सुरक्षा से जुड़ी वास्तविक चुनौतियों का समाधान खोजे। बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी सौरभ शुक्ला ने कहा कि ग्राहकों को उच्चतम स्तर की सुरक्षा प्रदान करना लक्ष्य है। हैकाथॉन-2025 में हुई प्रतियोगिता में देश के युवाओं ने भाग लिया। 420 से अधिक प्रतिभागी, 200 टीमें और 50 से अधिक नवाचारी समाधान इसमें शामिल हुए। कई चरणों के मूल्यांकन के बाद शीर्ष 10 टीमों का चयन किया गया। मुख्य संचालन एवं वित्त अधिकारी पीयूष मिश्रा, उप महाप्रबंधक (आईटी) अरुण कुमार, आईबीए वरिष्ठ सलाहकार एसके थापर समेत आदि लोग रहे।

बैंकिंग सुरक्षा को सशक्त बनाने के लिए पेश किए समाधान

- प्रतियोगिता में शामिल टीमों ने बैंकिंग सुरक्षा को सशक्त बनाने के लिए कई समाधान पेश किए, जिनमें यूजर और एंटिटी बिहेवियर एनालिटिक्स आधारित फ्रॉड प्रिवेंशन, एआई संचालित धोखाधड़ी रोकथाम प्लेटफार्म, वॉइस और पहचान सुरक्षा समाधान, उन्नत रीयल-टाइम थ्रेट डिटेक्शन मॉडल और बैंकों के लिए विशेष साइबर सुरक्षा ढांचे शामिल थे। प्रत्येक प्रस्तुति के बाद जूरी ने विचारों की व्यवहारिकता, विस्तार क्षमता और दीर्घकालिक प्रभाव का मूल्यांकन किया। प्रथम पुरस्कार टीम 200_ओके को मिला, द्वितीय पुरस्कार टीम बॉब दी बिल्डर को प्रदान किया गया, जबकि टेकसेव को प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

मैं चीनी नहीं भारतीय हूं, मेरा पासपोर्ट बनाएं

कानपुर। चीन की सिटीजन कान कू मंगलवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के पास अपनी शिकायत लेकर पहुंचीं और कहा कि 43 वर्षों से कानपुर में रह रही हूं। पासपोर्ट के लिए 2 साल से अधिकारियों के चक्कर लगा रही हूं लेकिन मेरा पासपोर्ट नहीं बन रहा है।

चीनी नागरिक कान कू ने बताया कि उनके पिता चीन के थे जो कारोबार के सिलसिले में कोलकाता आये थे। उन्होंने असम की महिला से शादी की थी। माता-पिता के पास चीनी पासपोर्ट था। मैं बचपन से भारत में हूं और परेड पर रहती हूं। शादी भी यहीं की है। 2023 में अपना चीन का पासपोर्ट कैंसिल करा दिया था। इस मामले में जिलाधिकारी ने एडीएम सिटी को जांच सौंपी है।

मेथाडिस्ट चर्च में पढ़ाया गया राष्ट्रप्रेम सर्वोपरि का पाठ

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। एलएलजेएम मेथाडिस्ट चर्च में भक्तों को प्रभु यीशु मसीह के द्वारा दिये पैगाम को बताया गया कि किस प्रकार यीशु मसीह ने विश्व शांति का संदेश दिया। सभी लोग एक दूसरे का आदर करें, राष्ट्र प्रेम सर्वोपरि है। इस अवसर पर क्वायर ने यीशु मसीह की शान में गीत पेश किये।

पास्टर्स सोशल वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा सिविल लाइंस स्थित एलएलजेएम मेथाडिस्ट चर्च में तीन दिवसीय आत्मिक जागृति सभा का आयोजन किया। प्रथम दिन मंगलवार को मसीही प्रचारिका डॉ. नीतू पी. चौधरी ने यीशु मसीह के पैगाम को आम करते हुए कहा कि प्रभु यीशु मसीह का पैगाम सभी मानव जाति के लिए प्रेम, क्षमा और सभी का उद्धार करना है। उन्होंने अपने पड़ोसी से प्रेम करना, अपने शत्रुओं से भी प्रेम करने का पैगाम दिया। उनका सबसे बड़ा उद्देश्य परमेश्वर के राज्य की स्थापना करना था जिसके लिए उन्होंने अपने जीवन का बलिदान किया। इस अवसर पर भारत देश एवं सत्ताधीश लीडर्स के लिए विशेष प्रार्थना की गई। कार्यक्रम में माइकल पतरस, पास्टर मनोज कुमार, जोशुआ जॉन लाल, पादरी राज कुमार मसीह, पास्टर पदमो बाग, पास्टर जैनसन हेमब्रान, संजीव मैसी, डॉ. पैट्रिक एम लाल आदि मौजूद रहे।

एलएलजेएम चर्च सिविल लाइंस में जागृति सभा हुई। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

राई में युवक ने डाई निगलकर दी जान

औरास, अमृत विचार। थाना क्षेत्र के राई गांव निवासी सरोज (40) पुत्र राजाराम का घर में परिजनों से किसी बात को लेकर झगड़ा चल रहा था। जिससे वह शराब के नशे में धुत रहता था। इसी से ऊबकर उसने घर में रखी डाई निगल लिया। हालत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। किंतु सुधार न होने पर परिजन उसका इलाज कानपुर के हैलट अस्पताल में करा रहे थे। जहां उसकी मौत हो गई। इसकी खबर मिलते परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने गांव पुलिस को सूचना दिए बिना उसका अंतिम संस्कार कर दिया।

डॉ. रामविलास शर्मा की जयंती 10 को

उन्नाव, अमृत विचार। डॉ. रामविलास शर्मा की जयंती 10 अक्टूबर को महात्मा गांधी पुस्तकालय कमला भवन में 11 बजे से आयोजित की गई है। संगोष्ठी का मुख्य विषय हिन्दी पत्रकारिता का 200 वर्ष होगा। अध्यक्षता डॉ. गोपाल गोयल प्राध्यापक, वरिष्ठ लेखक-पत्रकार करेंगे। मुख्य वक्ता महेश शर्मा लेखक-पत्रकार (कानपुर), विशिष्ट वक्ता अखिलेश तिवारी, नसीर अहमद 'नसीर', सरल कुमार वर्मा 'सरल', अबरार भाई व अरुण दीक्षित होंगे। महात्मा गांधी पुस्तकालय निराला शिक्षा निधि प्रगतिशील लेखक संघ जन एकता मुहिम के सौजन्य से आयोजित संगोष्ठी के अध्यक्ष डॉ. रामनरेश, मंत्री दिनेश प्रियमन, संयोजक डॉ. आनंद शुक्ला, डॉ. संजय श्रीवास्तव, डॉ. पुष्पा बरनवाल, डॉ. केके श्रीवास्तव, सुशील मिश्र, अजब सिंह, रवि कुमार, जगजीवन, तनुज अवस्थी, श्रीराम सिंह, ब्रजकिशोर वर्मा, अनिल सिंह, पंकज दीक्षित 'तरुण', हेमन्त पंत, डॉ. केके मिश्र आदि ने अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आग्रह किया है।

नाभि में अग्निवाण लगते ही धरती पर गिरा रावण, गूंजा जय श्रीराम

शहर के साकेत धाम में आयोजित रामलीला के नौवें दिन हुआ रावण वध का मंचन, मेले में बच्चों ने लिया आनंद, उमड़ी खरीदारों की भीड़

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। शहर के साकेतधाम में आयोजित रामलीला के नौवें दिन का मंचन प्रभु राम द्वारा रावण वध और राम दरबार की आरती के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर मेला परिसर में दर्शकों की भारी भीड़ रही। लोगों ने वहां लगे मेले का भी आनंद लिया।

मंगलवार के मंचन का मुख्य आकर्षण राम और रावण के बीच अंतिम युद्ध था। कलाकारों ने इस युद्ध को जीवंत कर दिया। कथा के अनुसार भगवान श्रीराम ने विभीषण की सलाह पर रावण का वध करने के लिए ब्रह्मास्त्रयुक्त अग्निबाण का प्रयोग किया। यह बाण सीधे रावण की नाभि में अमृत कलश पर लगा। जिससे अमृत कलश नष्ट हो गया और रावण धराशाई हो गया। रावण के वध का यह दृश्य देख पूरा रामलीला पंडाल 'जय श्री राम' के जयघोष से गूंज उठा। युद्ध समाप्त होने के बाद श्री रामलीला कमेटी के पदाधिकारियों ने राम दरबार में आरती कर लीला का समापन किया। इस दौरान कमेटी अध्यक्ष संजय राठी, प्रेम सिंह सेंगर, चंद्र प्रकाश अवस्थी, इंदु प्रकाश अवस्थी, अजय श्रीवास्तव, डॉ. प्रभात सिन्हा, संजीव गुप्ता, विवेक गुप्ता ने व्यवस्था में सहयोग किया।

वकीलों के रामलीला मैदान में होता राम-रावण युद्ध। अमृत विचार

धू-धूकर जलता रावण का पुतला।

साकेत धाम में लगे मेले में उमड़ी लोगों की भीड़। अमृत विचार

बच्चों ने झूलों का उठाया लुत्फ: रामलीला मैदान के साथ-साथ मेला परिसर में भी भारी उत्साह देखने को मिला। बच्चों व महिलाओं ने विशेष तौर पर झूलों का आनंद लिया और मेले में सजी दुकानों से खरीदारी की। आइसक्रीम, चाट, खाजा व खिलौनों की दुकानों पर लोगों की भीड़ रही। भीड़ के कारण मुख्य मार्ग और संपर्क मार्ग भी देर रात तक खचाखच भरे रहे।

वकीलों की रामलीला में भी हुआ रावण वध

उन्नाव, अमृत विचार। मंगलवार को शहर के वकीलों वाले रामलीला मैदान में भी लीला का मंचन किया गया। इसमें प्रभु श्रीराम ने रावण के साथ युद्ध कर जमीन पर गिरा दिया। रावण के धरा पर गिरते ही जय श्री राम का जयघोष गूंज उठा। इस दौरान मौजूद लोगों ने लीला मंचन का आनंद उठाया और जमकर सेल्फी ली। इसमें बार एसोसिएशन अध्यक्ष गिरीश मिश्रा व महामंत्री अनुज बाजपेई आदि मौजूद रहे।

पथ संचलन में शामिल स्वयं सेवक। अमृत विचार

वसुंधरा प्रभात शाखा ने किया पथ संचलन

शुक्लागंज, उन्नाव। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शुक्लागंज नगर की गोपीनाथपुरम स्थित वसुंधरा प्रभात शाखा द्वारा संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में मंगलवार को भव्य पथ संचलन निकाला गया। संचलन सरस्वती विद्या मंदिर गोपीनाथपुरम से प्रारंभ होकर अंबिका प्रसाद मेमोरियल स्कूल से होते हुए पुनः विद्यालय परिसर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में नगर संघचालक अंजनी अग्निहोत्री मुख्य वक्ता व सह नगर संघचालक राकेश अध्यक्ष रहे। ध्वजारोपण, शस्त्र पूजन, अमृतवचन व एकलगीत के उपरांत अंजनी अग्निहोत्री ने कहा कि विजयदशमी के दिन 1925 में डॉ. हेडगेवार ने संघ की स्थापना की थी। शताब्दी वर्ष में भारतीयता के भाव को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया है। कार्यक्रम का संचालन नगर कार्यवाह नीरज ने किया। मुख्य शिक्षक नगर शारीरिक शिक्षण प्रमुख शिवम रहे। एकलगीत नवीन व प्रार्थना पंकज ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम का समापन राकेश द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

किशोरी का कोठरी में फंदे से लटकता मिला शव

नवाबगंज, उन्नाव। घर में अकेली किशोरी का शव कोठरी में फंदे से लटका देख परिजनों के होश उड़ गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेजा है। वहीं परिजनों ने पुलिस को किशोरी के मानसिक बीमार होने की बात बताई है। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में गांव के बाहर गुमटी रख पंचर बनाता है। मंगलवार को वह बेटे व गोविंद के साथ दुकान चला गया। पत्नी खेत गई थी। घर पर बेटी अकेली थी। मंगलवार की सुबह 11 बजे उसका शव घर की कच्ची कोठरी में पड़ी धन्नी में रस्सी फंदे से लटका देख किसी काम से पहुंची चचेरी की चीख निकल गई। इस पर पहुंचे परिजन शव देख बेहाल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच कर शव मोर्चरी भेजा। चाचा ने बताया कि वह वर्षों से मानसिक बीमार थी। जिसका इलाज चल रहा था। कोतवाली प्रभारी सुरेश कुमार सिंह ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पीएम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

10 घंटे में चार बालिकाएं सकुशल की गईं बरामद

शुक्लागंज, उन्नाव। नारी सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए उन्नाव पुलिस ने मिशन शक्ति अभियान के तहत त्वरित कार्रवाई कर मात्र 10 घंटे में चार बालिकाओं को सकुशल बरामद कर लिया। गंगाघाट थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले में रहने वाले व्यक्ति ने पुलिस को सूचना दी थी कि उसकी दो बेटियां, और उसके साले की दो बेटियां सोमवार दोपहर रुपये निकालने गईं थीं, पर घर वापस नहीं लौटीं। सूचना पर थाना गंगाघाट में मुकदमा पंजीकृत कर पुलिस ने तत्काल खोजबीन शुरू की। सर्विलांस टीम की मदद से लगातार लोकेशन ट्रैकिंग व क्षेत्र में गश्त कर पुलिस ने चारों को आज मंगलवार को स्वामी विवेकानंद पीजी कॉलेज महेशखेड़ा के पास आजाद मार्ग से सकुशल बरामद कर लिया। बरामदगी में प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार सिंह, उपनिरीक्षक गजेन्द्र सिंह, कांस्टेबल अंकुर, सुमित चौधरी, महिला कांस्टेबल संध्या व उपासना पाठक की टीम शामिल रही। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि सभी बालिकाओं को परिजनों के सुपुर्द कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

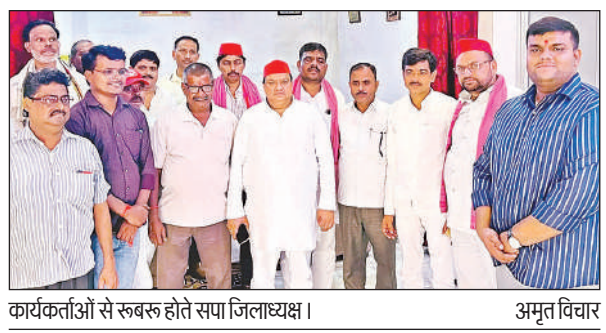

कार्यकर्ताओं से रूबरू होते सपा जिलाध्यक्ष। अमृत विचार

सपा जिलाध्यक्ष ने किया क्षेत्र का दौरा

शुक्लागंज, उन्नाव। समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष राजेश यादव का मंगलवार को मरहला चौराहे पर समाजवादी कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। स्वागत समारोह में अरविंद यादव नगर अध्यक्ष, अंकित यादव, नवनीत शुक्ला नगर उपाध्यक्ष, शिवकुमार पाल, विपिन यादव, ब्रजेन्द्र पाल, प्रेमचंद निषाद, सुशील यादव, गीता नंद यादव, अजय निषाद, राहुल यश सोनवानी, संजय यादव, अनिल सिंह, कपिल यादव, आदित्य पांडेय सहित कई अन्य नेताओं और कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही। इस अवसर पर राजेश यादव ने विभिन्न मोहल्लों का दौरा कर पार्टी को मजबूत बनाने के लिए कार्यकर्ताओं से बातचीत की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाई जाए और जनता के बीच पार्टी की पहुँच और मजबूती बढ़ाई जाए। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक उनके मार्गदर्शन में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की।

जीएसटी दरों में कटौती दूरदर्शी कदम

सफीपुर उन्नाव। विकासखंड सभागार में मंगलवार को घटी जीएसटी, मिला उपहार कार्यक्रम के तहत व्यापारी सम्मेलन हुआ। मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी व विधायक बम्बालाल दिवाकर रहे। दोनों ने मोदी सरकार द्वारा हाल में की गई जीएसटी दरों में कटौती को एक दूरदर्शी व जनहितैषी कदम बताया। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा पीएम मोदी के नेतृत्व में सरकार आमजन के हितों को सर्वोपरि रखकर कार्य कर रही है। विधायक बंबालाल दिवाकर ने कहा केंद्र सरकार का उद्देश्य हर वर्ग को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। उन्होंने व्यापारियों से अपील की कि वे इस राहत का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाएं। सम्मेलन को संयोजक विवेक तिवारी, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि रमेश रावत ने भी संबोधित किया। संचालन मलखान सिंह ने किया। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य दिलीप मिश्रा गुड्डू, महेंद्र गुप्ता बबलू, व्यापार मंडल अध्यक्ष मियागंज, सफीपुर व्यापार मंडल अध्यक्ष उत्तम निषाद, व्यापारी नेता रामजी गुप्ता, कमलेश गुप्ता, अशोक गुप्ता, अमित कुशवाहा, कंचन गुप्ता, सभासद बेचेलाल गुप्ता, मानसिंह मराठा, सौरभ गुप्ता, रवि शंकर यादव, भाजपा नेताओं मे राजू चौहान, राजेश तिवारी, विनोद मिश्रा, आशीष कनौजिया, अतुल अग्निहोत्री, सभासद अभिनव शर्मा, राम विमल, लकी रावत, राजेश गुप्ता, विनोद गुप्ता आदि रहे।

व्यापारी सम्मेलन को संबोधित करते विधायक बंबालाल दिवाकर व मौजूद लोग।

पटाखा दुकान में रजिस्टर चेक करते अधिकारी। अमृत विचार

एसडीएम व सीओ ने खंगालीं पटाखा की दुकानें

उन्नाव, अमृत विचार। दीवाली को देखते हुए पटाखों की बिक्री व भंडारण को लेकर प्रशासन सतर्क हो गया है। मंगलवार को एडीएम व सीओ संग सीएफओ ने सदर क्षेत्र में पटाखा दुकानों को चेक किया। एसडीएम सदर क्षितिज द्विवेदी, सीओ सिटी दीपक यादव व सीएफओ अनूप सिंह ने अब्बासपुर गांव में दुकानों की चेकिंग की। स्टॉक सहित अभिलेखों की पड़ताल के साथ पटाखों का भंडारण देखा। लाइसेंस की भी जांच की गई। चेतावनी दी यदि लाइसेंस के नियमों का उल्लंघन किया तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। संयुक्त टीम ने अकरमपुर व हुसैन नगर भी गई। यहां भी फैक्ट्री की जांच की गई। छापेमारी के दौरान कोतवाली प्रभारी संजीव कुशवाहा भी साथ रहे। सीओ ने बताया कि दीवाली को देखते हुए पटाखों की दुकानों को चेक कर वहां सुरक्षा मानकों की जांच की गई। जो कमियां मिली हैं उनमें सुधार के निर्देश दिए गए हैं।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

20 मिनट ट्रैक बाधित

संवाददाता, शुक्लागंज, उन्नाव

अमृत विचार। मंगलवार शाम लखनऊ से कानपुर की ओर जा रही शताब्दी एक्सप्रेस की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद करीब बीस मिनट तक ट्रेनों का संचालन बाधित रहा। शताब्दी एक्सप्रेस, मेमो ट्रेन और गोरखपुर-यशवंतपुर एक्सप्रेस को रोकना पड़ा। घटना की जानकारी मिलते ही जीआरपी और आरपीएफ मौके पर पहुंची और शव को ट्रैक से हटवाकर रेल यातायात बहाल कराया।

पप्पू (फाइल फोटो)

जानकारी के अनुसार, राजीव नगर खंती निवासी श्रीराम उर्फ पप्पू (45) रेलवे क्रॉसिंग ढाल पर सब्जी बेचने का काम करता था। परिजनों ने बताया कि कुछ दिन पहले ही उसके पेट का ऑपरेशन हुआ था और वह बीमारी से उबर रहा था। मंगलवार शाम करीब साढ़े चार बजे वह चाय लेने के लिए पुराने यातायात पुल की ओर जा रहा था। इसी दौरान अप लाइन से रन थ्रू होकर गुजर रही शताब्दी एक्सप्रेस की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद शव अप लाइन के पोल संख्या 67/37 और डाउन लाइन के पोल 68/1 के बीच ट्रैक पर पड़ा रहा, जिससे ट्रेनों का संचालन रोकना पड़ा। चालक ने तुरंत सूचना स्टेशन मास्टर को दी, जिसके बाद जीआरपी व आरपीएफ ने मौके पर पहुंचकर जांच की और शव को हटवाया।

बीस मिनट बाद ट्रैक क्लियर होने पर शताब्दी कानपुर की ओर रवाना हुई, जबकि गंगाघाट स्टेशन पर मेमो 64211 और उन्नाव स्टेशन पर गोरखपुर-यशवंतपुर एक्सप्रेस रुकी रही। पप्पू की मौत की खबर सुनकर घर में कोहराम मच गया। मां रामप्यारी, बहन गुड्डी और भांजी पिंकी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। जीआरपी ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

महर्षि वाल्मीकि को अर्पित की पुष्पांजलि

संवाददाता, उन्नाव, अमृत विचार। प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षित स्नातक संगठन के जिला कोषाध्यक्ष अमित तिवारी ने महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर महर्षि बाल्मीकि उपवन मोतीझील कानपुर पहुंचकर महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने मौजूद लोगों से रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि के बताए आदर्शों पर चलने की अपील की।

प्रतिमा पर माल्यार्पण करते अमित तिवारी।

महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर हुआ सुंदरकांड पाठ

उन्नाव, अमृत विचार। सिद्ध पीठ मां बहार देवी मंदिर नेवरना में महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। वहीं, मां बहार देवी धाम के तीन बोर्ड नेवरना पुलिस चौकी मोड़, लाऊखेड़ा मोड़ व आंट के पास मां बहार देवी सेवा समिति द्वारा लगाए गए। इस मौके पर समिति के पदाधिकारी भरत कुमार, रजनू गुप्ता, विकास गुप्ता, धीरज राजपूत, अंकित चौरसिया, भीखा साहू, संजय लोधी, लल्ली राजपूत, लल्लू, शोभई गुप्ता, गुड्डू रावत, नरेन्द्र चौरसिया आदि उपस्थित रहे।

महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण करते कांग्रेसी। अमृत विचार

महर्षि वाल्मीकि के चरित्र से शिक्षा लेने की जरूरत

उन्नाव, अमृत विचार। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में वाल्मीकि जयंती धूमधाम से मनाई गई। कांग्रेसियों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर गोष्ठी का शुभारंभ किया। जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कुशवाहा ने कहा रामायण के रचयिता वाल्मीकि के जीवन से हमें अनेक शिक्षाएं मिलती हैं। आज हम सब लोगों को महर्षि वाल्मीकि के चरित्र से शिक्षा लेने की जरूरत है। इस दौरान शिवम अवस्थी, जितेन्द्र सिंह जीतू, यूसुफ फारुकी, अजय गौतम, दीपेंद्र सिंह, फैज फारुकी, रावेंद्र सिंह, हरिश्चंद्र रावत, मणिकांत रावत, आशुतोष शर्मा आदि ने महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर लिया संकल्प

औरास, उन्नाव। औरास कस्बा स्थित नगर पंचायत कार्यालय में मंगलवार को महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर नगर पंचायत अध्यक्ष राकेश कुमार ने पुष्प अर्पित कर जयंती मनाई। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने रामायण के माध्यम से न केवल धर्म और सत्य का पाठ दिखाया बल्कि समाज में क्षमता करुणा और न्याय का अमर संदेश स्थापित किया है। उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर हमें एक ऐसे राष्ट्र के निर्माण का संकल्प लेना चाहिए। जहां संस्कृत सामान्य और संवेदना का दीप सदा प्रचलित होता रहे। इस अवसर पर नगर पंचायत के सभी कर्मचारी रहे।

घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

शरद पूर्णिमा

शुक्लागंज, उन्नाव

अमृत विचार। शरद पूर्णिमा स्नान के अवसर पर मंगलवार को दूसरे दिन भी गंगा तट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। नगर के विभिन्न घाटों पर लोग सुबह से ही स्नान के लिए पहुँचे और गंगा में डुबकी लगाकर पापमोचन की मान्यता के अनुसार पुण्य अर्जित किया। श्रद्धालुओं ने तट पर बैठे पंडों को दान-दक्षिणा दी और कई ने सत्य नारायण की कथा का श्रवण भी किया। नगर के अलावा उन्नाव, लखनऊ, रायबरेली, बालामऊ, हरदोई समेत आसपास के क्षेत्रों से भी सैकड़ों श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए पहुँचे। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने घाट पर लगे दुकानों से खरीददारी की और तट का मनोरंजन भी किया। गंगाघाट रेलवे स्टेशन पर भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। घाटों पर सुबह से लेकर दोपहर तक श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। स्थानीय प्रशासन और घाट व्यवस्थापक ने श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए सतर्कता बरती। इस दौरान लोगों ने कहा कि शरद पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान करने से पूर्व में किए गए पाप कर्म नष्ट हो जाते हैं और जीवन में सुख-शांति आती है। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में उत्साह रहा।

स्नान के लिये घाट पर लगी श्रद्धालुओं की भीड़। अमृत विचार

वाहन की टक्कर से युवक की मौत

उन्नाव, अमृत विचार। मैनपुरी जिला के कस्बा व थाना करहल निवासी चरन सिंह (32) पुत्र स्व. कंटू मजदूरी करता था। दो दिन पहले वह अपने साथियों के बुलावे पर बंथर औद्योगिक क्षेत्र में किसी फैक्ट्री में मजदूरी की तलाश में आया था। मंगलवार सुबह वह बाइक से जा रहा था। तभी लखनऊ-कानपुर हाईवे पर सदर कोतवाली क्षेत्र के शेखपुर नरी गांव के आगे लखनऊ जाने वाली लेन पर अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। उछलकर सड़क पर गिरने से वह गंभीर घायल हो गया। पुलिस ने उसे अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने परिजनों को हादसे की सूचना दी।

अजीत हत्याकांड का एक और आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

शुक्लागंज, उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली पुलिस ने अगस्त माह में हुई दस वर्षीय किशोर अजीत की हत्या के मामले में एक और वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को मंगलवार को कान्हा गौशाला के पास से पकड़ा और आवश्यक कार्रवाई के बाद जेल भेज दिया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान चंपापुरवा निवासी राकेश कनौजिया पुत्र रामसहाय कनौजिया के रूप में हुई है। गौरतलब है कि 31 अगस्त की रात गगनीखेड़ा में पुरानी रंजिश के चलते हुई फायरिंग में सोनू निषाद के दस वर्षीय बेटे अजीत की गोली लगने से मौत हो गई थी। पिता की तहरीर पर पुलिस ने छह नामजद और दो अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया था। घटना के बाद से पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश में लगी रही। अब तक इस मामले में पुलिस गगनीखेड़ा निवासी अशोक और साकेत पाल को मुठभेड़ में घायल कर गिरफ्तार कर चुकी है, जबकि शुभम गौतम उर्फ सत्या, धनंजय सिंह, सुनील, दीपक सविता को जेल भेजा जा चुका है। वहीं आरोपी अमित और सूरज ने न्यायालय में आत्मसमर्पण किया था। कोतवाली प्रभारी अजय कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार को वांछित राकेश कनौजिया को मुखबिर की सूचना पर दबोच लिया गया।

उन्नाव डायरी

मां कामाख्या मंदिर पर सुंदरकांड पाठ का हुआ भव्य आयोजन

शुक्लागंज, उन्नाव। संस्कृति अनुभाग उत्तर प्रदेश सरकार के तत्वावधान में मंगलवार को वार्ड नंबर 21 राम नगर स्थित मां कामाख्या मंदिर में सुंदरकांड पाठ का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडेय के मार्गदर्शन एवं अधिशाषी अधिकारी मुकेश कुमार मिश्र के निर्देशन में संपन्न हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और हनुमान जी के जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठा। पाठ के बाद भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से सुंदरकांड का श्रवण कर आध्यात्मिक आनंद का अनुभव किया।

रामनगर कामाख्या मंदिर में होता सुंदरकांड का पाठ। अमृत विचार

आज जिले में रहेंगी राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष

उन्नाव, अमृत विचार। उप्र राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव 8 अक्टूबर को जिले का भ्रमण करने के साथ निरीक्षण, कन्या जन्मोत्सव व महिला पखवाड़ा कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगी। इसके अलावा पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में विभागीय अधिकारियों के साथ साढ़े 11 बजे समीक्षा बैठक करेंगी। वन स्टॉप सेंटर में पोषण पंचायत कार्यक्रम के तहत कन्या जन्मोत्सव व महिला पखवाड़ा कार्यक्रम में दोपहर ढाई बजे प्रतिभाग करेंगी। इसके बाद ब्लॉक सिकंदरपुर सरौसी स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का निरीक्षण करेंगी। जानकारी जिला प्रोबेशन अधिकारी क्षमानाथ राय ने दी।

दुष्कर्म के दोषी को मिली पांच साल की सजा, 15 हजार जुर्माना भी

संवाददाता, उन्नाव, अमृत विचार। दुष्कर्म के दोषी युवक को कोर्ट ने अंतिम सुनवाई के बाद 5 साल की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर 15 हजार 500 का जुर्माना भी लगाया है। बता दें कि अचलगंज थाना पुलिस ने 17 सितंबर-2021 थानाक्षेत्र के अमरस गांव निवासी मंगल माली पर महिला की तहरीर पर दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज की थी। जिसके बाद पुलिस ने उसे 18 सितंबर को पकड़कर जेल भेजा था। तत्कालीन एसओ संदीप शुक्ला ने जांच कर साक्ष्य एकत्र कर 16 दिसंबर-2021 को कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। मंगलवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में पूरी हुई। इस दौरान न्यायाधीश विमल त्रिपाठी ने शासकीय अधिवक्ता मनोज पांडेय की दलीलों व प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर मंगल माली पुत्र श्रीराम को 5 साल की सजा सुनाई।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

शुक्लागंज, उन्नाव, अमृत विचार। एसपी के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत गंगाघाट कोतवाली पुलिस ने मंगलवार को दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के आरोपी को गिरफ्तार किया। कोतवाली प्रभारी अजय कुमार सिंह ने बताया कि 3 अक्टूबर को राजीव नगर खंती निवासी इसराइल के खिलाफ दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के बाद से वह फरार चल रहा था। मंगलवार को व0उ0नि0 दिलीप कुमार प्रजापति हमराहियों के साथ गश्त पर थे, तभी मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी इसराइल बाउंड्री के पास सड़क किनारे ट्रांसफार्मर के सामने मौजूद है। सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को दबोच लिया। पूछताछ के बाद उसे विधिक कार्यवाही पूरी कर जेल भेज दिया गया।

महिला ने फांसी लगाकर दी जान

शुक्लागंज, उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के आजाद नगर में किराये के मकान में रह रही एक महिला ने मंगलवार को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना उस समय सामने आई जब घर में मौजूद उसकी बेटी ने शव देखा और चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कमरे का मुआयना कर शव को फंदे से नीचे उतारकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार, आजाद नगर निवासी अमरदीप गुप्ता के मकान में अचलगंज थाना क्षेत्र के बंथर अतहा निवासी राकेश की पत्नी शशि (40) अपने बच्चों पलक और अन्नू के साथ किराये पर रहकर फास्ट फूड का ठेला चलाती थी। पति राकेश गुजरात में नौकरी करता है, जिससे घर का सारा खर्च और बच्चों की देखभाल शशि करती थी। पड़ोसियों के अनुसार, तीन महीने पहले पति घर आया था और फिर लौट जाने के बाद से दोनों के बीच बातचीत नहीं हो पा रही थी। इस वजह से महिला मानसिक रूप से परेशान थी। मंगलवार शाम करीब साढ़े पांच बजे शशि ने कमरे में पंखे के कुंडे के सहारे दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

अमृत विचार

बुधवार, 8 अक्टूबर 2025

निराशा संभव को असंभव बना देती है।
–मुंशी प्रेमचंद, साहित्यकार

प्रतिरक्षा की नई परिभाषा

इस वर्ष का फिजियोलॉजी या चिकित्साशास्त्र अथवा मेडिसिन का नोबेल पुरस्कार उन खोजों के लिए दिया गया है, जो मानव प्रतिरक्षा प्रणाली को गहराई से समझने और उसे नियंत्रित करने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। अमेरिका की मेरी ब्रंको, फ्रेड रेम्सडेल तथा जापान के शिमोन साकागुची ने अपने शोध और जैविक प्रयोगों के माध्यम से स्वप्रतिरक्षी या ऑटोइम्यून प्रणाली से जुड़ी वैज्ञानिक समझ में क्रांतिकारी बदलाव ला दिया है। कुल मिलाकर, नोबेल पुरस्कार विजेताओं के शोध ने प्रतिरक्षा प्रणाली से संबंधित क्रियाकलापों और कार्य प्रणालियों की तह में जाकर उनके जिन विकारों के आनुवंशिक, आणविक और पर्यावरणीय निर्धारकों का पता लगाया है, उसने पूरी प्रतिरक्षा प्रणाली को नए सिरे से पुनर्परिभाषित किया है। उनकी खोज से कई रोगों के शीघ्र निदान और लक्षित उपचारों का नया मार्ग प्रशस्त हुआ है। निःसंदेह यह क्रांतिकारी खोज न केवल चिकित्सा विज्ञान में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान है, बल्कि इसने पेरिफेरल इम्यून टॉलरेंस से संबंधित प्रतिरक्षा सहिष्णुता के नए क्षेत्र में आगे के शोध के लिए भी एक ठोस नींव रखी है।

हमारा इम्यून सिस्टम प्रतिदिन रोग उत्पन्न करने वाले लाखों बाहरी सूक्ष्मजीवों और अन्य हमलावर तत्वों से हमारी रक्षा करता है, लेकिन कभी-कभी यही प्रणाली भ्रमित होकर शरीर के अपने अंगों को ही शत्रु समझने लगती है, जिससे टाइप-1 डायबिटीज, रूमेटॉयड आर्थराइटिस जैसे अनेक ऑटोइम्यून रोग उत्पन्न होते हैं। कई बार जब शरीर में कोई अंग प्रत्यारोपित किया जाता है, तो इम्यून सिस्टम उसे भी 'अनजाना' और 'बाहरी' समझकर अस्वीकार कर देता है। इस संदर्भ में पेरिफेरल इम्यून टॉलरेंस की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह प्रणाली शरीर की अपनी कोशिकाओं और प्रोटीनों को पहचानती है और यदि कोई टी-सेल उन पर हमला करने की कोशिश करे, तो उसे निष्क्रिय या समाप्त कर देती है। ब्रंको, रेम्सडेल और साकागुची ने इस प्रणाली के 'सुरक्षा प्रहरी'- रेगुलेटरी टी-सेल्स- की पहचान की है। इन टी-सेल्स का कार्य यह सुनिश्चित करना है कि इम्यून सिस्टम गलती से अपने ही शरीर पर हमला न करे। यह खोज प्रतिरक्षा सहिष्णुता की अवधारणा को एक नई वैज्ञानिक परिभाषा देती है और चिकित्सा विज्ञान को एक नई दिशा प्रदान करती है। इन शोधों का महत्व केवल सैद्धांतिक नहीं, बल्कि व्यावहारिक भी है। इससे कैंसर, ऑटोइम्यून रोगों और अंग प्रत्यारोपण से जुड़ी चिकित्सा विधियों में सुधार होगा तथा भविष्य में लाखों मरीजों के लिए यह खोज रोग से राहत का कारण बनेगी।

यह अवसर भारतीय मूल के वैज्ञानिकों की उपलब्धियों को भी याद करने का है। 1968 में हरगोविंद खुराना को मेडिसिन का नोबेल पुरस्कार मिला था। उन्होंने जेनेटिक कोड की संरचना से प्रोटीन निर्माण को समझने में अहम भूमिका निभाई थी और उनकी खोजों ने कैंसर, औषधि-विकास तथा जेनेटिक इंजीनियरिंग के क्षेत्र में क्रांति ला दी थी। आज जब चिकित्सा विज्ञान एक नई क्रांति की ओर बढ़ रहा है, यह उम्मीद स्वाभाविक है कि भविष्य में कोई भारतीय वैज्ञानिक भी इस वैश्विक मंच पर पुनः अपनी प्रतिभा का परचम लहराए।

प्रसंगवश

पुण्य तिथि: विश्व के बेजोड़ कथा शिल्पी मुंशी प्रेमचंद

प्रेमचंद हिंद कहानी के आधार स्तंभ हैं। वे विश्व के बेजोड़ कथा शिल्पी माने जाते हैं। हिंदी साहित्य की कहानी यात्रा प्रेमचंद के बिना अधूरी है। उन्होंने कई विश्व प्रसिद्ध उपन्यास भी लिखे, मगर उनकी ख्याति एक कहानीकार के रूप में ज्यादा है। प्रेमचंद की कहानियों में समाज का प्रतिबिंब स्पष्ट रूप से झलकता है। उन्होंने आम आदमी को केंद्र में रखकर अपनी कहानियां लिखीं और आम आदमी के मर्म को छूने का प्रयास किया, जिसके कारण उनकी कहानियां लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय हुईं। सामाजिक ताने-बाने पर लिखी गईं, उनकी कहानियां बुनावट, कसावट, शिल्प एवं कथ्य की दृष्टि से बेजोड़ हैं। उन्होंने अपनी कहानियों को भाषा की दुरुहता एवं व्याकरण की जटिलता से बचाने का सफल प्रयास किया है। आम बोलचाल की भाषा में लिखी गईं उनकी कहानियां पाठक के अंतर्मन को गहराई से छू लेती हैं।

सुरेश बाबू मिश्रा
साहित्यकार

प्रेमचंद का जन्म 31 जुलाई 1880 को वाराणसी जिले के लमही नामक गांव में एक मध्यम वर्गीय परिवार में हुआ था। उनके पिता पोस्ट मास्टर थे। प्रेमचंद का वास्तविक नाम धनपत राय था। उन्होंने गरीबी अभावों एवं ग्रामीण जीवन से जुड़ी समस्याओं को काफी निकट से देखा एवं भोगा था। अपनी शिक्षा पूर्ण करने के उपरांत उन्होंने एक शिक्षक के रूप में अपना जीवन प्रारंभ किया। बाद में पदोन्नति पाकर वे विद्यालयों के उपनिरीक्षक बन गए।

1880 से 1936 तक का प्रेमचंद का जीवन काल देश की पराधीनता का काल था। उस समय अंग्रेजों का शासन था। अंग्रेज शासकों के क्रूर अत्याचारों से देश की जनता कराह रही थी। अंग्रेज देश को लूट रहे थे। उन्हें हमारे देश के वैभव से प्यार था और देश की जनता से नफरत। गांवों में अंग्रेजों के वफादार माने जाने वाले राजाओं, जमींदारों, नवाबों एवं साहूकारों का बोलबाला था। उनकी मनमानी और अत्याचारों को झेलने को गांवों की भोली-भाली जनता मजबूर थी। गांव की अधिकांश जनता अनपढ़ और गरीब थी। उनमें तरह-तरह के अंधविश्वास एवं कर्मकांड व्याप्त थे। इस सबको देखकर प्रेमचंद का मन उद्वलित हो उठा और इस अन्याय, अत्याचार और दमन का प्रतिकार करने के लिए उन्होंने अपनी कलम को हथियार बनाया।

प्रेमचंद की अधिकांश कहानियों में ग्रामीण परिवेश की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। उन्होंने आम आदमी के दर्द, बेबसी, भय एवं धर्म भीरूता को अपनी लेखनी द्वारा बड़ी बेबाकी से बयां किया है। उनकी कहानी 'कफन', 'पूस की रात', 'पंच परमेश्वर', 'बूढ़ी काकी', 'बड़े भाई साहब', 'नमक का दरोगा', 'दो बैलों की कथा', 'गुल्ली-डंडा', 'ईदगाह', 'आंसुओं की होली', 'सवासेर गेहूं' आदि में तत्कालीन ग्रामीण परिवेश का प्रतिबिंब झलकता है। यह कहानियां उस समय के ग्रामीणों की दुर्दशा को बयां करती हैं। उनकी कहानियां 'अलग्योझा', 'नागपूजा', 'पंडित मोटेराम की डायरी', 'ठाकुर का खून', 'तगादा', 'गृहदाह', 'मूठ', 'बाबा जी का भोग' तत्कालीन समाज में फैले कर्मकांड, धर्म भीरुता, अंधविश्वास एवं जातिगत भेद पर करारी चोट करते हैं।

उनकी कहानी 'जिहाद', 'मंदिर-मस्जिद', 'अनमोल रतन', 'शतरंज के खिलाड़ी' में उनके मन में बसी देश प्रेम की भावना मुखरित होती है। उनके उपन्यास कर्मभूमि और रंगभूमि में देशप्रेम और स्वराज की भावना और प्रखरता के साथ व्यक्त हुई है। प्रेमचंद की साहित्य यात्रा सन् 1901 में प्रारंभ हुई। वे नवाब राय नाम से कहानियां लिखते थे। उस समय 'जमाना' उर्दू की मशहूर पत्रिका थी। प्रेमचंद की पहली कहानी 'जमाना' पत्रिका में ही छपी। ये उर्दू में थी, बाद में प्रेमचंद उर्दू और हिंदी दोनों में लिखने लगे।

भारत को मिलते अहम साझेदार

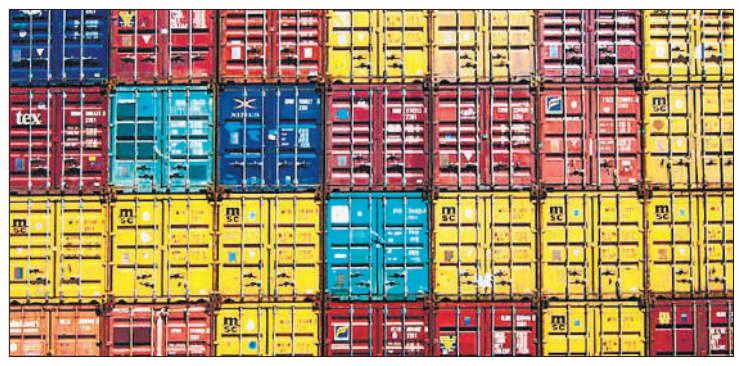

नवीन गुप्ता
बरेली

अमेरिका से टैरिफ वार के बीच भारत लगातार अपने दूसरे देशों से कारोबारी रिश्ते और मजबूत करने में लगा हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस अभियान को चार और यूरोपीय देशों का समर्थन मिला है।

अमेरिका से टैरिफ वार के बीच भारत लगातार अपने दूसरे देशों से कारोबारी रिश्ते और मजबूत करने में लगा हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस अभियान को चार और यूरोपीय देशों का समर्थन मिला है। जल्द ही यूरोपियन यूनियन भी हमारे साथ मुक्त व्यापार समझौता कर लेगा। स्विटजरलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिकटेंस्टीन के समूह यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ से समझौता कर भारत ने ऐतिहासिक कदम उठाया है। इस समझौते से भारत को 15 सालों में इन देशों से 100 अरब डॉलर का निवेश मिलने का अनुमान है, जिससे भारत में लगभग 10 लाख नई नौकरियों के अवसर पैदा होंगे। अगले तीन माह के अंदर यूरोपियन यूनियन से मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने की तैयारी है। इसमें भारत की मदद फ्रांस, जर्मनी, इटली, साइप्रस जैसे महत्वपूर्ण सदस्य देश कर रहे हैं। 27 सदस्यों वाले इस समूह से उम्मीद है कि अगले दो से तीन माह के अंदर यह समझौता हो जाएगा। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीति की सबसे बड़ी और अहम जीत होगी।

प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शी सोच ही है कि उन्होंने टैरिफ वार को भांप लिया था और यूरोपियन यूनियन हो या अन्य छोटे-बड़े देश, उनसे मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए तेजी से कदम आगे बढ़ाए। भारत और यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत चल रही है। रूस इस यूनियन का प्रमुख सदस्य देश है। नवंबर में भारत में आयोजित बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा होगी। इस समझौते से भारत का रूस के साथ जहां व्यापार घाटा कम होगा, वहीं भारतीय उत्पाद रूस व इस यूनियन के प्रमुख देशों में आसानी से पहुंच सकेगा। इस यूनियन में शामिल बेलारूस, कजाकिस्तान, किर्गिजस्तान और आर्मेनिया भी चाहते हैं कि भारत के साथ जल्द से जल्द समझौता हो जाए, ताकि उन्हें इसका लाभ मिले।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दिसंबर में भारत आएंगे। इससे पहले होने वाली बैठक में यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन से समझौते के संबंध में ठोस परिणाम निकलने की उम्मीद है। पुतिन के दौरे पर भारत के साथ रक्षा के साथ ही कई अन्य समझौते होने की उम्मीद है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर भी आज भारत आ रहे हैं। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिटेन दौरे के दौरान उन्हें भारत आने का निमंत्रण दिया था। भारत की आधिकारिक यात्रा पर आ रहे स्टार्मर का प्रधानमंत्री बनने के बाद पहला दौरा है।

उनकी यह यात्रा विजन 2035 के तहत भारत-यूके व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई दिशा देने का अवसर प्रदान करेगी। स्टार्मर दो दिनों तक भारत में रहेंगे। नौ अक्टूबर को मुंबई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ ब्रिटिश प्रधानमंत्री की बैठक होगी। इसमें दोनों नेता व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, रक्षा, ऊर्जा, स्वास्थ्य और शिक्षा सहित द्विपक्षीय सहयोग के सभी प्रमुख क्षेत्रों पर बातचीत करेंगे। उम्मीद है कि दोनों समकक्ष भविष्य की भारत-ब्रिटेन आर्थिक साझेदारी के केंद्रीय स्तंभ के रूप में भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) द्वारा प्रस्तुत अवसरों पर व्यवसायों और उद्योग जगत के नेताओं के साथ बातचीत भी कर सकते हैं। मुंबई में होने वाली बैठक में इंपीरियल कॉलेज लंदन के अध्यक्ष प्रोफेसर ह्यूग ब्रैडी भी शामिल होंगे।

प्रधानमंत्री स्टार्मर के भारत दौरे से पहले ही पिछले दिनों क्वांटम कंप्यूटिंग और जैव प्रौद्योगिकी का उपयोग करके जलवायु परिवर्तन के हिसाब से फसलें उगाने में किसानों की मदद करने के लिए इंपीरियल कॉलेज लंदन और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे के बीच समझौता हो चुका है। इस समझौते को ऐतिहासिक माना जा रहा है। जुलाई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिटेन यात्रा के दौरान भारत व ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते का उद्देश्य एक-दूसरे देश के बाजार में उत्पादों की पहुंच बढ़ाने, ब्रिटिश व्हिस्की, कार व अन्य वस्तुओं पर शुल्क कम करना था। साथ ही 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य है। अमेरिका से चल रहे टैरिफ वार के बीच प्रधानमंत्री स्टार्मर का दौरा देश के लिए ऐतिहासिक माना जा रहा है। टैरिफ को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मनमानी करेंगे, यह बात तो दोनों देशों को पता थी। यही वजह है कि इससे पहले ही भारत-ब्रिटेन ने मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। अब स्टार्मर भारत आ रहे हैं तो उम्मीद है कि कई और समझौते होंगे जो दोनों देशों की प्रगति के लिए मील का पत्थर साबित होंगे।

भारत ने अब तक 16 देशों और ब्लॉक्स के साथ एफटीए पर हस्ताक्षर किए हैं। इनमें सिंगापुर, मलेशिया, श्रीलंका, भूटान, थाईलैंड, ऑस्ट्रेलिया, कोरिया, जापान, यूएई, यूके, मॉरीशस और आसियान शामिल हैं। इसके साथ ही भारत सरकार ओमान, पेरू, चिली, न्यूजीलैंड और इजराइल के साथ भी व्यापार समझौते पर बात कर रही है। इन देशों से रिश्ते को देखते हुए यह उम्मीद है कि जल्द ही यहां भी भारत को सफलता मिलेगी। खास बात यह है कि भारत जिन भी देशों या संघ से समझौता कर रहा है, वहां हमारे किसानों या कारोबारियों, उद्यमियों के हितों से कोई समझौता नहीं किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी पहले ही कह चुके हैं कि वे किसानों, उद्यमियों के हितों से किसी भी स्थिति में समझौता नहीं करेंगे। यह बात उन्होंने अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी भरकम टैरिफ के बाद कही थी। भारत अभी भी अमेरिकी टैरिफ के आगे झुका नहीं है, जो दर्शाता है कि भारतीय नेतृत्व अब हितों से समझौता करने के बजाय अमेरिका जैसे देशों की मनमानी के सामने तनकर खड़ा रहेगा।

आमने

क्या यह सच नहीं है कि कल सुबह आप मेरी सोसाइटी में आईं तो मैंने ससम्मान आपको अपने घर पर बुलाया और करीब 1:30 घंटे हम लोगों की बात हुई? आपके द्वारा बस एक ही रट कि मुझे चुनाव लड़वाइए कैसे भी, जो कि मेरे बस का नहीं?
–पवन सिंह
भोजपुरी अभिनेता

सामने

मीडिया के सामने आप भी बैठिए और मैं भी बैठूंगी। आइए और खुलकर बात कीजिए। यदि आप मुझे जीवनभर के लिए पत्नी के रूप में स्वीकार करते हैं, तो मैं चुनाव नहीं लड़ूंगी, क्योंकि हम सत्ता के लिए अपनों का इस्तेमाल करने में विश्वास नहीं रखते हैं। –ज्योति सिंह
पवन सिंह की पत्नी

बिहार का रण: बीजेपी के लिए साख का सवाल

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

यह चुनाव अमित शाह के लिए विशेष महत्व रखता है। उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को दो-तिहाई बहुमत के साथ विजयी बनाने का लक्ष्य रखा है।

बिहार में विधानसभा चुनावों का बिगुल बज चुका है। चुनाव आयोग ने मतदान की तारीखों की घोषणा कर दी है। छह और 11 नवंबर को मतदान होगा। नतीजे 14 नवंबर को आएंगे। यह चुनाव केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के लिए विशेष महत्व रखता है। उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को दो-तिहाई बहुमत के साथ विजयी बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए भाजपा कार्यकर्ताओं को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। शाह का दावा है कि राजग न केवल पूर्ण बहुमत के साथ बिहार में सरकार बनाएगा, बल्कि घुसपैठियों को राज्य की पवित्र धरती से बाहर भी करेगा।

अमित शाह का फोकस इस बार सीमांचल (पूर्वोत्तर बिहार) के नौ जिलों पर है, जहां उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं की एक बड़ी टीम तैनात की है। उनकी रणनीति साफ है- राजद और एमआईएम के गढ़ में कमल खिलाना। 243 सीटों वाली बिहार विधानसभा में राजग के लिए 160 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य रखा गया है। सीमांचल में घुसपैठ को मुख्य मुद्दा बनाया जा रहा है, जहां मुस्लिम आबादी काफी है और घुसपैठ हिंदुओं के लिए समस्या बनी हुई है। हाल के वर्षों में इस क्षेत्र में हिंदू पर्वों और त्योहारों पर पथराव और हिंसा की घटनाएं सामने आई हैं, जिसे अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गंभीरता से लिया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले से अपने भाषण में घुसपैठियों के वोटर लिस्ट में शामिल होने के मुद्दे को उठाया था। शाह और मोदी ने कांग्रेस की मतदाता अधिकार यात्रा के जवाब में घुसपैठियों के मताधिकार को मुद्दा बनाया है। चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद लगभग 45 लाख पुराने मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। भाजपा केवल घुसपैठ के मुद्दे पर निर्भर नहीं है।

अयोध्या में राम मंदिर के बाद बिहार में मां जानकी मंदिर का निर्माण, मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 75 लाख महिलाओं को 10,000 रुपये का वितरण और अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार जैसे मुद्दे भी अभियान का हिस्सा हैं। यह चुनाव भाजपा और विशेष रूप से प्रधानमंत्री मोदी के लिए सामान्य नहीं है। घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय मोर्चों पर चुनौतियों के बीच यह चुनाव राजग के लिए बड़ी परीक्षा है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और वैश्विक दबावों का सामना करने की सरकार की दृढ़ता ने भारत को गर्व का विषय बनाया है। सवाल यह है कि क्या मोदी बिहार के मतदाताओं पर अपना जादू चला पाएंगे?

बिहार में भले ही राजग के बैनर तले चुनाव लड़ा जा रहा हो, लेकिन यह स्पष्ट है कि यह मोदी और शाह का चुनाव है। मोदी ने विश्वास निर्माण का अनूठा प्रयोग किया है। 1985-1990 के बीच गुजरात में भाजपा के लिए काम करते हुए उन्होंने और अमित शाह ने पहली बार अपनी जोड़ी का कमाल दिखाया। तब से शाह हर चुनाव में मोदी की जीत के शिल्पकार बने हैं। बिहार में एक बार फिर अमित शाह की संगठनात्मक क्षमता की परीक्षा है। हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव परिणामों में उनकी रणनीति की सफलता देखी जा चुकी है।

बिहार में भी वह सोशल इंजीनियरिंग पर जोर दे रहे हैं, जिसमें जातिगत समीकरणों को साधना शामिल है। नए चेहरों को पार्टी से जोड़ा जा रहा है और मुद्दों व नारों को अंतिम रूप दे दिया गया है। बिहार चुनाव में ऑपरेशन सिंदूर, पाकिस्तान को आत्मसमर्पण को मजबूर करना और देशव्यापी जाति सर्वेक्षण जैसे मुद्दे जोर-शोर से उठाए जाएंगे।

भाजपा ने 40 पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है, जिसमें धर्मेंद्र प्रधान प्रभारी हैं और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी शामिल हैं। मंदिर और मंडल दोनों मुद्दों को साथ लेकर चलने में शाह की विश्वसनीयता स्थापित है। अमित शाह की संगठनात्मक क्षमता और नरेंद्र मोदी की रणनीतिक समझ बिहार में राजग की जीत की कुंजी है। गुजरात से लेकर उत्तर प्रदेश तक शाह ने संगठन को मजबूत करने का काम किया है। बिहार में क्या वह हरियाणा की सफलता को दोहरा पाएंगे? यह समय बताएगा।

सोशल फोरम

राष्ट्रपति मंडेला और उनका मेहमान जेलर

अनीता संजीव
ब्लॉगर

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति बनने के बाद एक बार नेल्सन मंडेला अपने सुरक्षा कर्मियों के साथ एक रेस्त्रां में खाना खाने गए। सबने अपनी-अपनी पसंद का खाना आर्डर किया और खाना आने का इंतजार करने लगे। उसी समय मंडेला की सीट के ठीक सामने की सीट पर एक व्यक्ति अपने खाने का इंतजार कर रहा था।

मंडेला ने अपने सुरक्षाकर्मी से कहा कि उन्हें भी अपनी टेबल पर बुला लो। ऐसा ही हुआ। उस आदमी को बुलाया गया। वह संकोच के साथ उनकी टेबल पर आकर बैठ गया। सभी खाना खाने लगे, लेकिन खाना खाते वक्त उस आदमी के हाथ कांप रहे थे।

खाना खत्म करने के बाद वह आदमी सिर झुकाकर रेस्त्रां से बाहर निकल गया।

उस आदमी के जाने के बाद मंडेला के सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि वह व्यक्ति शायद बहुत बीमार था। खाते वक्त उसके हाथ लगातार कांप रहे थे और वह खुद भी कांप रहा था।

मंडेला ने कहा, "ऐसा नहीं है। वह उस जेल का जेलर था, जिसमें मुझे 27 साल कैद रखा गया था। जब कभी मुझे यातनाएं दी जाती थीं और मैं कराहते हुए पानी मांगता था तो ये मेरे ऊपर पेशाब किया करता था। मैं अब राष्ट्रपति बन गया हूं। उसने समझा कि मैं भी उसके साथ शायद वैसा ही व्यवहार करूंगा।"

नेल्सन मंडेला ने आगे कहा, "पर मुझे लगता है कि बदले की भावना से काम करना विनाश की ओर ले जाता है। वहीं धैर्य और सहिष्णुता की मानसिकता हमें विकास की ओर ले जाती है।"

–फेसबुक वाल से

सामयिकी

आत्मनिर्भर महिलाएं राष्ट्र को बना सकती हैं उन्नत

देश के तमाम गांवों की असंख्य महिलाएं आज भी रोजगार के लिए संघर्ष कर रही हैं। उनकी मेहनत और जिम्मेदारियां बहुत हैं, लेकिन अवसर कम, जिन्हें अपनी कड़ी मेहनत के बावजूद श्रम का उचित मूल्य नहीं मिल पाता है। इससे वह विकास की दौड़ में पिछड़ जाती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि महिलाओं के विकास का रास्ता रोजगार से होकर ही गुजरता है, जिससे न केवल उन्हें आर्थिक स्वतंत्रता मिलती है बल्कि उनका आत्म-सम्मान, निर्णय लेने की शक्ति और सामाजिक पहचान भी मजबूत होती है।

गांव की महिलाओं को रोजगार से जोड़ना इसलिए बेहद जरूरी है, क्योंकि यहां की महिलाएं अब भी परंपरागत सोच, संसाधनों की कमी और शिक्षा की सीमाओं से बंधी हुई हैं। जब उन्हें काम और कमाई का अवसर मिलेगा, तभी वे अपने बच्चों की पढ़ाई, पोषण और परिवार की खुशहाली में बराबरी का योगदान दे सकेंगी। आंकड़े बताते हैं कि ग्रामीण इलाकों में महिला श्रम-शक्ति की स्थिति मिश्रित है। बात राजस्थान की करें तो 'Periodic Labour Force Survey (PLFS)' के अनुसार, यहां की ग्रामीण महिलाओं का श्रम भागीदारी दर (15 वर्ष और उससे अधिक आयु) राष्ट्रीय औसत से लगभग 10 प्रतिशत अधिक है। इसका मतलब यह है कि महिलाएं किसी न किसी रूप में काम कर रही हैं, परंतु यह काम ज़्यादातर असंगठित क्षेत्र या कृषि मजदूरी तक सीमित है।

पूजा मेहरा
लेखिका

महिलाएं मेहनत तो खूब करती हैं, पर उनका योगदान समाज और परिवार दोनों ही जगहों पर कम करके आंका जाता है। ग्रामीण महिलाएं खेतों में काम करती हैं, पशुपालन करती हैं, घर और बच्चों की देखभाल करती हैं, परंतु इन्हें 'रोज़गार' नहीं माना जाता, क्योंकि इन कामों के लिए नियमित आय या सम्मानजनक वेतन नहीं मिलता। यही वजह है कि वह आर्थिक रूप से किसी पर निर्भर बनी रहती है। यदि इन्हें संगठित ढंग से स्वरोजगार के अवसर, प्रशिक्षण और बाजार तक पहुंच मिले तो यह मेहनत एक उत्पादक और सम्मानजनक रोजगार में बदल सकती है।

रोजगार से जुड़ी यह कमी केवल आर्थिक पक्ष तक सीमित नहीं रहती, बल्कि यह सामाजिक ढांचे को भी प्रभावित करती है। एक महिला जो अपने पैरों पर खड़ी होती है, वह न केवल घर के खर्च उठाने में मदद करती है, बल्कि वह अपने बच्चों की पढ़ाई को प्राथमिकता देती है। एक सर्वे के अनुसार जब किसी परिवार में महिला आय अर्जित करती है, तो उस परिवार में बालिकाओं के स्कूल जाने की संभावना 20 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। यही नहीं, परिवार का पोषण स्तर और स्वास्थ्य पर खर्च भी बढ़ता है। समाज में महिला की भूमिका को अभी भी 'घर तक सीमित' मानने की सोच हावी है। यही कारण है कि शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद कई महिलाएं रोजगार तक नहीं पहुंच पातीं।

महिलाएं जब रोजगार से जुड़ेंगी, तो यह केवल उनकी आय का सवाल नहीं होगा, बल्कि समाज में उनकी आवाज और अस्तित्व को मान्यता देने का सवाल होगा। आर्थिक स्वतंत्रता से वे घरेलू हिंसा, बाल विवाह और पितृसत्ता की अन्य जंजीरों से बाहर निकल सकेंगी। इसके लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए स्थानीय स्तर पर प्रयास करने होंगे। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को ऋण और बाजार से जोड़ना, कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करना और सरकार की योजनाओं में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना आवश्यक है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

कठपुतली
लोक कला का जीवंत रूप

भारत देश में लोक गीत, संगीत, नृत्य, परंपराएं और कलाएं आदि केवल प्रदर्शन या मनोरंजन का साधन नहीं है, वास्तव में ये समाज को सुगठित रूप से संचालित करने का सूत्र है। विभिन्न बोलियों, भाषाओं, अंचलों, संस्कारों वाले विविधता भरे हमारे देश में लोक कलाएं, परंपराएं मानव सभ्यता के विकास की सहयात्री रही हैं। आधुनिक शिक्षा के प्रसार में पारंपरिक लोक परंपराएं, कलाएं लुप्त होती जा रही हैं, उन्हें अपने अस्तित्व और अपने पारंपरिक स्वरूप को बनाए रखने के संकट से जूझना पड़ रहा है। लोक कलाओं की विविध विधाओं से समाज को, विशेषकर नई पीढ़ी को परिचित कराना आवश्यक है।

हम जब छोटे बच्चे थे, हमारे आसपास कोई भी मेला, धार्मिक त्योहार या सामाजिक आयोजन कठपुतली नाच के बिना अधूरा होता था। भारत में पारंपरिक कठपुतली नाटकों की कथावस्तु में पौराणिक साहित्य, लोक कथाएं और किंवदंतियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। कठपुतली राजस्थान की प्राचीन लोक कला है। राजस्थान की यह लोक कला भारत और पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। कठपुतली लोक कला भट आदिवासी जाति के लोगों का पारंपरिक व्यवसाय भी है। कठपुतलियों को तार अथवा धागे के माध्यम से अंगुलियों द्वारा नचाया जाता है।

राजकुमार जैन राजन
लेखक

कठपुतली विश्व के प्राचीनतम रंगमंच पर खेले जाने वाले मनोरंजक कार्यक्रमों में से एक है। कठपुतलियों को विभिन्न प्रकार के पुरुष, पशु, देव, असुर पात्रों के रूप में बनाया जाता है। इनका नाम कठपुतली इस कारण पड़ा, क्योंकि इनको लकड़ी अर्थात काष्ट से बनाया जाता था। कठपुतली के इतिहास के बारे में कहा जाता है कि ईसा पूर्व चौथी शताब्दी में महाकवि पाणिनी की 'अष्टाध्याई' ग्रंथ में हमें 'पुतला नाटक' का उल्लेख मिलता है। इसके जन्म को लेकर कुछ पौराणिक मत इस प्रकार मिलते हैं कि भगवान शिवजी ने काठ की मूर्ति में प्रवेश कर, माता पार्वती का मन बहलाकर इस कला को प्रारंभ किया था। इसी प्रकार उज्जैन नगरी के राजा विक्रमादित्य के सिंहासन में जड़ित 32 पुतलियों का उल्लेख 'सिंहासन बत्तीसी' नामक कथा में भी मिलता है।

भारत सहित एशियाई देशों में कठपुतली नाट्य सदियों से लोकानुरंजन और शिक्षण के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाते आ रहे हैं। भारत से लेकर पूर्वी एशिया के देशों जैसे इंडोनेशिया, म्यांमार, थाईलैंड, श्रीलंका, जावा, सुमात्रा इत्यादि में विस्तार हुआ। आधुनिक युग में यह कला रूस, रोमानिया, चेकोस्लोवाकिया, जर्मनी, जापान, अमेरिका, चीन आदि देशों में विस्तारित हो चुकी है। अब कठपुतली का उपयोग मात्र मनोरंजन न रहकर शिक्षा कार्यक्रमों, विज्ञापनों आदि अनेक क्षेत्रों में किया जा रहा है।

हमारी विविधरंगी लोक संस्कृति, परंपरा, कलाओं की परंपरा में कठपुतली नृत्य का विशेष महत्व है। आज साइबर दुनिया में वैश्वीकरण की आपाधापी में हमारी आने वाली भावी पीढ़ी को हमारी इस स्वर्णिम विरासत से परिचित कराना बेहद आवश्यक हो गया है। हमारी लोकजीवन, संस्कृति, कला, परंपरा आदि का प्रत्येक पक्ष इतना प्रबल व सशक्त है कि संवेदनहीन व्यक्ति भी संवेदना के तीव्र उद्वेग को उत्पन्न कर सकता है। भारतीय कला और कलाकृतियां व्यक्ति की आत्मा को झंझोड़ने की क्षमता रखती है।

उदयपुर शहर में विश्व विख्यात 'भारतीय लोक कला मण्डल' में इसकी स्थापना के साथ ही कठपुतली कला को विश्वव्यापी बनाने के स्तुत्य प्रयास किए हैं। कई कलाकारों को कठपुतली प्रदर्शन का प्रशिक्षण विश्व स्तर पर यहां प्राप्त हुआ है। भारतीय संस्कृति, चिंतनपरंपरा, धर्म, अध्यात्म और दर्शन के मिश्रण ने कठपुतली कला को संप्रेक्षणीय बनाया है। यह सच है कि भारतीय कला परंपराओं का संरक्षण उनके लगातार प्रदर्शन से ही संभव हो सकता है। देश में साक्षरता अभियान, बाल-विवाह, स्वच्छ भारत मिशन अभियान, मतदान के लिए जागरुकता अभियान जैसे आमजन को उनकी अपनी संस्कृति की भाषा में जागरूक करने के लिए कठपुतलियां माहौल को जीवंत कर देती हैं।

कला का क्षेत्र आज बहुत व्यापक हो गया है, इसमें निरंतर नई दृष्टि से कलाओं के नवीन स्वरूप का सृजन हो रहा है। पिछले कुछ वर्षों से राज्य में परंपरागत रीति-रिवाजों पर आधारित कठपुतली के खेलों में काफी परिवर्तन हो गया है। अब यह खेल गांवों, मोहल्लों, सड़कों, गलियों में न होकर थियेटरों, बड़े-बड़े मुक्ताकाशी रंगमंचों व सितारा होटलों में होने लगा है। इसके बावजूद राजकीय संरक्षण व पोषण के अभाव में इस लोक-कला के अस्तित्व पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। अब गांव-मोहल्लों में कहीं कठपुतली का खेल नजर नहीं आता। कठपुतलियां केवल सजावटी वस्तु के रूप में ही खरीदी जा रही हैं। कठपुतली कला के संरक्षण-संवर्धन के लिए व्यापक प्रयत्नों की दरकार है। नए आयाम, नए प्रतिमान, नए मायने और नई तकनीकों की खोजकर कठपुतली कला और कलाकारों को राज्याश्रय मिलना ही चाहिए।

प्रभु श्रीराम के बाल्यकाल की कहानियां सुनाता अयोध्या का दशरथ महल

धार्मिक दृष्टिकोण से विश्व में भारत राम के देश के नाम से जाना जाता है, क्योंकि यहां राम की जन्मस्थली अयोध्या है। यह दुनियाभर के हिंदू धर्मावलंबियों के आस्था का केंद्र है। यहां और भी स्थल हैं, जो भगवान राम से जुड़े हैं और वे उनके बचपन की कहानियां सुनाते हैं। इसी में एक दशरथ महल है, जहां के बारे में कहा जाता है कि बाल्यावस्था में राम यहीं पैजनिया पहनकर ठुमकते हुए चलते थे। रामायण में भी इसका वर्णन है "ठुमक चलत रामचंद्र पहने पैजनिया"।

यशोदा श्रीवास्तव
लेखक

जब चांद के लिए हठ करने लगे प्रभु श्रीराम

वह दशरथ महल ही है, जहां माता कौशल्या की गोद में पैजनिया पहने ठुमक कर चलते सकल ब्रह्मांड के नायक भगवान राम अपने पिता राजा दशरथ से चांद पाने का हठ कर लेते हैं और राजा दशरथ थाली में जल भरकर रामलला को चंद्रमा के प्रतिबिंब को पकड़ लेने को प्रेरित करते हैं। बाल्य अवस्था के राम चंद्रमा को पकड़ने के लिए थाली भरे पानी में छपकोइया खेलते रहते हैं। भगवान राम के बाल्यअवस्था का यह दृश्य हर किसी को मोहित करता है। यह वही दशरथ महल है, जो 500 साल के पराभव काल के दौरान भी मौजूदा रामजन्म भूमि क्षेत्र पर श्रीराम के मंदिर होने के साक्ष्यों की गवाही देता रहा।

सभी धार्मिक ग्रंथों में है दशरथ महल का वर्णन

दशरथ महल के महात्म्य का वर्णन राम से जुड़े सभी ग्रंथों में है। चाहे वाल्मीकि रामायण हो, महान कवि तुलसीदास कृत रामचरित मानस हो या रामानंद सागर कृत रामायण टीवी सीरियल ही क्यों न हो, रामलला के बाल्यकाल के सुलभ हठ, किलकारियां, हंसने-मुसकुराने, रोने-मनाने की लीलाओं का संबंध जिस दशरथ महल के प्रांगण से था इसका उल्लेख सबमें है। यह त्रेतायुग से लेकर आज तक भी यथावत है। भव्य मंदिर में बालस्वरूप रामलला के विराजते ही दशरथ महल का यह प्रांगण भी भाव विह्वल हो उठा।

2021 में हुआ दशरथ महल का जीर्णोद्धार

अयोध्या में चूंकि सभी मंदिर और मसलें जीर्ण-क्षीर्ण थे, दशरथ महल भी खस्ताहाल था। जब भव्य राम मंदिर के निर्माण की बारी आई तभी 2021 में दशरथ महल का भी पुनरोद्धार हुआ। हालांकि वर्ष 2013 में अखिलेश सरकार ने भी इसके जीर्णोद्धार के लिए 2.04 करोड़ का बजट जारी किया था, लेकिन किन्हीं कारणों से दशरथ महल के जीर्णोद्धार का कार्य प्रारंभ नहीं हो सका और वह बजट धरा का धरा गया। शायद उस वक्त की सरकार व उच्च प्रशासन में 'राम काज कीजै बिना मोहे कहां विश्राम' जैसी इच्छा शक्ति का अभाव था।

योगी सरकार ने यहां उपलब्ध कराई तमाम सुविधाएं

योगी सरकार ने दशरथ महल के जीर्णोद्धार व सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण की प्रक्रिया को अमली जामा पहनाते हुए करीब तीन करोड़ रुपये खर्च कर यहां सत्संग भवन, प्रवेश द्वार, रैन बसेरा व दर्शनार्थी सहायता केंद्र के निर्माण- पुनरोद्धार व सुदृढ़ीकरण कर इसकी ऐतिहासिक खूबसूरती को बहाल कर दिया है। यहां निर्मित 650 स्क्वायर मीटर में बने सत्संग भवन में लगभग 300 से 350 सत्संगी एक साथ कीर्तन-भजन कर सकेंगे। दशरथ भवन की तरफ श्रद्धालुओं को भौतिक रूप से आकर्षित करने के लिए जगमगाती लाइटिंग सभी को अपनी ओर आकर्षित करती है। यहां श्रीराम के जीवन को चित्रित करते हुए वाल पेंटिंग, रामचरित मानस के दोहे लिखे हैं। दशरथ महल का भव्य प्रवेश द्वार अपने पुराने वैभव को संरक्षित करते हुए यह आधुनिकता की चासनी से भी लैश है। खंभों और दीवारों पर लंबे समयावधि तक टिकाऊ रहने वाले पेंट-कोटिंग की परत चढ़ाई गई है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो इसके लिए विशेष दर्शनार्थी सहायता केंद्र भी स्थापित है, जो यहां की समृद्ध विरासत, ऐतिहासिक महत्व, सांस्कृतिक योगदान व आध्यात्मिक महत्व के बारे में अवगत कराता है।

व्यवस्था पर चोट और व्यंग्य का ताना बाना: जी लो जिंदगी व राजा मूंछो सिंह

हल्द्वानी के सुशीला तिवारी मेडिकल कॉलेज के प्रेक्षागृह में रंगमंच की एक ऐसी शाम सजी, जिसने दर्शकों को हंसी और विचार दोनों से भर दिया। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली, शैलनट और आनंदा अकादमी हल्द्वानी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक माह की अभिनय एवं नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला की परिणति स्वरूप दो नाटकों का भव्य मंचन हुआ।

कार्यशाला में प्रशिक्षित कलाकारों में अधिकांश पहली बार मंच पर उतरे थे, किंतु एनएसडी के रंगकर्मी चंदन बिष्ट, चित्रा बिष्ट और शैलनट के संस्थापक श्रीश डोभाल के मार्गदर्शन ने उन्हें ऐसा आत्मविश्वास और परिष्कार दिया कि दर्शक उनकी नवीनता भूल बैठे। अभिनय की सहजता और संवादों की पैनी पकड़ इस बात का प्रमाण थी कि एक माह का यह अभ्यास किसी गहन साधना से कम नहीं रहा। पहला नाटक जी लो जिंदगी, रूस के प्रसिद्ध नाटककार निकोलाई एडमैन की द सुसाइड से प्रेरित था। यह नाटक एक बेरोजगार युवक गुमान सिंह (अथर्व नेगी) की कथा है, जो सास (योगिता भंडारी) और समाज के तानों से जूझते हुए जीवन से हार मान लेता है। विभिन्न संगठनों और संस्थाओं के स्वार्थपूर्ण शोषण से निराश गुमान आत्महत्या जैसा कदम उठाने को बाध्य होता है, किंतु जीवनसंगिनी गीता (संस्कृति लोहनी) का सहयोग और आत्मचिंतन उसे नए उद्देश्य की ओर ले जाता है। गुमान सिंह के रूप में अथर्व नेगी ने अपनी गहन संवेदना से दर्शकों को बांधे रखा, वहीं संस्कृति लोहनी और योगिता भंडारी ने अपने पात्रों को प्राणवान बना दिया। गौरव जोशी ने ठेकेदार के रूप में नाटक में तीखापन और धार जोड़ी। यह नाटक न केवल बेरोजगारी की पीड़ा, बल्कि व्यवस्था की खोखली परतों और स्वार्थी संगठनों पर करारा व्यंग्य था।

हरीश ओप्रेती करन
लेखक

दूसरा नाटक राजा मूंछो सिंह एक हल्का-फुल्का व्यंग्य था, जो गंभीर संदेश भी छोड़ गया। राजा (ज्योति जीना) अपनी मूंछों को ही अपनी सत्ता और शान मान बैठता है। नतीजा-राजाज्ञा से सब कुछ मूंछों वाला होना चाहिए, पलंग से लेकर बच्चों के खिलौनों तक। दरबार में मंत्री, कवि, प्रजा सब मूंछों की प्रशंसा में गीत गाते और लाभ उठाते हैं। यहां तक कि चोर-उचक्के भी मूंछों पर कविता सुनाकर सजा मुक्त हो जाते हैं। इस रंग-व्यंग्य के बीच जब एक पड़ोसी राज्य का जासूस नाई बनकर मूंछें काट देता है, तब राजा को अपने कर्तव्य का बोध होता है कि राजधर्म शान-शौकत में नहीं, प्रजाहित में है। रानी (गुंजन अधिकारी) और नटी (मयाली पांडे) व दुश्मन देश के सैनिक के रूप में वैभव बेलवाल ने अपने सहज और चुलबुले अभिनय से नाटक को जीवंत बनाया। दोनों प्रस्तुतियां दर्शाती हैं कि मंच केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि समाज का आईना और प्रश्न करने का माध्यम भी है। जी लो जिंदगी जहां व्यवस्था और बेरोजगारी की चुभन को उघाड़ता है, वहीं राजा मूंछो सिंह व्यंग्य और हंसी के जरिए सत्ता के असली कर्तव्यों की याद दिलाता है। हल्द्वानी की इस रंग-संध्या ने सिद्ध कर दिया कि थोड़े समय की सघन साधना भी यदि सही मार्गदर्शन और समर्पण से हो तो वह मंच पर अद्भुत प्रभाव छोड़ सकती है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	81,926.75	25,108.30
बढ़त	136.63	30.65
प्रतिशत में	0.17	0.12

सोना 1,24,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,54,000 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, बुधवार, 8 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

कोयला निर्यात 23% बढ़कर 19.08 लाख टन

नई दिल्ली। देश का कोयला निर्यात वित्त वर्ष 2024-25 में 23.4% बढ़कर 19.08 लाख टन रहा। सरकार जीवाश्म ईंधन (कोयला, पेट्रोल) की बढ़ती वैश्विक मांग का लाभ उठाने के लिए कोयला निर्यात को बढ़ावा दे रही है। इस लिहाज से यह आंकड़ा महत्वपूर्ण है। वित्त वर्ष 2024-25 के आंकड़े अस्थायी हैं। देश का कोयला निर्यात 2023-24 में 15.46 लाख टन था। मूल्य के संदर्भ में 2023-24 में कोयला निर्यात 1,828.2 करोड़ और 2024-25 में 1,643.4 करोड़ रुपये का था। नेपाल, बांग्लादेश और भूटान जैसे देशों को भारत कोयला निर्यात करता है। पहले कहा गया था कि भारत में नेपाल सहित अपने पड़ोसी देशों को 1.5 करोड़ टन कोयला निर्यात करने की क्षमता है। देश में बांग्लादेश को 80 लाख टन, म्यांमा को 30 लाख टन, नेपाल को 20 लाख टन और अन्य देशों को 20 लाख टन कोयला निर्यात करने की क्षमता है।

फैबटेक के शेयर ने बाजार में की सपाट शुरुआत

नई दिल्ली। फैबटेक टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के शेयर ने मंगलवार को बाजार में सपाट शुरुआत की। बीएसई पर शेयर 191 रुपये के निर्गम मूल्य के बराबर सूचीबद्ध हुआ। बाद में यह 2.68 प्रतिशत की गिरावट के साथ 186 रुपये पर आ गया। एनएसई पर इसने 192 रुपये पर शुरुआत की जो निर्गम मूल्य से 0.52 प्रतिशत अधिक है। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 826.78 करोड़ रुपये रहा। फैबटेक के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को गत बुधवार को बोली के अंतिम दिन 2.03 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 230 करोड़ रुपये के आईपीओ का मूल्य दायरा 181-191 रुपये प्रति शेयर था।

नवरात्रि में वाहनों की खुदरा बिक्री 35% बढ़ी

नई दिल्ली। यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री इस साल नौ दिन की नवरात्र अवधि में सालाना आधार पर 35% बढ़ी, जिससे पिछले महीने कुल पंजीकरण में 6% की वृद्धि दर्ज की गई। वाहन डीलर के संगठन फाडा ने मंगलवार को यह जानकारी दी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार, सितंबर के पहले 21 दिन में बिक्री धीमी रही और 22 सितंबर को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की नई दरें लागू होने के बाद इसमें तेजी आई। नवरात्रि में यात्री वाहन की खुदरा बिक्री 2,17,744 इकाई रही।

भारत-अमेरिका समझौते पर वार्ता जारी

केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा- नवंबर में दोनों देशों के बीच व्यापारिक वार्ता पूरी होने की संभावना

दोहा, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारत और अमेरिका प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर लगातार बातचीत कर रहे हैं। नवंबर में वार्ता पूरी करने की संभावनाएं हैं।

गोयल ने अगले दौर की व्यापार वार्ता प्रत्यक्ष रूप से होने की संभावना पर कहा कि हर संभावना मौजूद है, लेकिन अमेरिका में इस समय 'शटडाउन' यानी विभागों के लिए वित्त पोषण पर सहमति नहीं होने से कामकाज ठप होने से यह देखना बाकी है कि अगले दौर की वार्ता कैसे, कहां और कब हो सकती है। उन्होंने कहा कि आप सब जानते हैं कि अमेरिका में आजकल सरकार 'शटडाउन मोड' में है, तो उसके मददेनजर देखना पड़ेगा कि कैसे बातचीत हो सकती है, कहां हो सकती है, और कब हो सकती है। अमेरिका में एक अक्टूबर की आधी रात से कुछ विभागों में कामकाज ठप है। इसका कारण कांग्रेस (अमेरिकी संसद) वित्त पोषण विधेयक पारित करने में विफल रही है। सैद्धांतिक रूप से, इसका मतलब है कि कई सरकारी कर्मचारियों को अभी वेतन नहीं मिलेगा और सेवा केंद्र बंद हैं। हालांकि, रक्षा और सामाजिक क्षेत्र के कार्य जारी रहेंगे।

कतर में बैठक के दौरान कतर विकास बैंक के सीईओ अब्दुलरहमान हेशाम अल-सौवेदी से बातचीत करते केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल।

गोयल एक दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर यहां आए हैं। उन्होंने कहा कि हम (व्यापार समझौते पर) अमेरिका के साथ लगातार बातचीत कर रहे हैं और विभिन्न स्तरों पर बातचीत चल रही है। हम जल्द ही इस बारे में और जानकारी देंगे कि हम इसे कैसे आगे बढ़ाने की सोच रहे हैं। दोनों पक्ष वार्ता समाप्त करने के लिए नवंबर की समय-सीमा पर उन्होंने कहा कि इसकी पूरी संभावना है। गत माह गोयल ने व्यापार वार्ता के लिए न्यूयॉर्क में प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था। इसके बाद भारत अमेरिका ने द्विपक्षीय समझौते पर शीघ्र निष्कर्ष के लिए वार्ता जारी रखने का निर्णय लिया।

वाणिज्य सचिव करेंगे ब्रसेल्स की यात्रा

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते पर जारी वार्ता को गति देने के लिए यूरोपीय आयोग के महानिदेशक (व्यापार) सबाइन वेयंड से मिलने के लिए इस सप्ताह ब्रसेल्स जाएंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ब्रसेल्स में यूरोपीय संघ और भारत के बीच काफी अच्छी चर्चा जारी है। भारत एक-दूसरे की संवेदनशीलता को समझते हुए मिलकर काम करने की उम्मीद करता है ताकि दोनों पक्ष एक न्यायसंगत, निष्पक्ष एवं संतुलित मुक्त व्यापार समझौता कर सकें। मंत्री दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। वह भारत और कतर के बीच व्यापार एवं निवेश संबंधों को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं।

भारतीय कंपनियों से साझेदारी पर कतर में काफी उत्साह

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि कतर में भारतीय व्यवसायों के साथ साझेदारी को लेकर काफी उत्साह है। यह उत्सुकता न केवल दोनों देशों में निवेश के लिए है, बल्कि तीसरे देशों की परियोजनाओं में सहयोग के लिए भी है। उन्होंने कहा कि कतर स्थित अल बालाघ, लार्सन एंड टुब्रो का भागीदार है। उन्होंने कतर में परियोजनाएं पूरी की हैं, और अब उनकी तीसरे देशों में भी इसी तरह की परियोजनाएं शुरू करने की योजना है। अल बालाघ के चेयरपर्सन शेरिदा साद जुबरान अल काबी से मुलाकात के बाद उन्होंने यह बात कही। गोयल कतर विकास बैंक के सीईओ अब्दुलरहमान हेशाम अल सोवैदी से भी मुलाकात की। गोयल ने कहा कि कतर सरकार तीसरे देशों की परियोजनाओं पर भी विचार कर रही है और मुझे बताया गया कि कतर विकास बैंक वित्तपोषण की गारंटी देने को तैयार है। भारतीय कंपनियों को कतर के व्यापारियों से साझेदारी के लिए ऐसी गारंटी वाले वित्तपोषण पर विचार करना चाहिए। ये साझेदारियां महत्वपूर्ण हैं क्योंकि भारत कतर मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत को अंतिम रूप देंगे।

भारत को पड़ोसी देशों से व्यापारिक संबंध बनाने चाहिए : नीति आयोग

नई दिल्ली, एजेंसी

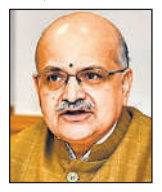

- सुब्रह्मण्यम बोले- चीन 18,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था, इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता
- जीएसटी 2.0 के बाद दिवाली से पहले सुधारों की एक और कड़ी की घोषणा किए जाने के दिए संकेत

नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने कहा कि भारत को चीन सहित अपने पड़ोसियों के साथ मजबूत व्यापारिक संबंध बनाने चाहिए। उन्होंने कहा कि चीन 18,000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था है और उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

सुब्रह्मण्यम ने यह भी संकेत दिया कि जीएसटी 2.0 के बाद दिवाली से पहले सुधारों की एक और कड़ी की घोषणा हो सकती है। उन्होंने कहा कि नीति आयोग के सदस्य राजीव गौबा के नेतृत्व वाली समिति ने इन सुधारों पर अपनी रिपोर्ट पहले ही जमा कर दी है। उन्होंने कहा कि पूरा यूरोपीय संघ अपने भीतर 50 प्रतिशत व्यापार करता है, जबकि बांग्लादेश भारत का छठा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और नेपाल शीर्ष 10 में हुआ करता था। उन्होंने पड़ोसी देशों के साथ व्यापार बढ़ाने की जरूरत बतायी।

नीति आयोग के सीईओ ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम एक बहुत ही कठिन भौगोलिक क्षेत्र में हैं। अमेरिका के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार कौन हैं? मेक्सिको और कनाडा। यह स्वाभाविक है। अगर आपके पड़ोसी देशों के साथ मजबूत व्यापारिक व्यवस्थाएं नहीं हैं, तो आप वास्तव में नुकसान में हैं... अगर आप प्रतिस्पर्धी हैं, तो वे आपका सामान खरीदेंगे। चीन से निवेश पर प्रतिबंध हटाने पर उन्होंने सीधा जवाब नहीं दिया, लेकिन कहा कि चीन, भारत के लिए एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता है।

आपको प्रतिस्पर्धा और बेचने में सक्षम होना चाहिए

नीति आयोग के सीईओ ने यहां 'ट्रेड वॉच क्वार्टरली' का शुभारंभ करने के बाद कहा कि एशिया पर पूरा ध्यान केंद्रित करें। इससे कोई बच नहीं सकता। अगर आप चीन को ज्यादा कुछ नहीं बेच पा रहे हैं, तो क्या फायदा, क्योंकि यह 18,000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था है - आप उस अर्थव्यवस्था से बच नहीं सकते। आपको प्रतिस्पर्धा करने और बेचने में सक्षम होना चाहिए। अच्छे देशों का चीन के साथ व्यापार अधिशेष है। नीति आयोग के सीईओ ने कहा कि जब दुनिया भर में कारखाने और नौकरियां स्थानांतरित हो रही थीं, तब भारत की जगह वियतनाम ने इस मौके का फायदा उठा लिया।

घरों की बिक्री में मामूली बढ़ोत्तरी, उच्चतम स्तर पर पहुंची आवास मांग : नाइट फ्रैंक

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के आठ प्रमुख आवास बाजारों में जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान घरों की बिक्री में एक प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई। नाइट फ्रैंक इंडिया ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। साथ ही रियल एस्टेट परामर्शदाता फर्म ने कहा कि भले ही किसी प्रकार की सुस्ती के संकेत नहीं हैं, लेकिन आवासीय संपत्तियों की मांग अपने उच्चतम स्तर पर पहुंचती हुई नजर आ रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक, जुलाई-सितंबर तिमाही में देश के आठ प्रमुख आवासीय बाजारों में 87,603 आवास इकाइयों की बिक्री हुई, जो गत वर्ष की तुलना में एक प्रतिशत अधिक है। आवासीय ऋण की ब्याज दरों में गिरावट, मजबूत आर्थिक वृद्धि और बजट में दिए कर प्रोत्साहनों से बिक्री की रफ्तार बनी रही। 22 सितंबर से जीएसटी दरों में हुई कटौती

से उपभोक्ता धारणा में आए सुधार का असर देखने को मिलेगा। नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने कहा कि भारत का आवासीय बाजार पांचवें वर्ष वृद्धि के चक्र में है। हालांकि सालाना आधार पर वृद्धि दर सामान्य है और बाजार लंबे स्थिर चरण में प्रवेश कर सकता है। नीतिगत ब्याज दर में एक प्रतिशत की कटौती व आयकर एवं जीएसटी दोनों में किए सरलीकरण से उपभोक्ता धारणा को मजबूती मिली है।

सरकार फिर बढ़ा सकती है पीएम-कुसुम की समय-सीमा

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार पीएम-कुसुम योजना की समयसीमा फिर बढ़ा सकती है क्योंकि इस पहल के दो प्रमुख घटक अपने लक्ष्य का 50 प्रतिशत भी हासिल नहीं कर पाए हैं। आधिकारिक सूत्र ने यह जानकारी दी।

प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम-कुसुम) 2019 में शुरू हुई थी। इसका लक्ष्य 2022 तक 30,800 मेगावाट की सौर क्षमता जोड़ना था। इसमें कार्यान्वयन एजेंसियों के लिए सेवा शुल्क सहित 34,422 करोड़ रुपये की केंद्रीय वित्तीय सहायता शामिल थी। केंद्र ने बाद में पीएम-कुसुम योजना को मार्च 2026 तक बढ़ा दिया क्योंकि वैश्विक महामारी से इसका कार्यान्वयन प्रभावित हुआ था। लक्ष्य को भी संशोधित कर 34,800 मेगावाट कर दिया था। सूत्र ने बताया कि तय लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए पीएम

- योजना के दोनों प्रमुख घटक लक्ष्य का 50 प्रतिशत भी नहीं कर सके हासिल

कुसुम के कार्यान्वयन की समय-सीमा को और बढ़ाने के आसार हैं। यह योजना का दूसरा विस्तार होगा। आंकड़ों के अनुसार, इस योजना के किसी भी घटक ने 100% लक्ष्य हासिल नहीं किया है। यद्यपि योजना का घटक 'ख' (मार्च 2026 को समाप्त) नौ सितंबर तक लक्ष्य का 71% पूरा कर पाया है। घटक 'क' ने 6.5% की वृद्धि दर्ज की है। घटक 'ग'- व्यक्तिगत पंप का सौरीकरण (आईपीएस) एवं घटक 'ग' - फीडर स्तरीय सौरीकरण (एफएलएस) ने क्रमशः 16.5 प्रतिशत और 25.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के अनुसार, घटक 'क' छोटे सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना करके 10,000 मेगावाट सौर क्षमता की स्थापना से जुड़ा है। घटक 'ख' 14 लाख ऑफ-ग्रिड एकल सौर ऊर्जा चालित कृषि पंपों की स्थापना और घटक 'ग' 35 लाख ग्रिड से जुड़े कृषि पंपों के सौरीकरण से संबद्ध है। घटक 'क' के तहत 650.49 मेगावाट क्षमता स्थापित की गई है। दूसरी ओर घटक 'ख' के तहत 12.72 लाख से अधिक ऑफ-ग्रिड सौर पंप स्वीकृत किए गए हैं जिनमें से 9.03 लाख स्थापित किए जा चुके हैं।

राष्ट्रीय

सभी राज्य पैदल यात्रियों के लिए बनाएं नियम

उच्चतम न्यायालय ने छह महीने में सड़क सुरक्षा नियम बनाने का दिया निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सार्वजनिक स्थानों पर गैर-मोटर चालित वाहनों और पैदल यात्रियों की आवाजाही को विनियमित करके छह महीने के भीतर सड़क सुरक्षा नियम बनाने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और केवी विश्वनाथन की पीठ ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 138 (1ए) और 210डी के तहत ऐसे नियम बनाने का निर्देश दिया।

पीठ ने कहा कि हम निर्देश देते हैं कि वे सार्वजनिक स्थानों और राष्ट्रीय राजमार्गों पर गैर-यांत्रिक वाहनों और पैदल यात्रियों की गतिविधियों और पहुंच को विनियमित करने के उद्देश्य से मोटर वाहन अधिनियम की धारा

138 (1ए) के तहत छह महीने के भीतर नियम बनाएं, यदि पहले से नहीं बनाए गए हैं। पीठ ने कहा कि हम निर्देश देते हैं कि वे राष्ट्रीय राजमार्गों के अलावा अन्य सड़कों के लिए मानकों के डिजाइन, निर्माण और रखरखाव के लिए अधिनियम की धारा 210डी के तहत छह महीने के भीतर नियम बनाएं और अधिसूचित करें, यदि पहले से नहीं बनाए गए हैं। यह निर्देश कोयंबटूर निवासी सर्जन एस राजसीकरन की याचिका पर आया, जिन्होंने भारत में बड़ी संख्या में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रकाश डाला था। याचिका में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को सड़क दुर्घटनाएं रोकने के लिए समन्वित प्रयास करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया।

आरजी कर मामले की सुनवाई नवंबर तक टाली

उच्चतम न्यायालय ने कोलकाता के सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में प्रशिक्षु डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या से संबंधित स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई नवंबर तक के लिए टाल दी। कोलकाता की निचली अदालत ने इस मामले में 20 जनवरी को दोषी संजय रॉय को मृत्यु तक आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने इस मामले की सुनवाई स्थगित कर दी, क्योंकि वह अन्य मामलों की सुनवाई में व्यस्त थी। कनिष्ठ और वरिष्ठ चिकित्सकों के संगठन के अधिवक्ता करुणा नंदी ने दलील दी कि प्रदर्शन में शामिल चिकित्सकों को पुलिस पूछताछ के लिए बुला रही है।

करूर भगदड़ की सीबीआई जांच पर 10 को सुनवाई

उच्चतम न्यायालय ने मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर 10 अक्टूबर को सुनवाई करेगा, जिसमें 27 सितंबर को करूर में अभिनेता और टीवीके संस्थापक विजय की रैली में हुई भगदड़ की सीबीआई जांच से इन्कार कर दिया था। रैली में भगदड़ से 41 लोगों की मौत और 60 लोग घायल हो गए थे। सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने भाजपा नेता उमा आनंदन की अपील पर संज्ञान लिया। वकील ने पीठ को बताया, सीबीआई जांच वाली याचिका खारिज कर दी गई है जबकि एकल न्यायाधीश ने कहा है कि वह भगदड़ की जांच से संतुष्ट नहीं हैं।

न्यायिक अधिकारियों का मुद्दा संविधान पीठ भेजा

उच्चतम न्यायालय ने अधीनस्थ अदालतों के न्यायिक अधिकारियों के करियर में ठहराव से जुड़े मुद्दों को पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ को सौंप दिया। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने न्यायिक अधिकारियों की सेवा शर्तों, वेतनमान और करियर प्रगति से संबंधित मुद्दों पर अखिल भारतीय न्यायाधीश संघ द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए आदेश पारित किया। सीजेआई ने कहा कि न्यायपालिका में प्रवेश स्तर के पदों पर शामिल होने वालों के लिए उपलब्ध सीमित पदोन्नति पर ध्यान देने के लिए व्यापक समाधान की जरूरत है। इस मुद्दे पर उच्चतम न्यायालय द्वारा पहले जारी नोटिसों के जवाब में कई उच्च न्यायालयों और राज्य सरकारों ने अलग-अलग विचार व्यक्त किए थे।

देश ने घरेलू स्रोतों से 1,20,000 करोड़ के सैन्य उपकरण खरीदे : राजनाथ

- बोले- राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आत्मनिर्भरता को मजबूत करने पर ध्यान दे रही सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

विज्ञान भवन में राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन में शामिल रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि देश ने 2024-25 के अंत तक घरेलू स्रोतों से 1,20,000 करोड़ रुपये के सैन्य उपकरण व हथियार खरीदे हैं। उन्होंने बताया कि भारत राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए आत्मनिर्भरता को मजबूत करने पर लगातार ध्यान केंद्रित कर रहा है।

सिंह ने कहा कि सरकार युद्ध के बदलते स्वरूप खासतौर पर ड्रोन जैसे 'नॉन-कॉन्टैक्ट वॉरफेयर' (दूरस्थ युद्ध तकनीक) के महत्व को समझती है और उसके अनुसार तैयारी कर रही है। इस संदर्भ में उन्होंने विभिन्न सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए भारत के अपने रक्षा उद्योगों को बढ़ाने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि 2021-22 में घरेलू स्रोतों से हमारी पूंजीगत खरीद 74,000 करोड़ रुपये की थी, लेकिन 2024-25 के अंत तक यह बढ़कर 1,20,000 करोड़ रुपये हो गई है। यह बदलाव केवल आंकड़ों का नहीं, बल्कि मानसिकता के परिवर्तन का भी प्रतीक है। रक्षा मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार ने 10 वर्षों में रक्षा उपकरणों के स्वदेशी डिजाइन, विकास और निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए कई नीतिगत पहल की हैं। अब सैन्य हार्डवेयर की खरीद में घरेलू स्रोतों को प्राथमिकता दी जा रही है। सरकार आधुनिक युद्ध की बदलती प्रकृति से भली-भांति परिचित है। आज का युद्ध पूरी तरह प्रौद्योगिकी-आधारित हो चुका है।

बंगाल के मुर्शिदाबाद में एक करोड़ मूल्य के सोने के बिस्किट जब्त

कोलकाता। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने प. बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बांग्लादेश सीमा के पास से 1.09 करोड़ मूल्य के सोने के बिस्किट जब्त किए हैं। बल ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए, भारत-बांग्लादेश सीमा पर मुर्शिदाबाद जिले में चारभद्र अग्रिम सीमा चौकी पर तैनात बीएसएफ की 146 बटालियन ने सोमवार रात सीमा के पास खेत में छिपाकर रखे आठ सोने के बिस्किट जब्त किए। सोने का वजन 832.550 ग्राम है और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 1.09 करोड़ रुपये है। तलाशी के दौरान बीएसएफ को घास की ढेरी असामान्य रूप से रखी दिखाई दी और क्षेत्र को खोदा गया तो लाल कपड़े में लिपटे सोने के आठ बिस्किट मिले।

24,634 करोड़ के चार रेल परियोजनाओं को दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में मंगलवार को आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 24,634 करोड़ की चार मल्टी-ट्रैकिंग रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दी। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात और छत्तीसगढ़ के 18 जिलों से गुजरने वाली इन परियोजनाओं से भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में 894 किमी की वृद्धि होगी।

इन परियोजनाओं में महाराष्ट्र के वर्धा से भुसावल के बीच 314 किमी की दूरी को कवर करने वाली तीसरी और चौथी लाइन हैं, महाराष्ट्र के गोंदिया और छत्तीसगढ़ में डोंगरगढ़ के बीच 84 किमी लंबी चौथी लाइन, गुजरात के वडोदरा और मध्य प्रदेश में रतलाम के बीच 259 किमी लंबी तीसरी और चौथी लाइन, और मध्य

- प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली समिति ने दी मंजूरी, मौजूदा नेटवर्क में 894 किमी की वृद्धि होगी

प्रदेश में इटारसी-भोपाल-बीना के बीच 84 किमी लंबी चौथी लाइन शामिल हैं। स्वीकृत मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना से 3,633 गांवों, जिनकी जनसंख्या 85.84 लाख है, तथा दो आकांक्षी जिलों (विदिशा और राजनांदगांव) तक रेल संपर्क में वृद्धि होगी।

टीएमसी कार्यकर्ताओं ने भाजपा विधायक उरांव पर किया हमला

अलीपुरद्वार। भाजपा विधायक मनोज उरांव पर मंगलवार को अलीपुरद्वार में बाढ़ राहत सामग्री बांटते टीएमसी कार्यकर्ताओं ने हमला किया। इससे एक दिन पहले ही जलपाईगुड़ी में भाजपा के दो वरिष्ठ नेताओं पर भीड़ ने हमला किया था।

इस घटना में घायल हुए उरांव ने दावा किया कि टीएमसी कार्यकर्ताओं के समूह ने उन पर और उनके समर्थकों पर उस समय हमला किया, जब वे अपने निर्वाचन क्षेत्र कुमारग्राम में बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों के बीच राहत सामग्री बांट रहे थे। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। उरांव ने कहा कि बाढ़ प्रभावितों की मदद करते समय, मुझे अचानक घेर लिया गया और हमला किया गया। टीएमसी ने आरोपों से इन्कार किया और उन्हें निराधार बताया।

दो और बच्चों की गई जान, मृतकों की संख्या हुई 16

कफ सिरप से मौत

- किडनी में संक्रमण से पीड़ित दोनों बच्चों का नागपुर में चल रहा था इलाज

छिंदवाड़ा, एजेंसी

मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा में 'दूषित' कफ सिरप पीने से गुर्दे (किडनी) में संक्रमण से पीड़ित दो और बच्चों की नागपुर में इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके साथ ही जिले में अब तक कुल 16 बच्चों की मौत हो चुकी है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों के अनुसार छिंदवाड़ा के इन बच्चों की मौत किडनी के फेल होने से हुई है, जो विषाक्त कोल्ड्रिफ कफ सिरप के सेवन से जुड़ी है। छिंदवाड़ा के अपर जिलाधिकारी धीरेंद्र सिंह ने कहा कि अभी तक हमारे छिंदवाड़ा जिले में 16 बच्चों की मौत हो चुकी है। दो वर्षीय मृतक बच्ची जयुषा यदुवंशी जिले के जुन्नारदेव की थी और एक हफ्ते से नागपुर के शासकीय चिकित्सालय में भर्ती थी। एडीएम ने बताया कि छिंदवाड़ा के छह बच्चों का नागपुर के कई अस्पतालों में इलाज जारी है और इनमें से पांच की हालत गंभीर है। सोमवार को तामिया ब्लॉक के भरियाढना गांव की ढाई साल की धानी डहेरिया की नागपुर मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। परिजनों ने बताया कि चिकित्सक द्वारा दिए कोल्ड्रिफ सिरप के सेवन के बाद बच्ची की तबीयत बिगड़ गई थी और उसकी किडनी फेल हो गई। डहेरिया का इलाज पहले परासिया में डॉक्टर प्रवीण सोनी के पास कराया गया था लेकिन हालत बिगड़ने पर उसे नागपुर में भर्ती कराया गया।

मध्यप्रदेश सरकार पीड़ित बच्चों के इलाज का खर्च करेगी वहन

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार छिंदवाड़ा और बैतूल में कफ सिरप पीने से गुर्दे (किडनी) में संक्रमण से पीड़ित बच्चों के इलाज का पूरा खर्च वहन करेगी। एक अधिकारी ने बताया कि कोल्ड्रिफ कफ सिरप से हुए किडनी संक्रमण के लिए महाराष्ट्र के नागपुर के कई अस्पतालों में नौ बच्चों का इलाज चल रहा है, जिनमें से सात छिंदवाड़ा और दो बैतूल के हैं। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मंगलवार को निर्देश दिया कि प्रशासन बच्चों के इलाज का खर्च वहन करे। नागपुर के अस्पतालों में कार्यपालक दंडाधिकारी और चिकित्सकों की संयुक्त टीम तैनात है। बच्चों के इलाज की उचित व्यवस्था को टीम प्रभावितों और अस्पतालों के साथ संपर्क में है।

पंजाब ने कोल्ड्रिफ कफ सिरप की बिक्री पर लगाया प्रतिबंध

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने मध्य प्रदेश में मिलावटी दवा के सेवन से हुई बच्चों की मौत के मद्देनजर कोल्ड्रिफ कफ सिरप की बिक्री, वितरण और उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। पंजाब सरकार के खाद्य एवं औषध प्रशासन (एफडीए) द्वारा जारी आदेश में कहा गया कि कार्यालय के संज्ञान में आया कि सरकारी विश्लेषक, औषध परीक्षण प्रयोगशाला और एफडीए, मध्य प्रदेश द्वारा कोल्ड्रिफ सिरप को मानक गुणवत्ता का नहीं घोषित किया गया है। दवा का बैच नंबर एसआर-13 है, जिसका निर्माण श्रीसन फार्मास्युटिकल, बैंगलोर हाईवे, सुंगुवरचत्रम (मथुरा), कांचीपुरम जिला, तमिलनाडु द्वारा किया गया है।

वर्ल्ड ब्रीफ

अमेरिका: भारतीय छात्र की गोली मारकर हत्या

ह्यूस्टन। टेक्सास के 23 वर्षीय युवक को फोर्ट वर्थ गैस स्टेशन पर शुक्रवार रात को एक भारतीय छात्र की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया। इस घटना से स्थानीय भारतीय-अमेरिकी समुदाय दहशत में है। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध ने चंद्रशेखर पोल (28) को तब गोली मार दी जब वह अपनी पार्ट-टाइम ड्यूटी कर रहा था। इसके बाद संदिग्ध घटनास्थल से फरार हो गया लेकिन अधिकारियों ने उसे पकड़ लिया। संदिग्ध की पहचान नॉर्थ रिचलैंड हिल्स के रिचर्ड फ्लोरेज के रूप में हुई है। गोलीबारी के बाद फ्लोरेज ने लगभग एक मील दूर एक अन्य वाहन पर भी गोली चलाई, हालांकि इसमें किसी को चोट नहीं आई।

सूडान : आरएसएफ के हमले में 13 लोग मारे गए

खार्तूम। पश्चिमी सूडान में उत्तरी दारफुर की राजधानी एल फशर में सोमवार को अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) द्वारा आवासीय इलाकों को निशाना बनाकर की गई गोलाबारी में कम से कम 13 नागरिक मारे गए और 19 घायल हो गए। सूडान डॉक्टर्स नेटवर्क ने एक बयान में कहा कि हताहतों में सात बच्चे और एक गर्भवती महिला शामिल हैं और प्रभावित इलाकों में और भी शव और घायल लोग फंसे हुए हैं, जिनकी सही संख्या अज्ञात है। इसने हमले को एक पूर्ण युद्ध अपराध बताया। एल फशर के सऊदी अस्पताल के एक सूत्र ने बताया कि चिकित्सा कर्मचारियों की भारी कमी के बीच अस्पताल में 12 शव और 20 घायल व्यक्ति आए।

सिख श्रद्धालुओं के लिए पुख्ता सुरक्षा का दावा

लाहौर। पाकिस्तान ने अगले महीने गुरु नानक देव का 556वां प्रकाश पर्व मनाने के लिए आने वाले सिख तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के वास्ते पुख्ता इंतजाम किए हैं। पाकिस्तान के पंजाब सूबे की सरकार के गृहविभाग में मंगलवार को पर्व की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक बैठक हुई। ईटीपीबी के प्रवक्ता गुलाम मोहिउद्दीन ने बताया, बैठक में बताया गया कि यात्रियों के लिए पूर्ण सुरक्षा, चिकित्सा सुविधाएं, परिवहन और गुणवत्तापूर्ण आवास सुनिश्चित किए जाएंगे।

वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए पेश होंगे इमरान

लाहौर। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान मंगलवार को पंजाब सरकार से मंज़ूरी मिलने के बाद 9 मई 2023 के दंगों से जुड़े मामलों में वीडियो कॉन्फ्रेंस के ज़रिए अदालत में पेश होंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, मरियम नवाज सरकार ने इमरान खान को 9 मई 2023 की हिंसा से जुड़े 11 मामलों में वीडियो लिंक के ज़रिए आतंकवाद निरोधक अदालत में पेश होने की अनुमति दे दी। खान के ख़िलाफ़ दर्ज ज्यादातर मामलों में उन्हें नौ मई के दंगों का प्रमुख साजिशकर्ता बताया गया है।

नेपाल: पूर्व पीएम ओली और गृहमंत्री लेखक पर प्राथमिकी

काठमांडू, एजेंसी

● प्रदर्शनों के दौरान हुई मौतों पर जवाबदेही तय करने की मांग

नेपाल में युवाओं के नेतृत्व वाले जेन जी समूह ने अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और तत्कालीन गृहमंत्री रमेश लेखक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराते हुए पिछले महीने सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान हुई मौतों के लिए उनकी आपराधिक जवाबदेही तय करने की मांग की है।

काठमांडू जिला पुलिस सर्कल के प्रवक्ता व पुलिस अधीक्षक पवन भट्टराई ने पुष्टि की कि ओली और लेखक के खिलाफ काठमांडू जिला पुलिस कार्यालय भद्रकाली में प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच के लिए एक जांच आयोग पहले ही गठित किया जा चुका है, इसलिए पुलिस ने यह प्राथमिकी न्यायाधीश गौरी बहादुर कार्की की अध्यक्षता वाले उच्चस्तरीय न्यायिक जांच आयोग को भेज दी है।

वरिष्ठ अधिवक्ता दिनेश त्रिपाठी ने कहा, ओली और लेखक की जवाबदेही तय होगी और आठ व नौ सितंबर को किए गए अपराध की जांच का रास्ता साफ होगा। उल्लेखनीय है कि आठ और नौ सितंबर को जेन जी समूहों के आंदोलन के दौरान 76 लोगों की मौत हुई थी।

उद्देश्य पूरे करने में लगातार विफल
सरकारी विश्वविद्यालय

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का वीरबहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के छात्रावास में शराब की बोतलें मिलने की घटना पर सार्वजनिक तौर पर नाराजगी जताना संकेत है कि सरकारी उच्च शिक्षण संस्थानों में किस कदर गिरावट आ रही है। दरअसल, किसी सरकारी विश्वविद्यालय में यह अपनी तरह की की एक घटना नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में आई रिपोर्टों, सरकारी जांचों और मीडिया कवरेज पर गौर किया जाए तो साफ पता चलता है कि देश भर के शिक्षण संस्थानों में अनुशासनात्मक और प्रशासनात्मक व्यवस्था गंभीर रूप से क्षीण हो चुकी है। नतीजा यह है कि देश के ज्यादातर सरकारी विश्वविद्यालय अपने उद्देश्यों की पूर्ति कर पाने में नाकाम हो चुके हैं और वैश्विक स्तर पर कड़ी प्रतिस्पर्धा के दौर में उनमें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हासिल करना न पूरा हो पाने वाला सपना बन चुकी है। राजनीतिक दखलंदाजी ने हालात और खराब किए हैं। इन विश्वविद्यालयों को जरूरत के मुताबिक वित्तीय निवेश भी नहीं मिल पा रहा है।

सबसे गंभीर चुनौतियां

- यूजीसी की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार 60% से अधिक सरकारी विश्वविद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं के लिए पर्याप्त धन की कमी है। इससे शिक्षण की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है।
- वित्तीय स्थिति खराब होने के कारण ज्यादातर सरकारी विश्वविद्यालयों में प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय, छात्रावास और डिजिटल संसाधनों की कमी है या वे काफी पुरानी अवस्था में हैं।
- अधिकांश राज्य विश्वविद्यालयों में 30 से 40% तक फैकल्टी पद रिक्त हैं। यूजीसी के अनुसार दिल्ली, पटना और राजस्थान विश्वविद्यालय जैसे बड़े संस्थानों में सैकड़ों पद खाली पड़े हैं।
- शिक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2022 में 40% विश्वविद्यालय भवन खस्ताहाल पाए गए। कुछ जगह पुस्तकालयों में 10 साल पुराने पाठ्यक्रम की किताबें प्रमुख रूप से मौजूद थीं।

शोध-नवाचार में पिछड़ापन

- अपर्याप्त फंडिंग, शोध के लिए प्रोत्साहन की कमी और पेपर प्रकाशन में नौकरशाही की अड़चनों के कारण भारत के सरकारी विश्वविद्यालय वैश्विक रैंकिंग में लगातार पीछे हैं।
- क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024 में केवल कुछ आईआईटी और आईआईएससी ही शीर्ष 500 में जगह पा सके हैं, जबकि पारंपरिक राज्य विश्वविद्यालय लगभग अनुपस्थित हैं।

व्यवहारिक शिक्षा का अभाव

- कौशल आधारित शिक्षा और रोजगारपरक कोर्स की कमी के कारण सरकारी विश्वविद्यालयों के स्नातक नौकरी बाजार में प्रतिस्पर्धी नहीं बन पाते। सामान्य शिक्षा भी गुणवत्ताहीन।
- एआईसीटीई व नीति आयोग की ओर से वर्ष 2023 में जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी विश्वविद्यालयों से निकलने वाले 60% छात्र स्किल्स में भी औसत उससे से कमतर हैं।

राजनीतिक हस्तक्षेप

- कई विश्वविद्यालयों में कुलपति की नियुक्ति और निर्णय प्रक्रिया में राजनीतिक प्रभाव बढ़ा है।
- इससे शैक्षणिक स्वतंत्रता के साथ विश्वविद्यालयों के नीतिगत निर्णयों पर गंभीर असर पड़ा है।

अनियमितताओं की श्रृंखला

- सीएजी की 2023 में आई रिपोर्ट से कई विश्वविद्यालयों में वित्तीय अनियमितताएं और बजट का गलत उपयोग सामने आया।
- यूजीसी की एक निरीक्षण रिपोर्ट में पाया गया कि कई संस्थानों में नियुक्तियां बिना पारदर्शिता हुई, मानकों का पालन नहीं हुआ।
- कुछ विश्वविद्यालयों में प्रबंधन समितियों के बैठक रिकॉर्ड अधूरे या गायब पाए गए। आरटीआई के जवाबों में भी अनिमितताएं।
- यूजीसी के अनुसार 2024 में 30% सरकारी विश्वविद्यालयों ने पाठ्यक्रम पांच साल से अधिक समय से अपडेट नहीं।

अपनों पर बम गिराता है पाकिस्तान नरसंहार-बलात्कार भी उसे मंजूर

जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाने पर भारत ने पड़ोसी देश को दिया तीखा जवाब

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने रखा भारत का पक्ष।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में पाकिस्तान पर तीखा प्रहार करते हुए भारत ने सोमवार को उसे अपने ही लोगों पर बम बरसाने वाला और संगठित नरसंहार करने वाला देश बताया। भारत की यह तीखी प्रतिक्रिया तब आई जब पाकिस्तानी प्रतिनिधि ने अपने बयान में जम्मू कश्मीर का मुद्दा उठाते हुए कहा, 'महिलाएं, शांति और सुरक्षा' एजेंडे से कश्मीरी महिलाओं को बाहर रखना इसकी वैधता और सार्वभौमिकता को कमजोर करता है।

'महिलाएं, शांति और सुरक्षा' विषय पर आयोजित बहस में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने कहा कि पाकिस्तान ने 1971 में 'ऑपरेशन सर्चलाइट' चलाया था और अपनी ही सेना द्वारा चार लाख महिलाओं के संगठित जनसंहार और बलात्कार की मुहिम को मंजूरी दी थी। हरीश ने कहा, हर साल हमें दुर्भाग्य से पाकिस्तान के मेरे देश के खिलाफ भ्रमित करने वाले भाषण सुनने पड़ते हैं, खासकर जम्मू कश्मीर को लेकर, जिस पर उसकी बुरी नजर है। उन्होंने कहा, जो देश अपने ही नागरिकों पर बम बरसाता है और संगठित नरसंहार करता है, वह केवल दुनिया को गुमराह करने की कोशिश कर सकता है। दुनिया अब पाकिस्तान के दुष्प्रचार को भली-भांति समझ चुकी है।

गौरतलब है कि 25 मार्च 1971 को पाकिस्तानी सेना ने 'ऑपरेशन सर्चलाइट' नाम से पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में नागरिकों का निर्मम दमन शुरू किया था, जिसमें बड़े पैमाने पर हत्याएं और अत्याचार किए गए थे। हरीश ने रूस की अध्यक्षता वाली इस बैठक में कहा कि भारत का 'महिलाएं, शांति और सुरक्षा' एजेंडा पर रिकॉर्ड निर्मल और बेदाग है। पाकिस्तान के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए हरीश ने कहा कि भारत इस एजेंडा के प्रति अडिग प्रतिबद्धता रखता है और खास तौर पर 'ग्लोबल साउथ' के देशों के साथ अपने अनुभव साझा करने और सामूहिक समाधान विकसित करने को तत्पर है।

उन्होंने कहा कि भारत की संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में निरंतर भूमिका उसकी वैश्विक शांति के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। बताया, 1960 के दशक में ही भारत ने कांगो में महिला चिकित्सकों को तैनात किया, जो संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में महिलाओं की शुरुआती भागीदारी में से एक थी। यह मात्र प्रतीकात्मक कदम नहीं, बल्कि यह स्वीकार्यता थी कि शांति स्थापना में महिलाओं की दृष्टि और कौशल आवश्यक हैं।

भारत की सतत भूमिका का भी किया जिक्र

भारतीय राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बताया कि फरवरी 2025 में भारत ने 'ग्लोबल साउथ' की महिला शांति सैनिकों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी की थी, जिसमें 35 देशों की महिला शांति रक्षकों ने भाग लिया था। 'ग्लोबल साउथ' शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।

गुतारेस ने शांति वार्ताओं में महिलाओं की अनुपस्थिति पर जताई चिंता

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने इस बात पर चिंता जताई कि महिलाएं अक्सर शांति वार्ताओं से अनुपस्थित रही हैं। उन्होंने कहा कि यह स्थिति तब है जब शांति प्रयासों में महिलाओं की समान भागीदारी वाले संयुक्त राष्ट्र के ऐतिहासिक प्रस्ताव को जारी हुए 25 वर्ष पूरे हो चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र महिला एजेंसी की प्रमुख ने भी चिंता जताई कि महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ यौन हिंसा बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि 67.6 करोड़ महिलाएं घातक संघर्षों के 50 किलोमीटर के दायरे में रह रही हैं। यह संख्या 1990 के दशक के बाद से सबसे अधिक है। यूएन महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने संयुक्त राष्ट्र प्रस्ताव की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित सुरक्षा परिषद की बैठक में कहा, पूरी दुनिया में हम सैन्य खर्च में परेशान करने वाले रुझान, अधिक सशस्त्र संघर्ष और महिलाओं तथा लड़कियों के खिलाफ और भी अधिक चौंकाने वाली क्रूरता देख रहे हैं। गुतारेस ने बताया कि 31 अक्टूबर, 2000 को इस प्रस्ताव को अपनाने के बाद सिर्फ नाममात्र की प्रगति हुई है।

अमेरिकी निर्वासन प्रक्रिया अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के खिलाफ

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायोग (यूएनएचसीआर) के प्रमुख ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका की निर्वासन प्रक्रियाएं अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करती हैं।

इसके साथ ही उन्होंने कुछ देशों में प्रवासियों और शरणार्थियों के खिलाफ बढ़ते विरोध की भी आलोचना की। संयुक्त राष्ट्र के शरणार्थियों के लिए उच्चायुक्त फिलिपो ग्रैंडी ने दुख जताते हुए कहा कि भारी धन कटौती के चलते यूएनएचसीआर को इस साल 5,000 नौकरियां यानी अपने कार्यबल के एक चौथाई हिस्से में कटौती करनी पड़ी है। संभव है कि यह कटौती आगे जारी रहे। ग्रैंडी ने यूएनएचसीआर की कार्यकारी समिति के उद्घाटन के मौके पर कहा, यह साल हम में से किसी के लिए आसान नहीं रहा है लेकिन याद रखें शरणार्थी के लिए कभी कोई साल आसान नहीं होता।

गाजा युद्ध : हमास ने ट्रंप की शांति योजना की कुछ शर्तें स्वीकार कीं

काहिरा, एजेंसी

● हमास के निरस्त्रीकरण और गाजा पर भविष्य के शासन को लेकर अभी अनिश्चतता

इजराइल और हमास के बीच शांति वार्ता मंगलवार को मिस्र के एक रिसॉर्ट शहर में फिर शुरू हो रही है। लाल सागर के शर्म अल शेख रिसॉर्ट में अप्रत्यक्ष वार्ता का दूसरा दिन पिछले सप्ताह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित योजना पर केंद्रित है, जिसका उद्देश्य गाजा में युद्ध को समाप्त करना है।

सोमवार को कई घंटों की बातचीत के बाद मिस्र के एक अधिकारी ने बताया कि दोनों पक्ष पहले चरण की ज्यादातर शर्तों पर सहमत हो गए हैं, जिनमें बंधकों की रिहाई और युद्धविराम शामिल है। इस योजना को व्यापक अंतरराष्ट्रीय समर्थन मिला है। हालांकि, कई अनिश्चितताएं बनी हुई हैं, जिनमें हमास के निरस्त्रीकरण की मांग और गाजा के भविष्य के शासन की मांग शामिल है। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से कह रहे हैं कि हमास को आत्मसमर्पण और निरस्त्रीकरण करना होगा, लेकिन हमास ने अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है कि वह ऐसा करने को तैयार होगा या नहीं।

इस योजना में हमास के निरस्त्रीकरण के बाद इजराइल द्वारा गाजा से अपने सैनिकों को वापस बुलाए जाने और एक अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल की स्थापना की परिकल्पना की गई है। इसके बाद, इस क्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय शासन के अधीन कर दिया जाएगा, जिसकी देखरेख ट्रंप और ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर करेंगे। यह युद्ध 7 अक्टूबर 2023 को शुरू हुआ, जब हमास के चरमपंथियों ने दक्षिणी इजराइल में धावा बोलकर लगभग 1,200 लोगों, जिनमें ज्यादातर नागरिक थे, की हत्या कर दी और 251 लोगों का अपहरण कर लिया।

पाकिस्तान : ट्रैक पर विस्फोट से जाफर एक्सप्रेस बेपटरी

● ट्रेन में सवार तमाम यात्री घायल, पुलिस व अर्द्धसैनिक बलों ने की इलाके की घेराबंदी

पेशावर। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी सिंध प्रांत में मंगलवार को रेलवे ट्रैक पर हुए विस्फोट के कारण पेशावर जाने वाली जाफर एक्सप्रेस के पांच डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे उसमें मौजूद तमाम यात्री घायल हो गए। घायल यात्रियों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया।

ट्रेन पर इस साल कई बार हमले हो चुके हैं। यह विस्फोट सिंध के शिकारपुर जिले में सुल्तान कोट से सटे सोमरवाह के पास हुआ। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल पर बचाव अभियान जारी है। पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों की टुकड़ियों ने इलाके की घेराबंदी कर ली है और विस्फोट की प्रकृति का पता लगाने के लिए सबूत इकट्ठा करना शुरू कर दिया है। शुरुआती रिपोर्ट से पता चलता है कि रेलवे पटरियों को काफी नुकसान पहुंचा है।

क्वेटा और पेशावर के बीच चलने वाली जाफर एक्सप्रेस को हाल के महीनों में कई बार निशाना बनाया गया है, जिसमें मार्च में हुआ हमला सबसे भीषण था। इस साल सितंबर में बलूचिस्तान के मस्तुंग के दश्त इलाके में पटरी पर हुए विस्फोट में जाफर एक्सप्रेस का एक डिब्बा क्षतिग्रस्त हो गया और छह अन्य डिब्बे पटरी से उतर गए, जिसमें 12 यात्री घायल हो गए थे। 11 मार्च को जाफर एक्सप्रेस को बंधक बना लिया गया था। इस घटना में 26 लोग मारे गए, जिनमें सुरक्षाकर्मी भी शामिल थे।

टैरिफ बहुत महत्वपूर्ण, इससे हम अरबों डॉलर कमाते हैं और शांतिदूत भी बन गए

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

● अमेरिकी राष्ट्रपति ने फिर किया भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाने का दावा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ के इस्तेमाल को युद्ध रोकने का कारगर उपाय बताते हुए कहा कि भारत-पाकिस्तान के हालिया संघर्ष समाप्त कराने के अपने दावे को दोहराया। ट्रंप ने कहा, अमेरिका के लिए टैरिफ बहुत महत्वपूर्ण हैं। इससे हम न सिर्फ अरबों डॉलर कमाते हैं, बल्कि इसी की वजह से शांतिदूत भी बन गए हैं।

ट्रंप ने कहा कि अगर उन्होंने टैरिफ की ताकत का इस्तेमाल न किया होता तो चार युद्ध अब भी जारी रहते। कहा, भारत और पाकिस्तान को देखें तो वे युद्ध के लिए तैयार थे। सात विमान मार गिराए गए थे। उन्होंने कहा, मैं यह नहीं बताना चाहता कि मैंने क्या कहा, लेकिन मैंने जो कहा वह बहुत प्रभावी था। उन्होंने संघर्ष रोक दिया और यह टैरिफ की वजह से हुआ था। इसका आधार व्यापार था। भारत ने इस मामले में किसी भी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप की बात से इन्कार किया है।

संघर्ष में चीनी हथियारों ने किया असाधारण प्रदर्शनः पाक जनरल

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने दावा किया है कि मई में भारत के साथ हुए चार दिवसीय सैन्य संघर्ष के दौरान इस्तेमाल की गई चीनी हथियार प्रणालियों ने असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया।

पाकिस्तान से प्रकाशित अंग्रेजी अखबार 'डॉन' में प्रकाशित खबर के अनुसार, चौधरी ने ब्लूमबर्ग को दिए एक साक्षात्कार में यह टिप्पणी की। खबर के मुताबिक, जनरल चौधरी ने कहा, बेशक, हाल ही में चीन के हथियारों और रक्षा प्रणालियों ने असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, हम सभी प्रकार की प्रौद्योगिकी के लिए खुले हैं। पाकिस्तानी सैन्य अधिकारी ने भारत के इस दावे का भी खंडन किया कि संघर्ष के दौरान पाकिस्तान के कम से कम एक दर्जन सैन्य विमान नष्ट हो गए।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री स्टार्मर से कल मुंबई में मिलेंगे मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

● आज पहुंचेंगे स्टार्मर, रणनीतिक साझेदारी पर दोनों में होगी चर्चा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी दो दिवसीय मुंबई यात्रा के दौरान अपने ब्रिटिश समकक्ष केअर स्टार्मर से मिलेंगे। इस मुलाकात के दौरान दोनों नेता भारत-ब्रिटेन व्यापक रणनीतिक साझेदारी के विविध पहलुओं और व्यापार एवं निवेश के प्रमुख आधार स्तंभों में की गई पहलों में प्रगति का जायजा लेंगे।

बुधवार से शुरू हो रही अपनी यात्रा के दौरान मोदी मुंबई में विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन भी करेंगे। स्टार्मर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री का पदभार संभालने के बाद बुधवार को अपनी पहली भारत यात्रा शुरू कर रहे हैं। दोनों नेता बृहस्पतिवार को भविष्य की भारत-ब्रिटेन आर्थिक साझेदारी के एक केंद्रीय स्तंभ के रूप में भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते द्वारा प्रस्तुत अवसरों पर व्यवसायों एवं उद्योग जगत के नेताओं के साथ चर्चा करेंगे।

मोदी और स्टार्मर क्षेत्रीय और वैश्विक महत्व के मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। दोनों नेता उद्योग विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और नवप्रवर्तकों के साथ भी बातचीत करेंगे। बृहस्पतिवार को दोनों नेता 'जियो वर्ल्ड सेंटर' में 'ग्लोबल फिनटेक फेस्ट' (जीएफएफ) के छठे संस्करण में भी हिस्सा लेंगे और इस अवसर पर लोगों को संबोधित करेंगे।

उभरती प्रौद्योगिकियों में सहयोग बढ़ने की आशा

लंदन। ब्रिटेन के एआई और ऑनलाइन सुरक्षा मंत्री कनिष्क नारायण ने कहा कि प्रधानमंत्री स्टार्मर की भारत यात्रा से एआई और उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे साझा हितों के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति होगी। मंत्री नारायण ने कहा कि तकनीक के साथ अन्य प्रमुख क्षेत्रों में भारत-ब्रिटेन सहयोग के लिए एक असाधारण नींव पहले ही रखी जा चुकी है। नारायण को हाल में विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी विभाग का प्रभार सौंपा गया है। प्रधानमंत्री मोदी के निमंत्रण पर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री दो दिवसीय भारत यात्रा पर आ रहे हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 8 अक्टूबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा 05.53 तक तत्पश्चात द्वितीया 9 अक्टूबर 02.22 तक तत्पश्चात तृतीया।

आज का पंचांग

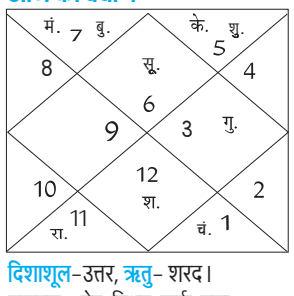

दिशाशूल-उत्तर, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- अश्विनी 22.44 तक तत्पश्चात भरणी।

मेष आज नई नौकरी के प्रस्ताव मिल सकते हैं। परिवार में शांति का वातावरण रहेगा। समाज में आपकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी। व्यवसाय में विस्तार होने से मन अत्यन्त उत्साहित रहेगा। आपकी मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

वृष आज प्रियजनों के साथ मनमुटाव हो सकता है। किसी बहुप्रतीक्षित कार्य में विलंब हो सकता है। प्रेम-संबंधों में मर्यादा का ध्यान करें। अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित रखें। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। शुगर के रोगी अपने स्वास्थ्य को लेकर सजग रहें।

मिथुन आज किसी बड़ी पारिवारिक समस्या का समाधान होगा। भौतिक सुख-सुविधाओं का आनंद उठाएंगे। व्यापार में सहयोगियों के माध्यम से धन लाभ प्राप्त होगा। नए राजनीतिक संपर्क विकसित हो सकते हैं। पति-पत्नी के बीच आपसी सामंजस्य बढ़ेगा।

कर्क आज धन के कारण फंसे हुए मामलों का निराकरण हो सकता है। व्यापार में पहले के गई मेहनत का परिणाम प्राप्त होगा। अपनी कार्यप्रणाली में सार्थक परिवर्तन ला सकते हैं। कार्यक्षेत्र में रणनीति बनाकर काम करने से सफलता मिलेगी।

सिंह आज अनुभवी व्यक्तियों की सलाह आपके काफी काम आएगी। लेन-देन के मामलों के लिए दिन शुभ है। नई परियोजनाओं को लेकर उत्साहित रहेंगे। किसी बात को लेकर नाराज हो सकते हैं। बुरे व्यसनों से दूर रहें। परिवार के लोगों का सहयोग नहीं मिलेगा।

कन्या आज किसी रिश्तेदार से शुभ समाचार प्राप्त हो सकते हैं। पुराने मुद्दों के दोबारा उभरने से अशांति हो सकती है। आपका मन आनंदित रहेगा। कारोबारियों को मशीनरी आदि को लेकर समस्या होगी। शेयर बाजार में निवेश से लाभ मिलेगा।

तुला आज समाज में आपको लोग काफी अच्छी दृष्टि से देखेंगे। दांपत्य जीवन अत्यंत संतुलित रहेगा। परिजन आपके व्यवहार से अत्यंत प्रसन्न रहेंगे। करियर में आगे बढ़ने के बेहतरीन अवसर मिलेंगे। कोर्ट-कचहरी के मामले सुलझ सकते हैं।

वृश्चिक आज नौकरी के लिए इंटरव्यू देने वालों को सफलता मिल सकती है। मन की शंकाएं दूर होंगी। लोग आपके सभ्य व्यवहार से आकर्षित होंगे। मेडिकल क्षेत्र से जुड़े लोगों की आय में वृद्धि होगी। सभी कार्य पूरी एकाग्रता से करेंगे।

धनु आज व्यावसायिक दृष्टिकोण से समय शुभ है। पुराने निवेश से धन लाभ होगा। किसी रिश्तेदार की सहायता से बड़ा काम हो सकता है। वैवाहिक जीवन थोड़ा उतार-चढ़ाव भरा रहेगा। विद्यार्थियों की शिक्षा में बाधा आ सकती है। विरोधियों के ऊपर भारी पड़ेंगे।

मकर आज करियर में उच्च अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। मनोरंजन और कला आदि में अत्यधिक रुचि लेंगे। आपके काम की लोग प्रशंसा करेंगे। अनुचित कार्यों की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं। आय की अपेक्षा व्यय अधिक होगा।

कुंभ आज विदेशी भूमि से नौकरी के प्रस्ताव प्राप्त हो सकते हैं। भावनाओं में बहकर कोई निर्णय लेने से बचें। विरोधियों के ऊपर आप भारी पड़ेंगे। जिस अवसर को काफी समय से ढूंढ रहे थे, वह आपको प्राप्त हो सकता है। अपने स्वभाव में सौम्यता का भाव रखें।

मीन आज नई संपत्ति पर निवेश कर सकते हैं। अल्प प्रयासों से आपके कार्य सफल हो जाएंगे। छोटे बच्चों की शिक्षा को लेकर योजना बना सकते हैं। कार्यक्षेत्र में अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रयोग कर पाएंगे। फाइनेंस को लेकर समस्या दूर होगी।

सुडोकू-123

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

				8		2	5	
	5			1			4	
6			5					
		2		6		9		
	1					8	6	
8		9		2		4		
			3		9			6
	3			7			8	
		4		5				

सुडोकू - 122 का हल

9	4	8	6	5	3	2	7	1
7	1	3	4	2	9	8	6	5
6	2	5	1	8	7	4	3	9
1	3	7	2	6	4	9	5	8
4	8	6	9	7	5	1	2	3
2	5	9	3	1	8	6	4	7
5	7	2	8	4	1	3	9	6
8	9	4	7	3	6	5	1	2
3	6	1	5	9	2	7	8	4

हम खेल मंत्री मनसुख मांडविया के समर्थन के लिए बेहद आभारी हैं। उनका प्रोत्साहन हमारे लिए भारत भर में गोल्फ को और अधिक सुलभ और लोकप्रिय बनाने के हमारे मिशन को जारी रखने के लिए एक जबरदस्त प्रेरणा है।

-युवराज सिंह

स्टेडियम

कानपुर नगर, बुधवार 8 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

दूसरे टेस्ट में मिल सकती है बल्लेबाजी के लिए अनुकूल पिच

नई दिल्ली : दिल्ली में 10 अक्टूबर से शुरू होने वाले दूसरे और अंतिम भारत-वेस्टइंडीज टेस्ट मैच की पिच पर कुछ हिस्सों में घास होगी और कुछ हिस्सों में सपाट सतह होगी, जबकि पहले टेस्ट मैच की अहमदाबाद की पिच पर घास की समतल परत थी। दिल्ली की पिच काली मिट्टी की होगी और बल्लेबाजों के अनुकूल होगी, तथा सतह धीरे-धीरे सूखने के कारण स्पिन की भूमिका भी महत्वपूर्ण होगी। 2019 में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप शुरू होने के बाद से भारत की सबसे हरी पिचों में से एक पर पहले टेस्ट में पहले बल्लेबाजी करने के बाद वेस्टइंडीज तीन दिन के अंदर ही हार गया। लाल मिट्टी वाली पिच पर चार मिलीमीटर तक घास बिछी होने और अच्छी उछाल के साथ, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज ने पहले दिन शानदार प्रदर्शन किया और वेस्टइंडीज 44.1 ओवर में ऑल आउट हो गया।

वेस्टइंडीज टीम में जुनून होना चाहिए : लारा

मुंबई : महान खिलाड़ी ब्रायन लारा ने मंगलवार को कहा कि प्रतिभा पलायन, बुनियादी ढांचे की कमी और अस्थिर वित्तीय स्थिति जैसी पुरानी समस्याओं के बावजूद भी वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों के दिल में अगर जुनून होता तो वे टेस्ट क्रिकेट में अपनी जगह बनाने का 'कोई न कोई रास्ता' निकाल ही लेते। दुनिया भर में फ्रेंचाइजी-आधारित टी20 प्रतियोगिताओं वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों की काफी मांग रहती है लेकिन ये खिलाड़ी खेल के लंबे प्रारूप के में बेहतर प्रदर्शन करने का धैर्य नहीं दिखा पा रहे हैं।

गंभीर की टीम में हार की कोई जगह नहीं : वरुण

मुंबई : स्पिन गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती ने कहा है कि भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टीम में ऐसी मानसिकता भरी है जिसमें हार और औसत दर्जे के प्रदर्शन के लिए कोई जगह नहीं बचती। कोलकाता नाइट राइडर्स टीम में भी गंभीर के साथ काम कर चुके चक्रवर्ती ने मंगलवार को सीएट क्रिकेट रेटिंग पुरस्कार से इतर पत्रकारों से कहा मैं उनके साथ आईपीएल में काम कर चुका हूं और हम 2024 में जीते थे। मेरे लिये कुछ नया नहीं है क्योंकि मैं उनके साथ काम कर चुका हूं।

ओसाका ने लेला फर्नांडिज को हराया

वुहान (चीन) : नाओमी ओसाका ने पहला सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए मंगलवार को यहां लेला फर्नांडिज को हराकर डब्ल्यूटीए 1000 लेवल वुहान ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। वर्ष 2017 के बाद यहां पहली बार खेल रही ओसाका ने सेंटर कोर्ट पर दिन के पहले मैच में फर्नांडिज के खिलाफ 4-6, 7-5, 6-3 से जीत दर्ज की। ऐमा राडुकानु जब आन ली के खिलाफ 1-6, 1-4 से पिछड़ रहीं थीं, तो उन्हें चक्कर आने के कारण मुकाबले के बीच से हटना पड़ा। सोफिया केनिन ने अनास्तासिया जखारोवा को 3-6, 7-6, 6-3 से हराया।

अमन पर एक साल का निलंबन

नई दिल्ली : भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने मंगलवार को पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत को सीनियर विश्व चैंपियनशिप में निर्धारित वजन सीमा से नीचे नहीं आने के कारण कुश्ती से जुड़ी सभी गतिविधियों से एक साल के लिए निलंबित कर दिया। पुरुषों की फ्रीस्टाइल 57 किग्रा वर्ग में भारत के शीर्ष पदक दावेदारों में से एक 22 वर्षीय अमन को प्रतियोगिता के दिन निर्धारित वजन सीमा से 1.7 किलो अधिक वजन पाये जाने के कारण विश्व चैंपियनशिप से अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

कोरिया में तीरंदाजी सबसे प्रिय खेल : ब्रैडी

कोलकाता : अमेरिका के दिग्गज तीरंदाज ब्रैडी एलिसन ने कहा दक्षिण कोरिया की तीरंदाजी में बादशाहत वहां के पेशेवर ढांचे का परिणाम है, जहां इस खेल की लोकप्रियता की तुलना भारत में क्रिकेट की तरह है। कोरिया का दबदबा पेरिस 2024 ओलंपिक में भी कायम रहा जहां महिलाओं की टीम ने लगातार 10वां ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता।

इंग्लैंड ने बांग्लादेश को चार विकेट से हराया

महिला विश्व कप क्रिकेट : हीथर नाइट ने 79 रनों की खेली शानदार पारी, एक्लेस्टोन ने चटकाए तीन विकेट

इंग्लैंड की हीथर नाइट ने जुझारू पारी खेलते हुए टीम को जितवाया। एजेंसी

गुवाहाटी, एजेंसी

सोफी एक्लेस्टोन की अगुवाई में स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन के बाद पूर्व कप्तान हीथर नाइट ने अपने अपार अनुभव का इस्तेमाल करके शानदार अर्धशतक लगाते हुए इंग्लैंड को बांग्लादेश के खिलाफ महिला वनडे विश्व कप के मैच में मंगलवार को चार विकेट से जीत दिलाई।

पहले बल्लेबाजी करने वाली बांग्लादेशी टीम 178 रन पर आउट हो गई। इसके बाद लेग स्पिनर फाहिमा खातून (दस ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट) और तेज गेंदबाज मारूफा अख्तर (पांच ओवर में 28 रन देकर दो विकेट) ने किला लड़ाने की कोशिश की और एक समय 23वें ओवर में इंग्लैंड के पांच विकेट 78 रन पर गिर गए थे। नाइट ने हालांकि बांग्लादेश के उलटफेर के मंसूबों पर पानी फेरते हुए जबर्दस्त पारी खेली। मार्च में कप्तानी छोड़ने वाली नाइट 111 गेंद में 79 रन बनाकर नाबाद रही। वहीं चार्ली डी ने 56 गेंद में 27 रन की नाबाद पारी खेली। डीन और नाइट ने सातवें विकेट के लिए 79 रन जोड़कर 23 गेंद बाकी रहते टीम को जीत दिलाई।

इससे पहले इंग्लैंड के लिए एक्लेस्टोन ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 24 रन देकर तीन विकेट लिए। बांग्लादेश के लिए शोभना मोस्तारी ने 108 गेंद में 60 और राबिया खान ने 27 गेंद में 43 रन बनाए। इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही और एमी जोंस (एक) पहले ही ओवर में मारूफा अख्तर की गेंद पर पगबाधा आउट हो गई। बांग्लादेश को अगले ओवर में दूसरा विकेट भी मिल जाता लेकिन स्पिनर नाहिदा अख्तर की गेंद पर मारूफा ने टैमी ब्यूमोंट का कैच टपकाया। लेग स्पिनर फाहिमा खातून ने 19वें ओवर में कप्तान नेट स्किवेर ब्रंट और एम्मा लैंब को आउट करके इंग्लैंड को दोहरे झटके दिए लेकिन नाइट ने टीम को जीत तक पहुंचाकर ही दम लिया। इससे पहले इंग्लैंड के गेंदबाजों में आफ स्पिनर चार्लोट डीन ने दस ओवर में 28 रन देकर दो और एलिस कैपसी ने आठ ओवर में 31 रन देकर दो विकेट चटकाए। टूर्नामेंट के पहले मैच में पाकिस्तान को हराने वाली बांग्लादेश टीम की शुरुआत अच्छी रही और लॉरेन बेल के ओवर में शरमीन अख्तर ने 14 रन बनाए। स्पिनर लिंसे स्मिथ ने हालांकि शरमीन और रूबिया हैदर को खुलकर खेलने नहीं दिया।

बांग्लादेश को सस्ते में आउट करने के बाद जश्न मनातीं इंग्लैंड की खिलाड़ी। एजेंसी

अंक तालिका

देश	मैच	जीत	हार	अनिर्णित	अंक	एजरेज
इंग्लैंड	2	2	0	0	4	1.757
भारत	2	2	0	0	4	1.515
आस्ट्रेलिया	2	1	0	1	3	1.780
बांग्लादेश	2	1	1	0	2	0.573
सा.अफ्रीका	2	1	1	0	2	-1.402
श्रीलंका	2	0	1	1	1	-1.255
न्यूजीलैंड	2	0	2	0	0	-1.485
पाकिस्तान	2	0	2	0	0	-1.777

पाकिस्तान के खिलाफ जीत का दावेदार ऑस्ट्रेलिया

कोलंबो : अपने अभियान की शानदार शुरुआत करने वाला ऑस्ट्रेलिया बुधवार को यहां आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप मैच में पाकिस्तान के खिलाफ जीत के प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगा। पाकिस्तान की टीम टूर्नामेंट में लय हासिल करने के लिए जूझ रही है। इस वैश्विक प्रतियोगिता में ऑस्ट्रेलिया का शानदार प्रदर्शन अन्य टीम के प्रदर्शन से बिल्कुल अलग रहा है। एलिसा हीली की अगुवाई वाली टीम अब तक टूर्नामेंट में 300 से अधिक का स्कोर बनाने वाली एकमात्र टीम रही है और पिछले दो मैच में बांग्लादेश और भारत के खिलाफ कमजोर दिखे पाकिस्तान के खिलाफ एक और बड़ा स्कोर खड़ा कर सकती है।

बांग्लादेश

178/10 (49.4 ओवर)

- रूबिया हैदर का डंकली बो बेल 04
- शरमीन का जोंस बो एक्सेलेटन 30
- निगार सुल्ताना का डीन बो स्मिथ 00
- मोस्तारी पगबाधा बो कैपसी 60
- शोरना अख्तर का जोंस बो डीन 10
- रितु मोनी का स्मिथ बो डीन 05
- फाहिमा खातून बो एक्सेलेटन 07
- नाहिदा का डीन बो एक्सेलेटन 01
- राबिया खान नाबाद 43
- मारूफा का बेल बो कैपसी 00
- शंजीदा का स्किवेर ब्रंट बो स्मिथ 01

गेंदबाजी : बेल 7-1-28-1, स्मिथ 9.4-1-33-2, नेट स्किवेर ब्रंट 5-0-32-0, एक्लेस्टोन 10-3&24-3, डीन 10-2-28-2, कैपसी 8-1-31-2

03 विकेट फाहिमा खातून ने लिए दस ओवर में 16 रन देकर

23 गेंद बाकी रहते इंग्लैंड की टीम ने दर्ज कर ली जीत

04 अंक के साथ इंग्लैंड तालिका में पहुंच गई टॉप पर

इंग्लैंड

182/6 (46.1 ओवर)

- टैमी ब्यूमोंट पगबाधा बो मारूफा 13
- एमी जोंस पगबाधा बो मारूफा 13
- हीथर नाइट नाबाद 79
- स्किवेर का फरजाना बो फाहिमा 32
- सोफिया पगबाधा बो फाहिमा 00
- एम्मा लैंब का नाहिदा बो फाहिमा 01
- एलिस पगबाधा बो संजीदा 20
- चार्ली डीन नाबाद 27

गेंदबाजी : मारूफा 5-0-28-2, नाहिदा 8-1-34-0, संजीदा 7-0-24-1, राबिया 7-1-39-0, फाहिमा 10-2-16-3, शोरना 7-0-33-0, रितु 2-1-3-0, शोभना 0.1-0-4-0

भारत के खिलाफ एकदिवसीय शृंखला के लिए स्टार्क की वापसी

मेलबर्न, एजेंसी

तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क की 19 अक्टूबर से भारत के खिलाफ शुरू हो रही तीन मैच की घरेलू शृंखला के लिए 15 सदस्यीय ऑस्ट्रेलियाई एकदिवसीय टीम में वापसी हुई है, जबकि कमर की चोट से उबर रहे पैट कमिंस की अनुपस्थिति में मिचेल मार्श टीम की कप्तानी जारी रखेंगे। पिछले महीने टी20 अंतर्राष्ट्रीय प्रारूप से संन्यास लेने वाले स्टार्क वेस्टइंडीज के टेस्ट दौरे से लौटने के बाद अगस्त में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय शृंखला से बाहर रहे थे। एशेज से पहले उनके काम के बोझ को सावधानीपूर्वक प्रबंधित किया जा रहा है। उन्होंने पिछला एकदिवसीय मैच नवंबर 2024 में एडीलेड में पाकिस्तान के खिलाफ खेला था।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 1-2 से मिली हार के बाद ऑस्ट्रेलियाई एकदिवसीय टीम में शामिल किए गए चार खिलाड़ियों में से स्टार्क एक हैं। इसके अलावा पदार्पण का इंतजार कर रहे बल्लेबाज मैथ्यू रेनशॉ, मैट शॉर्ट और मिच ओवेन को भी टीम में जगह मिली है। शॉर्ट पिछली शृंखला में मांसपेशियों में खिंचाव के कारण नहीं खेल पाए थे और ओवेन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय चरण के दौरान कन्कशन (सिर में चोट लगने के कारण बेहोशी जैसी स्थिति) का शिकार हो गए थे। कमिंस की अनुपस्थिति में मार्श एकदिवसीय टीम की कप्तानी जारी रखेंगे जो एशेज की तैयारी के लिए कमर की हड्डी में खिंचाव से उबर रहे हैं। चयनकर्ताओं ने अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी के इरादे से शुरुआती दो टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच के लिए मार्श की अगुवाई में 14 सदस्यीय टीम का भी चयन किया है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम

एकदिवसीय : मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी, कूपर कोनोली, बेन ड्वार्शुइस, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, मिचेल ओवेन, मैथ्यू रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिचेल स्टार्क और एडम जंपा।

टी-20 (शुरुआती दो मैच) : मिचेल मार्श (कप्तान), सीन एबट, जेवियर बार्टलेट, टिम डेविड, बेन ड्वार्शुइस, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमन, मिचेल ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस और एडम जंपा।

मुकाबले

- पहला एकदिवसीय 19 अक्टूबर को पर्थ में खेला जाएगा। जबकि दूसरा और तीसरा मैच क्रमश: 23 अक्टूबर (एडीलेड) और 25 अक्टूबर (सिडनी) को होगा। टी-20 शृंखला के पांच मैच 29 अक्टूबर (कैनबरा), 31 अक्टूबर (मेलबर्न), दो नवंबर (होबार्ट), छह नवंबर (गोल्ड कोस्ट) और आठ नवंबर (ब्रिस्बेन) को खेले जाएंगे।

तीन भारतीय सितंबर के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए नामांकित

दुबई : भारत के करिश्माई खिलाड़ी अभिषेक शर्मा, कुलदीप यादव (पुरुष वर्ग में) और स्मृति मंधाना (महिला वर्ग में) को सितंबर महीने के लिए आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है। बाएं हाथ के टी-20 विशेषज्ञ बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने यूएई में खेले गए एशिया कप में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने सात टी20 मैच में तीन अर्धशतक की मदद से 314 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 200 रहा और उन्हें इस टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। इस 25 साल के बल्लेबाज ने पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय इतिहास की सर्वाधिक रेटिंग 931 अंक (बल्लेबाजी) भी हासिल की। कलाई के वामहस्त स्पिनर कुलदीप ने भी इस टूर्नामेंट में अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया। उन्होंने एशिया कप में 6.27 की इकोनॉमी दर से गेंदबाजी करते हुए 17 विकेट चटकाये। एशिया कप में उन्होंने अपना अभियान यूएई के खिलाफ सात रन पर चार विकेट के साथ शुरू किया जबकि फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ 30 रन पर चार विकेट लेकर भारत को खिताब दिलाने में अहम भूमिका अदा की।

जीत की खुशी

चीन में शंघाई मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल मैच में कनाडा के गेब्रियल डायलो को हराने के बाद जश्न मनाते बेल्जियम के जिजोउ बर्न्स। एजेंसी

आनंद-कास्परोव में 30 साल बाद फिर मुकाबला

सेंट लुई (अमेरिका), एजेंसी

पूर्व विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद और गैरी कास्परोव 30 साल बाद अपनी प्रतिद्वंद्विता को फिर जीवंत करेंगे, जब वे बुधवार से यहां क्लच शतरंज: द लीजेंड्स टूर्नामेंटमें आमने-सामने होंगे।

इस 12 बाजी वाले शतरंज मुकाबले की कुल इनामी राशि 1,44,000 डॉलर होगी और इसका आयोजन नवीनीकृत सेंट लुई शतरंज क्लब में किया जाएगा। वर्ष 1995 में न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की 107वीं मंजिल पर क्लासिकल विश्व चैंपियनशिप मैच खेलने के बाद खेल के ये दो दिग्गज रैपिड एवं ब्लिट्ज प्रारूप में एक बार फिर आमने-सामने होंगे जिसे हाल ही में फ्रीस्टाइल शतरंज का नाम दिया गया है। कास्परोव ने आनंद के खिलाफ उस मुकाबले में दबदबा बनाया था और 20 बाजी का मुकाबला 10.5-7.5 से जीता था। 2004 में संन्यास लेने के बाद से कास्परोव केवल प्रदर्शनी या ब्लिट्ज प्रतियोगिताओं में ही खेले हैं जबकि आनंद अब कभी-कभार शीर्ष प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेते हैं।

इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में प्रतिदिन चार बाजी होंगी जिसमें दो रैपिड और दो ब्लिट्ज बाजी होंगी। पहले दिन जहां चार अंक दांव पर होंगे तो वहीं दूसरे दिन यह दोगुने हो जाएंगे और प्रत्येक जीत पर दो अंक मिलेंगे।

मंधाना वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार

दुबई, एजेंसी

मौजूदा महिला एकदिवसीय विश्व कप के दो मैच में कमजोर प्रदर्शन के बावजूद भारत की स्टार क्रिकेटर स्मृति मंधाना आईसीसी महिला एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार हैं, लेकिन उनकी बढ़त कम हो गई है। स्मृति के 791 रेटिंग अंक हैं और वह इंग्लैंड की नेट स्किवर ब्रंट से 60 अंक आगे हैं।

विश्व कप से ठीक पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन महिला एकदिवसीय मैच की शृंखला में लगातार दो शतक जड़ने वाली स्मृति श्रीलंका के खिलाफ सिर्फ आठ जबकि पाकिस्तान के खिलाफ 23 रन ही बना सकीं। ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी 713 अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका की ताजमिन ब्रिट्स (706) और ऑस्ट्रेलिया की एश्लेग गार्डनर (697) न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक जड़ने के बाद आईसीसी रैंकिंग में क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर हैं। ताजमिन को दो जबकि गार्डनर को सात स्थान का फायदा हुआ है और ये दोनों अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर पहुंच गई हैं। न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन भी सात स्थान के फायदे से आठवें पायदान पर हैं जबकि शनिवार को कोलंबो में भारत के खिलाफ 81 रन की पारी खेलने वाली पाकिस्तान की दायें हाथ की बल्लेबाज सिदरा अमीन ने भी अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 10वीं रैंकिंग की बराबरी कर ली है।

नया विवाद इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने गजब मांग कर दी, द टाइम्स के लिए लिखे कॉलम में दिया एशिया कप के हंगामे का हवाला

आईसीसी टूर्नामेंट में भारत-पाकिस्तान के मुकाबले बंद हों : अथर्टन

लंदन, एजेंसी

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल अथर्टन ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से भारत-पाकिस्तान के बीच मुकाबलों को पूरी तरह से बंद करने की मांग की है, क्योंकि खेल व्यापक तनाव और दुष्प्रचार का माध्यम बन गया है।

द टाइम्स के लिए लिखे एक तीखे कॉलम में आथर्टन ने एशिया कप में हाल ही में हुए हंगामे का हवाला दिया, जहां भारतीय टीम ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इन्कार कर दिया था। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के पाकिस्तानी प्रमुख मोहसिन नकवी विजेता ट्रॉफी अपने साथ लेकर चले गए थे, क्योंकि भारतीयों ने उनसे ट्रॉफी लेने से इन्कार कर दिया था। अथर्टन ने कहा भारत और पाकिस्तान 2013 से हर आईसीसी टूर्नामेंट के ग्रुप चरण में एक-दूसरे से भिड़ते रहे हैं।

उन्होंने कहा इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि शुरुआती चरण एकल राउंड रोबिन रहा हो- जिसकी एक वजह भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबले की अनिवार्यता है या फिर कई ग्रुप जहां मुकाबले के कार्यक्रम के लिए ड्रॉ का आयोजन बड़े सुव्यवस्थित तरीके से किया गया। पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव अपने चरम पर है जिसमें पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने 26 भारतीयों की हत्या कर दी थी, जिसके बाद मई में भारत ने सैन्य कार्रवाई की थी।

अथर्टन ने लंदन के द टाइम्स में लिखा दोनों देशों के बीच कम मैचों (शायद आंशिक रूप से इसकी कमी) के कारण यह एक ऐसा मुकाबला है जिसका आर्थिक प्रभाव बहुत अधिक है, यही एक मुख्य कारण है कि आईसीसी टूर्नामेंटों के प्रसारण अधिकार इतने अधिक कीमती हैं - सबसे हालिया अधिकार 2023-27 चक्र के लिए लगभग तीन अरब डॉलर में। उन्होंने कहा द्विपक्षीय मुकाबलों के महत्व में अपेक्षाकृत गिरावट के कारण आईसीसी प्रतियोगिताओं की आवृत्ति और महत्व बढ़ गया है और इसलिए भारत और पाकिस्तान के बीच मैच उन देशों के लिए भी महत्वपूर्ण है जिनका अन्यथा खेल में कोई महत्व नहीं है। उन्होंने कहा फिलहाल आईसीसी प्रतियोगिताओं में ही दोनों टीम के बीच मुकाबले होते हैं और अब वो भी तटस्थ मैदान पर।

रणनीति में बदलाव करना चाहिए

अथर्टन ने कहा कि अब समय आ गया है कि दोनों चिर प्रतिद्वंद्वियों के बीच आईसीसी प्रतियोगिताओं में कम से कम एक बार भिड़ंत सुनिश्चित करने वाली रणनीतिक रूप से समर्थित व्यवस्था को समाप्त किया जाए। हाल ही में हुए एशिया कप में ड्रॉ और कार्यक्रम ऐसा था कि तीन हफ्तों के इस टूर्नामेंट में दोनों टीमें हर रविवार को आमने-सामने थीं। अगर क्रिकेट कभी कूटनीति का जरिया था तो अब यह स्पष्ट रूप से व्यापक तनाव और दुष्प्रचार का माध्यम बन गया है। किसी भी गंभीर खेल के लिए अपनी आर्थिक जरूरतों के हिसाब से टूर्नामेंट के मैच आयोजित करना उचित नहीं है और अब जब इस प्रतिद्वंद्विता का दूसरे तरीकों से फायदा उठाया जा रहा है।